धनबाद, रविवार 30.06.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-129 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-9
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

1 जुलाई 2024 से देश में लागू होने वाले
नए कानूनी प्रावधानों को जानें

सजग नागरिक बनें

न्याय की नई परिभाषा

श्री चम्पाई सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

आप कहीं से भी किसी भी थाने में जाकर FIR दर्ज करवा सकते हैं, वहां से संबंधित थाने में इसे भेज दिया जाएगा। **आप ऑनलाइन या ई-मेल से भी प्राथमिकी दर्ज करवा सकते हैं।**

प्राथमिकी के बाद **अनुसंधान में क्या प्रगति हुई है, इसकी जानकारी जांच अधिकारी को पीड़ित या सूचक को देनी होगी।** पहले थाने में जाकर जानकारी लेनी पड़ती थी।

संगठित अपराध, झपटमारी और मॉब लिंचिंग को भी नए अपराध में शामिल किया गया है। छोटे अपराधों के लिए सीधे जेल की जगह आरोपी से सामाजिक/सामुदायिक सेवा करने का भी दण्ड दिया जा सकता है।

पहले जहां अपराध के बाद केवल दण्ड आधारित न्याय व्यवस्था थी, वहीं **अब दण्ड की जगह न्याय व्यवस्था पर जोर है** यानी दण्ड ही केवल ना हो, यह ज्यादा महत्वपूर्ण हो कि पीड़ित को न्याय भी मिले।

18 साल से कम आयु की महिला के साथ **सामूहिक दुष्कर्म के अपराधियों को मृत्युदण्ड भी दिया जा सकता है।** जबकि 18 साल से अधिक आयु की महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के अपराधियों को 20 साल से आजीवन कारावास तक की सजा दी जा सकती है।

नए कानूनी प्रावधानों के अनुसार, **महिला से विवाह करने के झूठे वचन देकर शारीरिक संबंध बनाने के दोषी के लिए अब 10 वर्ष तक की सजा है।** दुष्कर्म पीड़िता का मेडिकल रिपोर्ट अब चिकित्सक को 7 दिन के भीतर देने होंगे।

नए कानूनी प्रावधानों में बालक (child) को परिभाषित किया गया है जो IPC में नहीं था। **महिला एवं बालकों के विरुद्ध अपराध को लिंग तटस्थ (Gender Neutral) बना दिया गया है, इसमें उभयलिंगी (Transgender) को भी सम्मलित किया गया है।**

आपराधिक न्याय प्रणाली की दिशा में तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) लागू होंगे...
ये कानून भारतीय दंड संहिता (IPC), दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर लागू होंगे।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है, **इसमें ऑडियो-वीडियो संसाधनों के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक सूचना माध्यम का भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।**

समन, तामिला का सबूत, दस्तावेजी समन के लिए इलेक्ट्रॉनिक सूचना माध्यम का प्रयोग एवं **साक्ष्य केवल लिखित नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक साधनों जैसे: ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग कर रखा जा सकेगा।**

तलाशी या जब्ती की प्रक्रिया में **ऑडियो-वीडियो संसाधनों का भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।** इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख या रिकॉर्ड को विधिक दस्तावेज के रूप में मान्यता होगी।

फोरेंसिक जांचकर्ता को **अपराध स्थल पर जाकर साक्ष्य संकलन करने की बाध्यता होगी।** चिकित्सक अभियुक्त का जैविक परीक्षण कर चिकित्सीय साक्ष्य एकत्रित करेंगे।

नए कानूनी प्रावधानों के तहत अब **कम समय में अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया सम्पन्न करने की व्यवस्था है।**

PR 328214 (IPRD) 24-25

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

पेड़ से टकराई बाइक, 3 की मौत

धनबाद (कासं) : शनिवार को हुई सड़क दुर्घटना में ३ युवकों की जान चली गई। जिसमें एक नाबालिक युवक शामिल है। घटना टुण्डी थाना क्षेत्र के महराजगंज स्थित कोटलडीह जोरिया की है।

बताया जाता है कि तीनों बाइक सवार तेज रफ्तार से भोक्ता मेला देखने महाराजगंज जा रहा था। बाइक की रफ्तार काफी तेज था। तीनों युवक बाइक पर सवार था। इसी बीच बाइक रास्ते के किनारे खजूर के पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोर थी कि तीनों युवकों की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। युवकों की बाइक अनियंत्रित थी। जिससे यह घटना हुई। घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सभी मृतक मुर्राडीह, जंगलपुर, एवं लछुरायडीह का रहने वाला था। मृतकों में एक नाबालिग था।

मृतकों में शाहिद अंसारी (१८ वर्ष), पिता- सलीम अंसारी मुर्राडीह बरवाअड्डा, हसमत अंसारी (१२ वर्ष) पितास्हमत अंसारी, लछुरायडीह, महाराजगंज तथा सोनू अंसारी (१८ वर्ष) पिता- इलियास अंसारी, जंगलपुर गोविंदपुर शामिल है।

तेज रफ्तार में बाइक चलाना युवकों को महंगा पड़ा। भोक्ता मेला देखने आए थे, लछुरायडीह से नहाने के लिए बाइक पर सवार होकर जोरिया जा रहे थे। मामले की जांच में जुटी पुलिस।

मोबाइल से हो रहा विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार : सिटी एसपी

गोविंदपुर (ससे) : सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि मोबाइल फोन ने विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय कर दिया है। विद्यार्थी मोबाइल की लत नहीं छोड़ पा रहे हैं और अभिभावकों में भी दम नहीं कि वह अपने बच्चों का पीछा मोबाइल से छुड़ा सकें। बच्चों में नैतिकता खत्म होती जा रही है।

वह शनिवार को गोविंदपुर नागरिक समिति द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में वह मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। श्री कुमार ने कहा कि विद्यार्थी अपनी क्षमता का उपयोग पढ़ने में नहीं, बल्कि मोबाइल देखने में कर रहे हैं। इसका सदुपयोग नहीं दुरुपयोग हो रहा है और कोरोना ने एलकेजी से लेकर प्लस टू तक के बच्चों को मोबाइल के आगोश में समा दिया है।

बच्चे मोबाइल के प्रति जितने सीरियस हैं, उतने अपने कोर्स की किताबों के प्रति नहीं। डीएसपी मुख्यालय १ शंकर कामती ने कहा कि यदि लगन हो तो सरकारी विद्यालयों के बच्चे भी बेहतर कर सकते हैं। पुलिस इंस्पेक्टर रविकांत प्रसाद ने आगामी १ जुलाई से देशभर में लागू होने वाले नए कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समिति अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाने के लिए समिति हर वर्ष मैट्रिक इंटर में बेहतर करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करती है।

संचालन ओमप्रकाश बजाज व धन्यवाद ज्ञापन आनंद जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए प्लस टू हाई स्कूल गोविंदपुर के प्राचार्य दिनेश सिंह, नगरकियारी प्राचार्य डॉ मीरा सिंह, शिक्षक जयंत चक्रपाणि, अवनीकांत झा, मथन चंद्र दसौंधी, रामचंद्र मिश्र एवं संचिता कर, जल संरक्षण के लिए अधिवक्ता रहमत अंसारी, सीए कौशिक अग्रवाल व योगा नेशनल चैंपियनशिप में भागीदारी के लिए आदर्श रजक, बाल वैज्ञानिक इरशाद हुसैन समेत मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले १५० छात्रछात्राओं को बैग एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्हें भोजन भी कराया गया।

मौके पर एनएचएआई अधिकारी एलपी सिंह, किशन अग्रवाल, मोबिन अंसारी, जितेश जायसवाल, विष्णु सिन्हा, विपिन रजक, राजा दास, जहीर अंसारी, हीरेन मंडल, डॉ आरके शर्मा, कमलदेव मंडल, विकाश कुमार, बाबू भगत, मनोज अग्रवाल, मंजर आलम, प्रदुमन लायक, अनंत दत्ता, गोविंद राय आदि शामिल थे।

बुनियादी सवालों को अनदेखी कर नहीं चल सकती सरकार

गोविंदपुर (ससे) : इन्क्लाबी नौजवान सभा राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक शनिवार को अग्रसेन भवन में शुरू हुई। इसमें लोकसभा चुनाव परिणाम व संगठन के कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। अलगअलग राज्यों से आए राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों ने संगठन विस्तार एवं आंदोलन का प्रतिवेदन रखा। सभा के राष्ट्रीय महासचिव नीरज कुमार और राष्ट्रीय अध्यक्ष आफताब आलम ने कहा कि चुनाव नतीजों ने मोदी सरकार पर लगाम लगाया है।

युवाओं ने यह दिखा दिया है कि हमारे बुनियादी सवालों को दरकिनार कर सरकार चल नहीं सकती है। संगठन नफरत नहीं अधिकार चाहिए, सम्मानजनक रोजगार चाहिए के नारे के साथ युवाओं को संगठित कर रहा है। बैठक में बिहार के विधायक शिवप्रकाश रंजन के साथ झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पंजाब, हरियाणा के साथियों की भागीदारी रही।

रविवार को आगामी आंदोलन की रूपरेखा, संगठन की मजबूती, नए राज्यों में संगठन का विस्तार समेत अन्य विषयों पर चर्चा होगी। नौजवान सभा ने केंद्र सरकार के ३० लाख से अधिक खाली पदों को भरने, पेपर लीक पर रोक लगाने, प्राइवेट एजेंसी से परीक्षा लेना बंद कराने, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को रद्द करने, सभी बेरोजगार नौजवानों को १५ हजार प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने, अग्निवीर योजना रद्द करने, ठेका पर बहाली बंद करने, दमनकारी कानूनों को खत्म करने व सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करने की मांग की है।

अंतर सदनीय खेल प्रतियोगिता का आरंभ

जोड़ापोखर (ससे) : शनिवार को डीएवी मॉडल स्कूल, सीएफआरआई, धनबाद में सत्र २०२४२५ के लिए अंतर सदनीय खेलों का आयोजन हैंडबॉल एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिता से शुरू हुआ। कक्षा तीसरी से चौथी तक के बच्चों ने योगाभ्यास किया। योगाभ्यास के दौरान बच्चों ने कई सूक्ष्म व्यायाम तथा प्राणायाम किये। हैंडबॉल प्रतियोगिता के बालक वर्ग में श्रद्धानंद ने दयानंद को २/० से हराकर फाइनल जीता। वहीं दूसरी ओर खेले गए बालिका वर्ग में बिरजानंद ने श्रद्धानंद को ३/१ से हराकर फाइनल में जगह बनाई तथा दयानंद ने हंसराज को ३/० से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मैच दयानंद एवं बिरजानंद के बीच सोमवार को खेला जाएगा। बास्केटबॉल प्रतियोगिता में बालिका वर्ग के पहले

मैच में श्रद्धानंद ने दयानंद को हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं दूसरे मैच में हंसराज ने बिरजानंद को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मैच श्रद्धानंद एवं हंसराज के बीच सोमवार को खेला जाएगा। दूसरी ओर बालक वर्ग में दयानंद ने श्रद्धानंद को हराकर फाइनल में जगह बनाई तथा दूसरे मैच में बिरजानंद ने श्रद्धानंद को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मैच आगामी सोमवार को खेला जाएगा। विद्यालय प्रांगण में जीत की खुशी एवं उत्साह का भाव बच्चों के चेहरे पर देखा गया। स्कूल की प्राचार्या महुआ सिंह ने इस प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। अनुशासन, संयम और लक्ष्य पर हमें ध्यान रखना चाहिए। किसी भी खेल के खिलाड़ी को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत होना आवश्यक है। मैदान में जीतने से पहले खेल को मन में जीतना जरूरी है। आज के खेल के रेफरी संतोष कुमार सिंह ने कहा कि बच्चे अनुशासन और संयम में रहकर खेले हैं। मौके पर दयानंद सदन के मास्टर दिलीप कुमार गुप्ता, हंसराज सदन के मास्टर अमोद कुमार झा, श्रद्धानंद सदन के मास्टर सुनील कुमार शर्मा, वृजानंद सदन के मास्टर आदि सत्य प्रकाश तथा आज के खेल रेफरी एडी प्रसाद, संतोष कुमार सिंह एवं सीसीए इंचार्ज मौसमी बनर्जी भी मौजूद थे।

हैबी बलास्टिंग से घरों में पड़ रही दरारें

जामाडोबा/जोड़ापोखर (ससे) : बीसीसीएल लोदना क्षेत्र के ब्राह्मण बरारी बस्ती के बगल में संचालित सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना में लगातार की जा रही हैबी ब्लास्टिंग से कई घरों में पड़ी दरार की घटना से भड़के ग्रामीणों द्वारा की जा रही आंदोलन को लेकर शनिवार को लोदना महाप्रबंधक ने प्रभावित लोगों के साथ बैठक कर वार्ता किया। मालूम हो कि ब्राह्मण बरारी के समीप सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना चल रही है जिसमें आए दिन प्रबंधकीय लापरवाही से हैवी ब्लास्टिंग हो रही है। जिसके कंपन से बस्ती के एक दर्जन घरों में दरार पड़ने की घटना के बाद ग्रामीणों द्वारा लगातार आंदोलन किया जा रहा है। प्रबंधन द्वारा समस्या का समाधान कराने की पहल नहीं किए जाने से नाराज ग्रामीणों ने उपायुक्त, डीजीएमएस, अंचल अधिकारी, एसएसपी को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। इसी संदर्भ में आज लोदना जीएम निर्झर चक्रवर्ती ने बस्ती में ग्रामीणों के साथ बैठक की। लोगों ने जीएम से कहा कि २०१७ में बस्ती का सर्वे किया गया था जिसमें ३६४ लोगों को सूचीबद्ध किया गया था। अभी बस्ती में १३६ परिवार रहते हैं जिन्हें हैवी ब्लास्टिंग एवं ओबी डंपिंग के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। सड़क मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो गई है। स्कूल, बाजार, अस्पताल जाने और पानी लाने में दिक्कत होती है। शिकायत करने पर आउटसोर्सिंग प्रबंधन द्वारा ग्रामीणों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराए जाने की धमकियां दी जाती है। जीएम चक्रवर्ती ने ग्रामीणों को हैवी ब्लास्टिंग पर रोक लगाने तथा बस्ती का पूर्णरूप से विस्थापन कराने को जिला प्रशासन से बात करने सहित अन्य समस्याओं के समाधान की पहल करने का आश्वासन दिया। बैठक में सुरेश चक्रवर्ती, जोसना देवी, सुनील चक्रवर्ती, कालाचंद बाउरी, पिनु चक्रवती आदि थे।

कोल इंडिया में मिले 27 प्रतिशत आरक्षण

जामाडोबा (ससे) : पिछड़ा वर्ग आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष हंसराज अहीर से मिलकर बैकवर्ड कोल इम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कोल इंडिया के अनुषंगी कम्पनियों में २७ प्रतिशत आरक्षण की मांग की है। इस अवसर पर एसोसिएशन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया कि वर्तमान में कोल इंडिया के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भर्ती में २७ प्रतिशत आरक्षण लागू है लेकिन उनकी अनुषंगी कम्पनियों में यह व्यवस्था लागू नहीं है। इसलिए इस व्यवस्था को कोल इंडिया की तरह ही उनके समस्त अनुषंगी कंमनियों में भर्ती एवं पदोन्नति में २७ प्रतिशत आरक्षण दिलाने की कृमा करें। ज्ञापन सौंपने वाले में गुलाब सिंह अध्यक्ष कोल इण्डिया, जय बहादुर सिंह यादव महासचिव कोल इण्डिया, ताराचंद यादव प्रभारी (के) एसईसीएल बिलासपुर जोन, अनिरुद्ध कुमार चन्द्रा अध्यक्ष (के) एसईसीएल बिलासप-र जोन, मंगला सिंह यादव महासचिव (के) एसईसीएल बिलासपुर जोन, प्रकाश राय प्रभारी एम.सी.एल. सम्बलपुर, मिथिलेश कुमार सिंह अध्यक्ष एम.सी.एल. सम्बलपुर, दिलीप कुमार मण्डल। इसकी जानकारी बैकवर्ड क्लास ओबीसी कोल इएम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन के बीसीसीएल /सीसीएल / ईसीएल मीडिया प्रभारी राम नारायण ने दी है।

झुग्गी झोपड़िया के परिवारों की समस्याओं का किया गया सर्वेक्षण

धनबाद (कासं) : शनिवार को सिंदरी तथा वार्ड नं. १४ के खरिकाबाद में भारत ज्ञान विज्ञान समिति के आलोक में ज्ञान विज्ञान समिति झारखंड जिला इकाई धनबाद द्वारा वर्तमान में शहरी क्षेत्रों की चुनौतियों पर स्लम क्षेत्र के झुग्गीझोपड़ियों में रहने वाले परिवारों का आवास, पेयजल,जल जमाव, स्वच्छता, रोजगार, बिजली व शिक्षा आदि समस्याओं को लेकर १०० परिवार का सर्वेक्षण किया गया। पूर्व में इसी वर्ष २४ फरवरी को खरिकाबाद व २५ फरवरी को लिंडसे क्लब धनबाद में भारत ज्ञान विज्ञान समिति के आलोक में जिला इकाई धनबाद द्वारा उक्त वर्तमान में शहरी क्षेत्रों की चुनौतियों को लेकर बैठक की गई थी। उक्त सर्वे भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशी नाथ चटर्जी, प्रो. डॉ. दीपक कुमार सेन, डॉ. अंतरिन चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में धनबाद जिले के सिंदरी में प्रियदर्शनी पार्क, बी बी जी बस्ती, गोराई बस्ती, आज़ाद नगर, रांगामाटी, नतूनडीह गौशाला में तथा खरिकाबाद में गोंडुडीह ओ. पी. के समीप ८

नंबर, ९ नंबर, तुरिया बस्ती व १० नंबर खरिकाबाद में दिनांक २४ जून से शुरुआत की गई थी इसके साथ ही खरिकाबाद में उक्त झारखंड सरकार के आगामी १ जुलाई से मुख्यमंत्री बहनबेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना को लेकर जन-जागरूकता की गई। उपरोक्त सर्वे को लेकर भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशी नाथ चटर्जी द्वारा कहा गया कि उक्त सर्वे का प्रतिवेदन तैयार होने पर जिले,राज्य व केंद्र सरकार के पास प्रस्तुत करेगी साथ ही प्रेस वार्ता का आयोजित कर संपूर्ण तथ्यों को रखेगी। इस सर्वेक्षण को करने में सिंदरी में हेमंत कुमार जायसवाल, विकास कुमार ठाकुर,रानी मिश्रा, अनुप्रिया कुमारी,मिठू दास,राज नारायण तिवारी,प्रफुल कुमार स्वैन व रजनीकांत मिश्रा, तथा खरिकाबाद में भोला नाथ राम,रवि सिंह, रविंद्र कुमार राम,खुशी कुमारी,मधेश्वर नाथ भगत व विकाश कुमार गुप्ता का सहयोग रहा।

विशेष लोक अदालत में एक अरब 66 करोड़ की परिसंपत्ति वितरित

धनबाद (कासं) : झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा बीसीसीएल सामुदायिक भवन, कोयला नगर धनबाद मे एक दिवसीय भूअधिग्रहण, राजस्व संग्रहण, पुनर्वास से संबंधित मुकदमों के निपटारे के लिए स्पेशल लोक अदालत का आयोजन हुआ। विशेष लोक अदालत में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सह झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद न्यायाधीश आनंदा सेन, न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिनके द्वारा विभिन्न तरह के विवादों का ऑन स्पॉट निस्तारण कर एक अरब ६६ करोड़ ३४ लाख ६३ हजार रुपए की परिसंपत्तियों व नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। वहीं एक लाख ६३ हजार ४४१ विवादों का ऑनस्पॉट निष्पादन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई, जिसके बाद नालसा का थीम सोंग हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। जिसके बाद न्यायमूर्ति आनंदा सेन ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन में न्यायाधीश श्री सेन ने कहा कि भूअधिग्रहण से संबंधित विवाद के मामले में ज्यादा बढ़ते जाते हैं। जल्द से जल्द उन्हें पुनर्वासित करने तथा उसे समुचित मुआवजा दिलाना हम लोगों का सामाजिक दायित्व और कर्तव्य है।

विशेष लोक अदालत में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि मुआवजा का अर्थ केवल यह नहीं कि उन्हें रुपए का भुगतान कर दिया जाए, परंतु मुआवजा का अर्थ यह भी है कि सामाजिक सुरक्षा के तहत उनके परिवार के जीवन यापन और उन्हें रहने के लिए छत की व्यवस्था करना जस्टिस श्री नारायण ने डीसी धनबाद एवं सीएमडी बीसीसीएल से अनुरोध किया कि वह मुआवजा संबंधित विवादों का निस्तारण ३० दोनों के अंदर करें ताकि लोगों को समुचित लाभ मिल सकें। वह दरबर की ठोकर खाने से बच जाए। इसके बाद नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया जिसमें अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित किए गए लोगों के दर्द को दिखाया गया। डालसा के प्रयास से उन्हें नया घर मिला। मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए न्यायाधीश श्री नारायण ने कहा कि चुकी धनबाद में कोयला उत्खनन व भूअधिग्रहण के ज्यादातर मामले पाए गए जिसमें लोगों को समय पर मुआवजा नहीं मिल पाया था। इस कारण धनबाद को ही विशेष आयोजन के लिए चुना गया। पीएसयू कंपनी के अधिकारियों को सुझाव दिया कि पीड़ित के जगह वे खुद जाकर समस्या का जल्द से जल्द समाधान होगा।

छह माह पूर्व टुंडी के एक युवक की मौत हाथी द्वारा कुचल देने के कारण हो गई थी। उसकी पत्नी रेशोमुनि सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाते लगाते थक गई थी परंतु उसे मुआवजा नहीं मिला था डालसा ने उसकी सुध ली और मृतक की पत्नी रेशोमुनी को वन विभाग से ४ लाख रुपए मुआवजा का भुगतान कराया।

44 लोगों को मिला ऑनस्पॉट नियुक्ति पत्र

वहीं बिजली के पोल में गाय के सट जाने और उसकी मौत हो जाने के मामले में भी डालसा ने पहल करते हुए गाय के मालिक मंटू यादव एवं अरविंद कुमार को बिजली विभाग से ३०३० हजार रुपए मुआवजा का भुगतान कराया।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी द्वारा सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण किए जाने के मामले में महीनों दफ्तर का चक्कर लगाते थक गए राजबल मुरमुर को २ करोड़ ९ लाख ४२ हजार २११ रूपए, जीतन मांझी को ५ लाख ५४ हजार ८४३ रूपए। जिला प्रशासन द्वार अजय कुमार महतो को २ लाख ५१ हजार ५४७ रूपए,अर्जुन रवानी को १५ लाख १४ हजार ४३८ रूपए का भुगतान किया गया।

विशेष लोक अदालत में न्यायाधीश द्वारा कल ४४ लोगों को ऑनस्पॉट नियुक्ति पत्र सौंपा गया। बीसीसीएल द्वारा ४० लोगों की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर दी गई, वहीं टाटा द्वारा दो एवं रेलवे के द्वारा दो लोगों को नियुक्ति दी गई। नियुक्ति पत्र मिलने पर इबरान अंसारी, अमन चौहान, स्वप्ननिल कुमार, कपिल चंद्र दास, अश्विनी कुमार, उज्ज्वल कुमार पासवान, विनीता देवी ने बताया कि वह सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगातेलगाते थक गई थी। डालसा ने उन्हें मुआवजा दिलवाया।

मौके पर झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार की मेंबर सेक्रेटरी रंजना अस्थाना, डिप्टी सेक्रेटरी अभिषेक कुमार, उपायुक्त माधवी मिश्रा, बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता, निदेशक फाइनेंस राकेश कुमार सहाय, निदेशक ऑपरेशन एस के सिंह, डीडीसी सादत अनवर, एसएसपी एच पी जनार्नदन, जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीकांत पाठक, प्रभाकर सिंह, सुजीत कुमार सिंह, डी सी अवस्थी, स्वयंभू, कुलदीप, नीरज विश्वकर्मा, एस एन मिश्रा, प्रफुल्ल कुमार, संजय कुमार सिंह, साकेत कुमार, अंजनी अनुज, पारस कुमार सिन्हा, राकेश कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी, अवर न्यायाधीश निताशा बारला, श्वेता कुमारी, ऐजोलिना जॉन, नगर आयुक्त, नेशनल हाईवे के डायरेक्टर अरविंद कुमार सिंह, सिटी एसपी, विकाश पालिवाल डीएफओ धनबाद, मीणा लाल चीफ लीगल ऑफिसर टाटा, ईसीएल, सीसीएल व विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सहाय महासचिव जीतेंद्र कुमार, लीगल एण्ड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट सहायक कांउसिल, पैरा लीगल वालंटियर, मेडिएटर समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

धनबाद, रविवार 30.06.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-129 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-9
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत दूसरी बार बना टी-20 विश्व चैंपियन

बारबाडोस (ईएमएस): २०-२० विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को ७ रन से पराजित कर दिया। भारत के दिए १७७ रन के टारगेट को दक्षिण अफ्रीका पूरा नहीं कर पाया और २० ओवर में ८ विकेट खोकर १६९ रन ही बन सका।

१६वें ओवर के बाद लग रहा था कि दक्षिण अफ्रीका वर्ल्ड चैंपियन बन जाएगा लेकिन अंतिम तीन ओवर में बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए मैच पलट दिया। १७७ रन के टारगेट का पीछा करने आए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रीजा हेंड्रिक्स को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर दिया। एडम मार्करम को अर्शदीप सिंह ने ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। दोनों ने चार-चार रन बनाए। लेकिन इसके बाद क्विंटन डि काक और ट्रिस्टन स्टब्स ने पारी संभाल ली। दोनों ने संभल कर खेला और स्कोर ७० रन तक ले गए। ट्रिस्टन स्टब्स को अक्षर पटेल ने बोल्ड कर दिया।

उन्होंने २० गेंद में तीन चौके और एक छक्के की सहायता से ३१ रन बनाए। क्विंटन डी कॉक ३० गेंद में ३९ रन बनाकर अर्शदीप की गेंद पर कुलदीप यादव को कैच दे बैठे। डी कॉक ने चार चौके और एक छक्का लगाया। हेनरी क्लासेन को हार्दिक पांड्या ने ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। क्लासेन ने २६ गेंद में दो चौके और पांच छक्के की सहायता से ५२ रन बनाए और भारत के हाथ से मैच छीन सा लिया। किंतु इसके बाद गेंदबाजी करने आए जसप्रीत बुमराह ने जॉनसन को बोल्ड कर दिया। अगले ओवर में अर्शदीप सिंह ने कसी हुई गेंदबाजी की और मात्र पांच रन दिए। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में १६ रन बनाने थे। अंतिम ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पांड्या ने डेविड मिलर को जैसे ही आउट किया भारत की जीत सुनिश्चित हो गई। पंड्या ने रबाडा को भी पवेलियन भेजा और दक्षिण अफ्रीका के मुंह से जीत छीन ली। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्धारित २० ओवर में ७ विकेट खोकर १७६ रन बनाए। टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन कप्तान रोहित शर्मा पांच गेंद में दो चौके की सहायता से ९ रन बनाकर केशव महाराज की गेंद पर क्लासेन को ▶▶ 7

राम मंदिर में पुजारी नहीं करेंगे एंड्रायड फोन का इस्तेमाल

1 जुलाई से कई नए नियम लागू

अयोध्या (ईएमएस): एक जुलाई से रामलला की सेवा पांच पुजारियों की जगह २५ पुजारी करेंगे। पुजारियों के रोस्टर की घोषणा रविवार को होगी।

इस दौरान सभी प्रशिक्षित २० पुजारियों को नियुक्ति पत्र भी दिया जाएगा। साथ ही उनके प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र और उनकी सेवा के बदले वेतन निर्धारण की भी जानकारी दी जाएगी। नई व्यवस्थाओं में प्रमुख व्यवस्था यह होगी कि पुजारी राम मंदिर में एंड्रायड फोन नहीं रखेंगे। जरूरत पर पुजारी बातचीत के लिए कीपैड वाले मोबाइल का ही उपयोग करेंगे।यह फैसला वरिष्ठ और कनिष्ठ सभी पुजारियों पर लागू रहेगा। इसी के लिए ▶▶ 7

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी के लिए उनके पैतृक गांव में प्रार्थना का दौर

मेहसाणा (ईएमएस): अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी के लिए उनके पैतृक गांव उत्तर गुजरात के झूलासन गांव में लगातार प्रार्थना दौर जारी है। गांव के लोग और स्कूल के बच्चों ने आज अखंड ज्योत प्रज्वलित की और पूरे गांव में घुमाने के बाद दोला माता के मंदिर में आरती कर सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी को लेकर प्रार्थना की।

बता दें कि अमेरिका की ओर से विशेष मिशन पर अंतरिक्ष स्टेशन भेजे गए अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल वहीं स्पेसक्राफ्ट में खराबी आने के कारण फंस गया है। अंतरिक्ष जानेवाले यात्रियों में भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स भी शामिल हैं। सुनीता विलियम्स का पैतृक गांव उत्तर गुजरात के मेहसाणा जिले की कड़ी तहसील का झूलासन है। जहां सुनीता विलियम्स के अंतरिक्ष में फंसने की खबर के बाद उनकी सुरक्षित वापसी की दुवा की जा रही है। झूलासन गांव स्थित ▶▶ 7

लद्दाख में टैंक नदी में फंसा, 5 जवान की मौत

एलएसी के पास रात एक बजे नदी में पानी बढ़ने से हादसा हुआ

लेह (ईएमएस): लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने के टैंक अभ्यास के दौरान एक टी-७२ टैंक हादसे का शिकार हो गया। जब टैंक नदी पार कर रहा था, तब पानी का लेवल अचानक बढ़ गया। इस हादसे में एक जेसीओ समेत पांच जवानों की मौत हो गई।

घटना रात १ बजे हुई। सभी पांचों शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हादसा चुशूल से १४८ किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास हुआ। हादसे का शिकार हुए जवानों के नाम आरआईएस एमआर के रेड्डी, डीएफआर भूपेंद्र नेगी, एलडी अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान (६२५५ एफडी वर्कशॉप), सीएफएन नागराज पी (एलआरडब्ल्यू) हैं। तीन के बैठने ▶▶ 7

कानूनी पेशे में लैंगिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत : सीजेआई

कोलकाता (ईएमएस): भारत के प्रधान न्यायाधीश डी। वाई चंद्रचूड़ ने कानूनी पेशे में लैंगिक प्रतिनिधित्व का अधिकतम प्रतिनिधित्व हासिल करने के लिए और अधिक काम किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। साथ ही उन्होंने इस दिशा में पहले से किए गए प्रयासों की सराहना की।

चंद्रचूड़ ने कानून के क्षेत्र से जुड़े लोगों से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ▶▶ 7

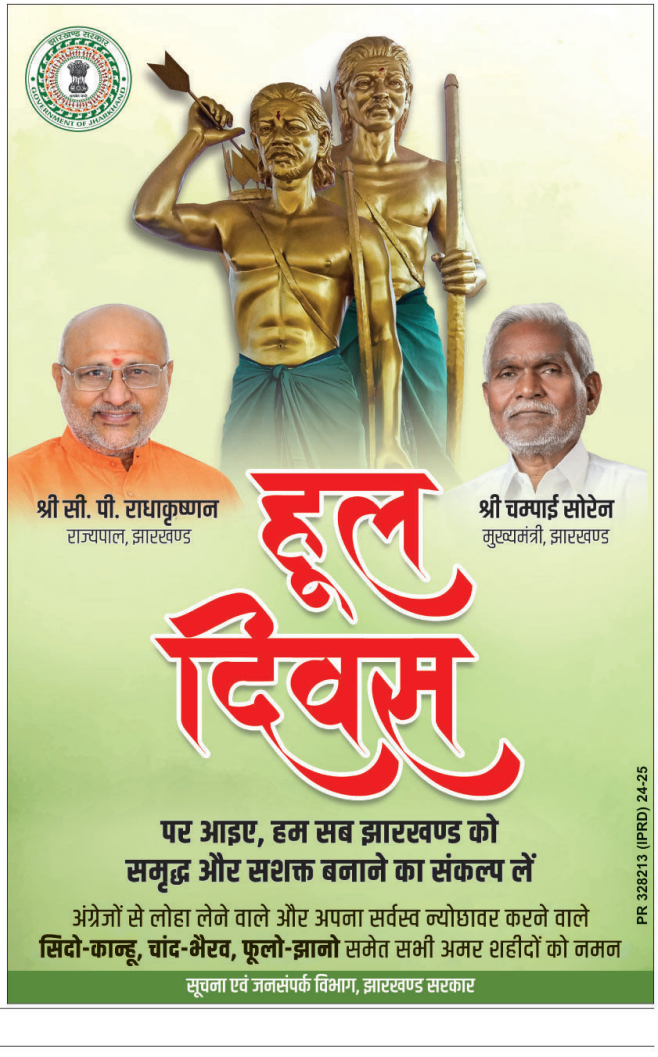

जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने खनिज संपदाओं के अवैध खनन, परिवहन, भंडारण के रोकथाम व कोयले के अवैध खनन में संलिप्त लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए दिशा निर्देश दिए।

खनन क्षेत्र में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश करने एवं उनके द्वारा कोयला चोरी किए जाने की शिकायत पर चर्चा की गई। इस दौरान खनन क्षेत्र में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश के रोकथाम के लिए पूर्व के बैठकों में दिए गए दिशा निर्देशों की उपायुक्त द्वारा समीक्षा की गई। इसको लेकर उपायुक्त ने बीसीसीएल के पदाधिकारियों को सीसीटीवी, हाई मास्क लाइट, एरिया बाउंडरी समेत अन्य व्यवस्थाओं हेतु निर्देशित किया। उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी से खनन टास्क फोर्स द्वारा करवाई, गिरफ्तारी, अवैध कोयला, बालू की जब्ती हाइवे की जब्ती, मशीन एवं उपकरणों की जब्ती की रिपोर्ट की जानकारी ली।

उपायुक्त माधवी मिश्रा ने खनन टास्क फोर्स की बैठक में संबंधित सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया कि जितने भी चिन्हित हॉटस्पॉट है उन सभी स्थानों पर लगातार छापेमारी करें साथ ही कार्रवाई करते हुए एफआईआर एवं डोजरिंग अवश्य सुनिश्चित करें। जिला द्वारा बनाई गई ज्वॉइंट टीम को और तत्परता के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। कहा कि ऐसे अवैध खादान को डोजरिंग कर ध्वस्त किया जाय। साथ ही सभी सीओ को निर्देशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जहां भी सूचना मिलती है उन इलाकों में पुलिस के साथ जाकर छापेमारी करें। साथ ही सड़कों पर भी ट्रांसपोर्टेशन के माध्यम से हो रहे अवैध कार्य की छापेमारी कर कार्रवाई करें।

कार्रवाई करने के बाद इसकी रिपोर्ट अवश्य बनाएं और कार्रवाई से संबंधित जानकारियां जैसे एफआईआर, गिरफ्तारी, डोजरिंग, सीजर आदि अवश्य दें। इसके अलावा प्रदुषण नियंत्रण हेतु क्षेत्रीय पदाधिकारी को लगातार जांच कर कार्रवाई हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए।

वरीय पुलिस अधीक्षक एच पी जनार्दनन ने कहा कि आपसी समन्वय हेतु हर १५ दिन में अंचलाधिकारी अपनेअपने क्षेत्र के थाना प्रभारी के साथ अवश्य बैठक करें ताकि क्षेत्र में हो रहे खनिज संपदाओं के अवैध कारोबार को रोका जा सके। उन्होंने वहां मौजूद सभी डीएसपी को निर्देशित किया कि जो भी अवैध कारोबार से संबंधित शिकायत आती है उसे पर त्वरित कार्रवाई करें। साथ ही बीसीसीएल, ईसीएल द्वारा एफआईआर के आवेदन पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। बैठक के दौरान सीआईएसफ एवं स्पेशल ब्रांच के द्वारा प्राप्त पत्रों पर हुई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि जितनी भी पत्र सीआईएसफ एवं स्पेशल ब्रांच द्वारा प्राप्त होते हैं जिसमें की अवैध कोयले से संबंधित जानकारियां होती है इसका निष्पादन त्वरित करें।

बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि जो भी वाहन अवैध कार्य में संलिप्त पाए जाएंगे उन्हें ब्लैकलिस्टेड किया जाएगा, ताकि उन्हें किसी अन्य एजेंसी द्वारा कार्य न मिले।

बैठक में उपायुक्त, एसएसपी, उप महानिरीक्षक सीआईएसएफ, ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी, सीनियर कमांडेंट सीआईएसएफ, निदेशक तकनीकी बीसीसीएल, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, बीसीसीएल के पदाधिकारी, ईसीएल व सीआइएसएफ के पदाधिकारी सहित सभी अंचल के अंचल अधिकारी, जीएसटी के पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

चोरी के प्रयास करने वाले चोरों को खदेड़ा

पुटकी (ससे) : बीसीसीएल पीबी एरिया अंतर्गत भागाबांध - ६ नंबर चानक पिट पर बीती देर रात गैस कटर से लोहा काट रहे चोरों को ईगल आउटसोर्सिंग कंपनी के तीन निजी सुरक्षा गार्डों ने खदेड़ दिया। करीब दो दर्जन से अधिक की संख्या में आये चोर जंगल का फायदा उठाते भाग निकले। हालांकि घटनास्थल के ऊपर सड़क पर खड़ी मारुती ओमनी को चोर नहीं ले जा सके। जानकारी के अनुसार चोरों के दल ने गैस कटर के लोहे के टॉवर को काटकर छोटा-छोटा पीस कर समीप स्थित एक मंदिर के पीछे इकट्ठा कर उसे ओमनी में लोड करने की तैयारी कर ही रहे थें। तभी भनक लगते ही चानक पिट पर तैनात बंदूकधारी निजी गार्डो ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिसके बाद सभी चोर गाड़ी छोड़ भाग खड़े हुए। पुटकी पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर थाने ले आयी है। मालूम हो कि पूर्व में कई बार चोरों ने चानक पिट पर तैनात कर्मियों को बंधक बनाकर लूटपाट कर लाखों की सम्पति चुरा चुके है। पहली बार कोलियरी के कलपुर्जो की सुरक्षा की जिम्मेदारी निजी सुरक्षा गार्डो को दी गई है। इससे पूर्व यहां बीसीसीएल सम्पति के सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ एवं बीसीसीएल के सुरक्षा गार्डो की होती थी।

सड़क दुघर्टना में एक की मौत

निरसा (ससे) : रामकनाली स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के समीप एक गंभीर सड़क दुघर्टना हुई हैं जिसमें सूत्रों की माने तो एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार पीछे से आ रही पिकअप आगे ट्रक को जोरदार धक्का मारो दिया जिससे पिकअप वैन का आगे का हिस्सा पुरी तरह से छतिग्रस्त हो गया, वहीं आगे बैठे १ सख्स पुरी तरह से दब गया जिसकी मृत्यु हो गई। और पांच लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं जिनका इलाज धनबाद में चल रहा हैं।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार घायल

सिंदरी (ससे) : शनिवार को रात्रि में सिंदरी के रोहड़ाबाद चेकपोस्ट के लायंस पब्लिक स्कूल सिंदरी के पास टेम्पू को ओवरटेक के क्रम में टेम्पू को ठोकर मारते हुए अपाची बाइक चालक प्रीत हाड़ी नामक युवक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक गौशाला नुतनडीह हाड़ी बस्ती बस्ती का रहने वाला है। घटना की सूचना पाकर सिंदरी पुलिस पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को रोहड़ाबाद स्थित नाइटिंगेल नर्सिंग होम ले गया। जहां प्राथमिक इलाज कर एसएनएमएमसीएच धनबाद रेफर कर दिया। प्रीत हाड़ी के सिर पर गंभीर चोट है। पुलिस ने घटना की जानकारी घायल युवक के परिजनों को दी।

बिना चालान के बालू लदे 2 हाइवा जब्त

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज

संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने अहले सुबह ४.३० बजे पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र में औचक जांच अभियान चलाया।

इसकी जानकारी देते हुए खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक ने बताया कि उपायुक्त के द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में आज सुबह लगभग ४:३० बजे पूर्वी टुण्डी थाना प्रभारी मदन चौधरी, गस्ती दल के स.अ.नि. नाथुनी ठाकुर एवं सशस्त्र बल के साथ संयुक्त रूप से खनिजों के अवैध खनन व परिवहन के विरूद्ध पूर्वी टुण्डी थाना अंतर्गत शंकरडीह चौक के समीप औचक रूप से छापामारी की गई। छापामारी के क्रम में २ बालू लदे हाईवा को बिना परिवहन चालान के परिवहन करते हुए पकड़ा गया।

इसमें एक हाईवा यूपी ६४ टी १०३९ पर लगभग ५०० घनफीट और दूसरे हाईवा, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर और इंजन व चेचिस नंबर घीसा हुआ है, पर लगभग ५०० घनफीट बालू लदा हुआ पाया गया। वाहनों को पकड़ने के क्रम में मौके का फायदा उठाकर दोनों वाहनों के वाहन चालक वाहनों को छोड़कर फरार हो गए।

जाँच के क्रम में उपरोक्त दोनों वाहनों पर बालू खनिज से संबंधित कोई भी वैध कागजात या परिवहन चालान (फॉर्म डी) आदि नहीं पाया गया। इसके बाद दोनों वाहनों को खनिज के साथ विधिवत जब्त कर पूर्वी टुंडी थाना परिसर में सूरक्षार्थ रखकर दोनों वाहनों पर पूर्वी टुण्डी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

डीएवी के बच्चों ने चलाया स्वच्छता अभियान

जोड़ापोखर (ससे) : बीसीसीएल मुख्यालय के निर्देश पर लोदना क्षेत्र में प्रबंधन की ओर से मनाया जा रहा स्वच्छता पखवारा दिवस शनिवार को डीएवी स्कूल बनियाहीर के छात्रों ने आसपास क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वच्छता पखवाड़ा दिवस का रविवार को समापन किया जाएगा। आज के स्वच्छता अभियान में शामिल छात्रछात्राएं, शिक्षक एवं बीसीसीएल कर्मियों ने स्कूल के आसपास मुहल्लों के सड़कों की गंदगियों की सफाई कर स्वच्छ वातावरण के लिए साफसफाई पर हमेशा सजग रहने का संदेश दिया। स्वच्छता अभियान में स्कूल के प्रधानाचार्य सुब्रता मोदक, असीम प्रियदर्शी, आशा कुमारी, सुमन पाठक, पूजा कुमारी, निर्मला ढांगा मोदक, शेखर तिवारी, ए के उपाध्याय सहायक प्रबंधक कार्मिक, सौरभ सिंह, लिपिक बी.एच. खान आदि थे।

मरीज की मौत के बाद हंगामा, लापरवाही का आरोप

धनबाद (कासं) : जिले के सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के कैथलैब में कतरास के छाताबाद निवासी करीम अंसारी की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि कैथलैब की बिल्डिंग चारों ओर से पैक है। हवा आने के लिए खिड़की तक नहीं है।

इस बिल्डिंग में भर्ती मरीजों को पंखा तक नहीं दिया गया है। गर्मी में मरीज की स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई। इससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल की नर्सों पर भी मरीज की देखभाल में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।

कतरास के छाताबाद निवासी करीम अंसारी की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें शुक्रवार को एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया था। उनके पेट में दर्द की शिकायत थी। मेडिसिन विभाग में सभी बेड फुल होने के कारण उन्हें कैथ लैब में रखा गया।

कैथ लैब बिल्डिंग पूरी तरह सेंट्रलाइज्ड एसी है। वायरिंग कमजोर होने के कारण एसी बंद रखा गया है। वहीं बेड के अनुसार पंखों की संख्या भी कम है। करीम को वार्ड में कोने में बेड दिया गया था। जहां, पंखा तक नहीं था। मरीज की पत्नी आबदा खातून ने बताया कि गर्मी में उनके पति की हालत ज्यादा खराब होने लगी। कई बार अस्पताल की नर्सों से पंखा उपलब्ध कराने के लिए कहा, पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

शुक्रवार की सुबह नर्सों ने उन्हें पर्ची थमाते हुए दवा लाने को कहा। वह दवा लाने चली गयी। वापस लौटने पर देखा कि पति बेड से नीचे गिरे हुए है। नर्सों के होने के बावजूद किसी ने उन्हें जमीन से नहीं उठाया। बाद में किसी तरह उन्होंने पति को जमीन से बेड पर उठाया। इसके कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गयी।

एसएनएमएमसीएच के कैथलैब में वर्तमान में ४० बेड है। सभी बेड पर मरीज भरे हुए हैं। ४० मरीजों के लिए सिर्फ १५ स्टैंड फैन ही लगाए गए है। कई बेड पर पंखा नहीं है। गर्मी से बचने के लिए मरीजों को हाथ पंखा से हवा दी जा रही है। शुक्रवार को भी कैथलैब में यही नजारा दिखा। गर्मी में परेशान मरीज को उसकी पत्नी पंखा से हवा करती दिखी। मामले की जानकारी नहीं है। कैथलैब में पर्याप्त मात्रा में स्टैंड फैन उपलब्ध कराये गये हैं। नर्सों के मरीजों के प्रति गलत व्यवहार की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जायेगी।

अमरेश सिंह ने हरि मंदिर में लगाए पौधे

धनबाद (कासं) : पर्यावरण को हरा भरा रखने लिए एक पेड़ माँ के नाम के मुहिम के तहत शनिवार

को भूली मंडल अंतर्गत सार्वजनिक हरि मंदिर प्रांगण खरिकाबाद में वरिष्ठ भाजपा नेता अमरेश सिंह द्वारा पौधारोपण किया गया। मौके पर अमरेश सिंह ने कहा धनबाद के पर्यावरण को हरा भरा बनाने के लिए एक पेड़ मां के नाम लगाने का सभी संकल्प लें एवं युवाओं को अनिवार्य रूप से पौधारोपण की प्रेरणा दें, जिससे भविष्य में धनबाद एवं पूरे देश में पर्यावरण की दृष्टि से बहुत ही सुखद अनुभूति होगी। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनोज प्रमाणिक, अशोक गुप्ता, गुरु चरण सिंह, कमल कुमार, नीरज शर्मा, अरुण सिंह, कृष्णा यादव, बबलू चौहान, उपेंद्र चौहान, लखन भुईयां, मुकेश मुंडा, मंजू किस्कू, संगीता किस्कू, बजरंगी रवानी, मुकेश रवानी, जितेंद्र रवानी, अरुण प्रमाणिक उपस्थित थे एवं सभी ने अपने-अपने घरों एवं क्षेत्रों में पौधारोपण की शपथ ली।

पंख एक नई दिशा संस्था ने दी एयर कुलर

धनबाद (कासं) : शनिवार को सबलपुर सहयोगी नगर स्थित बुजुर्गों के आश्रय स्थल ओल्ड एज होम में पंख एक नई दिशा संस्था की ओर से इस भीषण गर्मी से वृद्ध जनों की सुविधा के लिए एयर कुलर दिया गया। साथ ही बुजुर्गों को फल वितरण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी ने कहा पिछले दिनों से ओल्ड एज होम के बुजुर्ग इस गर्मी से काफी परेशान थे उनके आग्रह पर संस्था की उपाध्यक्ष नम्रता गुप्ता के द्वारा एक एयर कुलर भेंट की गयी जिससे वृद्धजन को काफी राहत है। साथ ही ओल्ड एज होम में बुजुर्गों की सेवा में संस्था की अध्यक्ष पिंकी गुप्ता, सुषमा प्रसाद, सुधा गुप्ता, श्रुति गुप्ता, शशि शेखर गुप्ता, मनीष गुप्ता, शिव शंकर गुप्ता सक्रिय थे। बुजुर्गों का सेवा सम्मान व ध्यान रखने के लिए लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम सेवा श्रम के अध्यक्ष एवं ओल्ड एज होम के संचालक नौशाद गद्दी ने संस्था के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क जांच शिविर आज

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना मोड़ के समीप कोयलांचल डायग्नोस्टिक सेंटर में रविवार को नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। जांच शिविर में शुगर ब्लड, प्रेशर एवं दाँत रोग की जांच की जाएगी। शिविर में दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमारी दीप शिखा प्रातः ८ बजे से दोपहर १२ बजे तक नि:शुल्क जांच करेंगे। यह जानकारी कोयलांचल डायग्नोस्टिक सेंटर संचालक शेखर कुमार रवानी ने दी।

अवैध बालू लदा 2 ट्रैक्टर जब्त

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर पुलिस गश्ती दल ने शुक्रवार की देर रात जामाडोबा २ पिट्स मोड़ पर अवैध बालू लदा एक बिना नंबर का ट्रैक्टर पकड़ा है। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर खनन विभाग को कार्रवाई करने की सूचना दिया है। पुलिस द्वारा कार्रवाई किए जाने से अवैध बालू संचालकों में हड़कंप मच गया है। हलांकि जोड़ापोखर पुलिस बालू की तस्करी पर रोक लगाने को लेकर वरीय अधिकारियों के दिशानिर्देश पर थाना के निकट बेरियर लगाना था परंतु बेरियर नहीं लगा। उक्त बेरियर पर जिला प्रशासन की ओर एक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी भी लगनी थी। दामोदर नदी के सुदामडीह व जहाजटांड़ घाट से ट्रैक्टर के माध्यम से अवैध बालू संचालकों द्वारा तस्करी की जाती है। यदि बेरियर भौरा थाना क्षेत्र व सुदामडीह थाना क्षेत्र में लगाए जाने पर बालू की तस्करी में पूर्णतः विराम लग जायेगा।

बच्चे के इलाज के लिए सीएमडी से वार्ता

धनबाद (कासं) : अप्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चे को बचाने के लिए एवं भूली की ज्वलंत समस्याओं का निराकरण करने की पहल राष्ट्रीय कार्यालय मजदूर यूनियन की वर्किंग प्रेसिडेंट अनुपमा सिंह ने कोलियरियों में व्याप्त श्रमिकों की समस्याओं पर राष्ट्रीय खान मजदूर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार जय मंगल सिंह ने की बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के साथ की वार्ता।

सीएमडी ने अप्लास्टिक एनीमिया के प्रसित बच्चे के इलाज का हर संभव की जाएगी मदद का दिया आश्वासन। जिले के झरिया लोदना क्षेत्र के रहने वाले शशि कुमार भगत के पुत्र सिद्धार्थ, जिंदगी और मौत के जंग लड़ रहा है। नन्हा शशि अप्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर बीमारी से पीड़ित है। इसके इलाज में लगभग २५ लाख रुपए का खर्च बताया गया है। पीड़ित सिद्धार्थ के पिता शशि कुमार भगत की आर्थिक स्थिति ठीक नही होने के कारण मदद की गुहार लगा रहे हैं। इसकी जानकारी मिलने के बाद आरसीएमएस यूनियन वर्किंग प्रेसिडेंट अनुपमा सिंह ने विगत दिनों हॉस्पिटल जाकर बच्चे तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर सुपरीटेंडेंट एवं डॉक्टर से वार्ता कर सिद्धार्थ की जान बचाने के लिए पहल की है। उन्होंने बीसीसीएल सीएमडी सीमरन दत्ता से वार्ता कर पत्र सौंपा जिसमे से शशि कुमार भगत के पुत्र सिद्धार्थ के इलाज के लिए वित्तीय सहायता साथ ही साथ २०३ थैलेसीमिया मरीज का इलाज सीएसआर फंड के तहत किया जाए जो एसएनएमएमसीएच और बाल विभाग में नामांकित है। ऐसे पीड़ित मरीज अप्लास्टिक एनीमिया, थैलेसीमिया एक आनुवांशिक रक्त संक्रमण, दवा और अन्य स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं के वित्तीय बोझ से जूझते हैं आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आते हैं भूली के लोगों को बीसीसीएल द्वारा एनओसी देने की मांग की। जेबीवीएनएल से बिजली का कनेक्शन ले सके तथा सीएसआर फंड से भूली नेहरू बालिका विद्यालय जीर्णोद्धार कराने क्षेत्रीय अस्पताल का पुनः संचालन शुरू करने डॉक्टर के साथ नियोजन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर वार्ता एवं चर्चा भी तथा कोरोना काल में मृत्यु हुई तीन कोल कर्मियों के बकाया एक्स ग्रेशिया भुगतान तीन दिन के अंदर कर दिया जाएगा तथा सैंद्रा बासजोड़ा फायर एरिया में यथाशीघ्र मिट्टी भराई का काम शुरू होगा तथा सीएसआर फंड से भूली नेहरू बालिका विद्यालय का जीर्णोद्धार कराने, क्षेत्रीय अस्पताल का पुनः संचालन डॉक्टर सहित संचालन शुरू करने, इंदु आउटसोर्सिंग कंपनी से बैठाये गए मजदूरों को पुनः कार्य पर रखने के साथसाथ ईआक्शन कोयले का उठाव मशीन के बजाय मैन्युअल लोर्डिंग करने व उद्योग को लीकेज देने की सकारात्मक बैठक हुई। समस्याओं का निराकरण जल्द करने का आश्वासन दिया। बैठक में एके झा, बजेंद्र प्रसाद सिंह, वैभव सिन्हा, रवि चौबे, रामप्रीत यादव, सतपाल सिंह ब्रोका, मिथिलेश सिंह, शकील अहमद, भूली से मनोज सिंह, दिनेश यादव, प्रमोद पासवान, बृजेश कुमार आदि थे।

भाजपा ने किया पौधारोपण

धनबाद (कासं) : भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर द्वारा आज एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष श्रवण राय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ढाई हजार पौधे कार्यकर्ताओं और आमजन में (२५००) फलदार बांटे गए।

इस अवसर पर धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और जनसहयोग से सफल हो रहा है। इस अभियान के लिए अधिकतम जन सहभागिता के प्रयास किये जा रहे है। विधायक राज सिन्हा ने उपस्थित सभी से कहा कि आप अपने क्षेत्र में पौधा लगाए और लोगों से भी पौधा लगाकर उसके संरक्षण करने के लिए कहें। आज ग्लोबल वार्मिंग से पूरी दुनिया परेशान है। हम सबों का यह कर्तव्य है कि अधिक से अधिक पौधारोपण करें और इस समस्या के समाधान के लिए अपना योगदान दें। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर में अनेक स्थानों पर प्रतिदिन कार्यक्रम हो रहे हैं। आगामी ६ जुलाई डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती तक भारतीय जनता पार्टी के सभी दायित्ववान कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ पर अच्छी संख्या में पेड़ लगाकर उसके संरक्षण की भी व्यवस्था करेंगे।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शरद महतो ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। आइए हम सभी मिलकर अपनी वसुंधरा को हरा-भरा बनाएं अधिक से अधिक संख्या में पौधा लगाएं। अनेक संगठन भी अभियान से जुड़ रहे हैं। इस अभियान के तहत समाज के अधिक से अधिक भाइयों एवं बहनों को जोड़ें। इस अवसर पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य रागिनी सिंह ने कहा कि प्रकृति का सम्मान, संरक्षण और संवर्धन हमारा दायित्व एवं कर्तव्य है। इसी भाव से हम सबों ने अधिक से अधिक पेड़ इस अभियान के तहत लगाने का संकल्प लिया है। पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम का कार्यकर्ताओं और आम जनमानस में काफी उत्साह है। हर वर्ग की इसमें भागीदारी हो रही है।

इस अवसर पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजीव अग्रवाल ने कहा कि निश्चित रूप से एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम ऐतिहासिक सफल होगा। एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम के जिला संयोजक मिल्टन पार्थ सारथी ने कहा कि पूरे धनबाद जिला महानगर की तीनों विधानसभा में एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रत्येक मंडल में सफलतापूर्वक चल रहा है।

इस अवसर पर जिला महामंत्री नितिन भट्ट, रवि सिन्हा, संजय झा, मानस प्रसून, वीरेंद्र हांसदा, उचित महतो, अरुण साव, निर्मल प्रधान, संतोष कुमार, मौसम सिंह, रोहित विद, प्रीतपाल सिंह अजमानी, मनोज मालाकार, रीता प्रसाद, परेश मुर्मू, नित्यानंद मंडल, मोहनसाव, मिथिलेश राम, अजय कांत सिन्हा, दीपक सिंह, बृजनंदन शर्मा, सरोज शुक्ला, आकाश पासवान, मंजीत, उदय कुमार टुन्नू, राजू चौरसिया, कृष्णा ठाकुर, चंदन गुप्ता, मोहित विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

टीएलएम मेले में शिक्षकों ने किया शिक्षण सामग्री का प्रदर्शन

बोकारो (ससे): निपुण भारत मिशन कार्यक्रम के ३ वर्ष पूर्ण होने एवं झारखंड शिक्षा परियोजना बोकारो द्वारा जिला स्तरीय टी.एल.एम. मेला का आयोजन जिला रामरुद्र मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय चास परिसर में आयोजित किया गया है, जिसमें सभी प्रखंड शिक्षा परियोजना द्वारा स्टॉल लगाया गया है। उक्त मेला का शुभारंभ मुख्य अतिथियो द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। टीएलएम मेला में जन शिक्षा केंद्र अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं सहायक शिक्षक सामग्री लेकर आए।

इनमें हिंदी, गणित, विज्ञान विषयों की विभिन्न प्रकार की सामग्री बनाकर लाए थे। सामग्री का प्रदर्शन किया गया। तीनों विषय के प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के लिए एक निर्णायक समिति का गठन किया गया जिसमें पांच सदस्य रखे गए। प्रदर्शनी में शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने ज्ञानवर्धक सहायक शिक्षक सामग्री का प्रदर्शन भी किया। साथ ही सभी अतिथियों द्वारा स्टालों को घूम घूमकर निरीक्षण भी किया गया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री जगरनाथ लोहरा ने बताया कि टीएलएम के माध्यम से आनंददायी शिक्षा देने के निमित्त तथा प्राथमिक कक्षाओं में उनकी मातृभाषा के तहत जिले के सभी वर्ग एक से पांच तक के विद्यार्थियों को निपुण बनाना है। उन्होंने आगे बताया कि निपुण भारत एफएलएन मिशन के तहत केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा यह पहल की गई है। यह एक व्यापक शिक्षा कार्यक्रम है, जिसमे निपुण भारत के तीन प्रमुख लक्ष्य है जिनमे शिक्षक क्षमता निर्माण, उच्च गुणवत्ता युक्त छात्र शिक्षक संसाधनों शिक्षण सामग्री का विकास और प्रत्येक बच्चे की प्रगति पर नजर रखना है। जिला स्तरीय टीएलएम निर्माण कार्यशाला में ११० शिक्षकों ने बुनियादी गतिविधी आधारित एवं रोचक टीएलएम के माध्यम से आनंददायी शिक्षा दिलाने का प्रयास किया है। जिसमें बुनियादी साक्षरता, मौखिक भाषा विकास, पढ़ना, लिखना संख्या ज्ञान कराना आवश्यक है।

मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, कार्यपालक दंडाधिकारी सत्यबाला, कार्यपालक दंडाधिकारी कनिष्क कुमार, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेवानिवृत प्रधानाध्यापक को दी गई भावभीनी विदाई

डुमरी (ससे): मध्य विद्यालय जामतारा के प्रधानाध्यापक सह डीडीओ डालूराम साव के सेवानिवृत्त होने पर शनिवार को विद्यालय प्रांगण में एक विदाई समारोह आयोजित कर सेवानिवृत प्रधानाध्यापक को भावभीनी विदाई दी गई जबकि इस दौरान प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के दर्जनों शिक्षक शिक्षिकाएं एवं शिक्षक संघ से जुड़े कई शिक्षक उपस्थित हुए। इस दौरान सभी ने सेवानिवृत प्रधानाध्यापक को फूल माला पहनाकर एवं उपहार देकर विदाई दी साथ ही वक्ताओं ने सेवानिवृत हुए प्रधानाध्यापक के कार्यकाल पर प्रकाश डाला और उनके ३६ वर्षों के नौकरीपेशा के कार्यकाल की प्रशंसा की।वक्ताओं ने कहा कि नौकरीपेशा में सेवानिवृति प्रक्रिया का एक हिस्सा है जिससे सभी को गुजरना होता है। कहा कि सेवानिवृति की दुखदायी होती है लेकिन एक शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होता है।

इस दौरान मैनेजर सिंह पूर्व डीडीओ शंकर महतो सेवानिवृत शिक्षक मुमताज अहमद, मंसूर आलम, नाजीर अहमद, देवीलाल, रवीन्द्र प्रसाद, अरूण कुमार साहू, प्रवीण सिन्हा, सत्यदेव सिन्हा, देवकी मंडल, रंजीत कुमार, रवीन्द्र कुमार, रजनीकांत पंडित, योगेश्वर प्रसाद, निलेश कुमार, मोती रविदास, रामकिशुन सोनार, युवराज सिंह, दशरथ बढ़ई, मधुसूदन, लवली मुखर्जी, सरस्वती कुमारी, मीरा कुमारी, रोहिणी कुमारी, सुमित्रा कुमारी, मंजू कुमारी आदि दर्जनों शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

घर के बाहर खड़ी ट्रक की चोरी सीसीटीवी कैमरे में कैद

डुमरी (ससे): डुमरी थाना क्षेत्र के जामतारा पंचायत निवासी लिलो ठाकुर ने शनिवार को डुमरी थाना में आवेदन देकर अपना बारह चक्का ट्रक चोरी होने का बात कही है।आवेदन में लिखा है कि मेरा बारह चक्का ट्रक जेएच ०२यू ९६५३ जो बीती रात कुलगो के पास रोड किनारे खडी थी जिसे अज्ञात चोरो द्वारा चोरी कर ली गई,चोरी की घटना की गतिविधि सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई है।

लिखा है कि जिस स्थान में मेरा ट्रक खड़ा था वहां मेरा चालक कुलगो निवासी दीपक कुमार शर्मा का घर है। चालक अपने घर के सामने गाड़ी खड़ा कर खाना खाकर सो गया जब रात में उसकी की नींद खुली तो वाहन को देखने गया तो देखा की ट्रक वहां नहीं है।जिसके बाद घटना की जानकारी मुझे दी।इधर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए चोरी की घटना में दिख रहा है कि एक सफेद रंग की लग्जरी वाहन में कुछ लोग आते हैं और उसमें से एक नीचे उतर कर ट्रक के चारो तरफ घूमता है तत्पश्चात ट्रक लेकर बगोदर की ओर चला जाता है,चोरी की घटना रात्रि लगभग एक बजे की है।

संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी कार्यक्रम में रहेंगे उपस्थित : उपायुक्त

बोकारो (ससे): सरकार द्वारा विभिन्न विभागों अंतर्गत गरीबी उन्मूलन एवं ग्रामीण जनता के सहायतार्थ कई योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के संबंध में पूर्ण जानकारी आमजनों को नहीं होने के कारण इसका यथोचित लाभ सभी को पूर्ण रूपेण प्राप्त नहीं हो रहा है। इसी को देखते हुए उपायुक्त विजया जाधव ने विभिन्न विभागों से संबंधित महत्वपूर्ण/कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विभागीय पदाधिकारी के माध्यम से प्रखंड स्तर पर मुखिया एवं पंचायत सचिव का उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया है। उन्मुखीकरण कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य सभी संबंधित विभाग के पदाधिकारी द्वारा अपने विभाग अंतर्गत संचालित सरकार की महत्वाकांक्षी/कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान करना है, ताकि ग्राम पंचायत के मुखिया एवं पंचायत सचिव के माध्यम से यह जानकारी ग्रामीण आमजनों तक पहुंच सके एवं वह योजनाओं का ससमय लाभ प्राप्त कर सकें।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन ०२ जुलाई से १६ जुलाई तक संबंधित प्रखंडों के प्रखंड सभागार में होगा। ०२ जुलाई को चास प्रखंड में, ०४ जुलाई को चंदनकियारी प्रखंड में, ०६ जुलाई को गोमिया प्रखंड में, ०८ जुलाई को बेरमो प्रखंड में, १० जुलाई को नावाडीह प्रखंड में, १२ जुलाई को चंद्रपुरा प्रखंड में, १३ जुलाई को पेटरवार प्रखंड में, १५ जुलाई को कसमार प्रखंड में एवं १६ जुलाई को जरीडीह प्रखंड में आयोजित होगा।

3615 लोगों ने शिविर में किया आवेदन

बोकारो (ससे): शनिवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार चंदनकियारी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में परिवहन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं ड्राइविंग लाइसेंस, सड़क सुरक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना २०२२, झारखंड गुड सेमेरिटर्न पॉलिसी २०२० एवं हिट एंड रन से संबंधित मामलों को सुदूरवर्ती क्षेत्र के अंतिम लोगों तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं, ड्राइविंग लाइसेंस, सड़क सुरक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना २०२२, झारखंड गुड सेमेरिटर्न पॉलिसी २०२० एवं हिट एंड रन से संबंधित आवेदन आमजनों से प्राप्त किया गया। शिविर में कुल ३६१५ लोगों ने आवेदन* किया। इस दौरान आमजनों को सड़क पर चलने के दौरान परिवहन नियमों का अनुपालन करने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस का वाहन का इस्तेमाल नहीं करने, दो-पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट आदि का इस्तेमाल करने का अपील किया गया। इस दौरान योजनाओं से संबंधित पोस्टर एवं पंपलेट का भी वितरण किया गया।

शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है मोदी सरकार : कांग्रेस

लखनऊ (ईएमएस): लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और एनडीए सरकार के बीच नीट विवाद को लेकर तीखी नोकझोंक देखने में मिली। इस पर कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए सभी विधायी गतिविधियों को स्थगित करने की कांग्रेस की मांग के कारण सदन में हंगामा हुआ, जिसके कारण स्पीकर ओम बिरला को कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। अगर राहुल गांधी नीट पर एनडीए सरकार के सहयोग की बात करते हैं, तो क्या ये अराजकता है, क्या उनका माइक बंद किया जाना चाहिए। २४ लाख बच्चों के भविष्य की बात है। करोड़ों परिवार उनके साथ जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि क्या मोदी सरकार नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है। क्या संसद में नीट का मुद्दा उठाना गलत है। छात्रों की आवाज उठाना क्या गलत है। अगर ये अराजकता हैं, तब राहुल गांधी इस तरह की अराजकता बार-बार करने वाले है। कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा, सत्ता पक्ष को समझना चाहिए कि अराजकता क्या होती है। अराजकता माइक बंद करना है। अराजकता अभिमान से बात करना है और प्रतिपक्ष को सम्मान न देना है। अराजकता नीट के बच्चों के साथ खिलवाड़ करना है।

भाजपा सांसद डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी की ओर से नेहरू के मुकाबले पीएम मोदी को अतुलनीय पीएम बताने पर राजपूत ने कहा कि सुधांशु पीएम मोदी की चाटुकारिता नहीं करेंगे, तब किसी की करेंगे। वे मोदी जी की कृपा पर हैं, यही लोकतंत्र का दुर्भाग्य है। अगर आप ऐसी बातें करते हैं, तब योग्यता के दम पर नहीं, चाटुकारिता से राज्यसभा की सीट पाते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, नेहरू ने देश को स्वावलंबी बनाया। उन्होंने आईआईटी की स्थापना की। इसरो की स्थापना की। तमाम पीएसयू बनाए। किस बात की तुलना कर रहे हैं। नेहरू ने देश के संसाधन बनाए और पीएम मोदी ने इन संसाधन को बेचा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

बोकारो (ससे): पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से विद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में शनिवार को मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

समारोह में शैक्षिक सत्र २०२३-२४ के दौरान १०वीं एवं १२वीं के टॉपरों के साथ-साथ विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक पाने वाले तथा समूहवार खेलकूद, वाक्-पटुता, पठन-दक्षता, लेखन, कला-संगीत, कंप्यूटर साइंस, पर्यावरण-मैत्री, क्विज, छायांकन, नृत्य, अनुशासन व अन्य क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ रहे कुल १४४ छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, उक्त सत्र के छात्र परिषद के हेड बॉय व हेड गर्ल को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीआरपीएफ बोकारो रेंज के उप-महानिरीक्षक (परिचालन) ब्रजेश सिंह अपनी सहधर्मिणी मंजू सिंह के साथ उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री सिंह ने सम्मानित किए गए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की

कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता एक दिन का प्रयास नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सतत कठिन परिश्रम, समर्पण, उनकी लगन व निरंतरता तथा उनके अभिभावकों के त्याग का परिणाम है। यह प्रयास आगे भी जारी रहे, क्योंकि आनेवाले समय में अभी और चुनौतियां आएंगी, जिसे समझना होगा। उन्होंने उपलब्धियों के लिए डीपीएस बोकारो परिवार को बधाई देते हुए यहां आना अपने लिए गर्व का विषय बताया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने डीपीएस बोकारो की शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मेधा सम्मान समारोह के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय हर बच्चे की प्रतिभा को निखारने के लिए कटिबद्ध है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नवाचार व रचनात्मकता को बढ़ावा देकर भावी नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण यहां किया जा रहा है।

उन्होंने बच्चों से इसी प्रकार अपने लक्ष्य के प्रति लगनशील बने रहने तथा सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया।

समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। वैदिक मंत्रोच्चार व दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद विद्यार्थियों ने अतिथियों के सम्मान में 'मंगल बेला हर्षित आई...' स्वागत गान के बाद विद्यालय गीत 'आया है नया सवेरा...' की सुमधुर प्रस्तुति दी। स्कूल की वाइस हेड गर्ल हिमानी सिंह ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। जबकि, स्वागत नृत्य में छात्र-छात्राओं ने भगवान विष्णु के दशावतार का सुंदर मंचन किया। वहीं, समारोह के अंतिम चरण में मानवीय मूल्यों को प्रतिबिंबित करती मनोहारी नृत्य-प्रस्तुति रिफ्लेक्शन से छात्राओं ने सबकी भरपूर सराहना बटोरी।

समारोह के दौरान चार अलग-अलग वर्गों में विद्यालय के सदनों को भी पुरस्कृत किया गया। सभी को मिलाकर जमुना सदन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। खेलकूद में चेनाब सदन को बेस्ट हाउस का अवार्ड मिला, तो शिक्षा और संस्कृति में जमुना हाउस को सबसे अच्छा घोषित किया गया।

वहीं, बेस्ट हाउस के लिए जमुना को ही चुना गया और मुख्य अतिथि ने हाउस के वार्डन को आरएस लुगानी ट्रॉफी सुपुर्द की। मंच संचालन स्कूल के विद्यार्थी गौरव, अनुष्का, आरुष एवं मानसी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वाइस हेड बॉय सत्यम राज ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

कार्यालय के बाहर खड़ी स्कूटी की चोरी

डुमरी (ससे): जेएसएलपीएस के बीएमएमयू पीरटांड़ में कम्युनिटी कोर्डिनेटर (सीसी) गीता कुमारी ने शनिवार को पीरटांड़ थाना में आवेदन देकर कहा है कि २९ जून २०२४ को कार्यालय के काम से आई थी।और अपनी प्लेजर स्कूटी जेएच ११एएच २३२० को प्रखंड कार्यालय परिसर के शेड में खड़ा करके लॉक करके कार्यालय के काम कर रही थी।

लगभग ११:५४ बजे अपराह्न में मेरी नज़र खिड़की से नीचे पड़ी तो स्कूटी खड़ी नहीं दिखी।

मनीष कश्यप ने अपनी ही सरकार पर साधा निशाना

पटना (एजेंसी): बिहार के यूट्यूबर और बीजेपी नेता मनीष कश्यप ने भ्रष्टाचार पर अपनी ही सरकार को जमकर घेरा. उन्होंने बिहार में लगातार गिर रहे पुलों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा, तो वहीं अयोध्या में रामपथ के धंसने और दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट की छत गिरने पर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नहीं छोड़ा. मनीष कश्यप ने अपने एक्स अकाउंट से एक वीडियो ट्वीट करके पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार को खूब सुनाया. इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि बिहार में ११ दिन में ५ पुल गिरा, दिल्ली में एयरपोर्ट का छत उड़ गया, अयोध्या में राम पथ धंस गया !! कट्टर ईमानदारी कट्टर भ्रष्टाचारी में क्यों बदल गया? मनीष ने पूछा कि इस सबके लिए अब किससे सवाल पूछा जाए- राहुल गांधी से या तेजस्वी यादव से?

वीडियो में मनीष कश्यप ने कहा कि दिल्ली वाले को एक ही बारिश में हार्ट अटैक आ गया. दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट का छत गिर गया. ये भ्रष्टाचार की वजह से गिरा, बेईमानी की वजह से गिरा या इस देश के कट्टर ईमानदार नेताओं की ईमानदारी की वजह से गिरा. अयोध्या में रामजी को चूना लगाने वाले ठेकेदार ने रामपथ में ही चूना लगा दिया. साथ ही बिहार ने एक और कीर्तिमान रच दिया. ११ दिन में ५ पुल बिहार में गिरा. पांचवां पुल मधुबनी में गिरा. इस दौरान मनीष कश्यप ने पीएम मोदी का एक ट्वीट भी दिखाया, जिसमें पीएम मोदी भ्रष्टाचार पर हमला कर रहे हैं. मनीष कश्यप ने कहा कि इन सबके बीच में सवाल किससे किया जाए. राहुल गांधी, तेजस्वी यादव या अरविंद केजरीवाल से पूछे.

खुद को सन ऑफ बिहार कहने वाले मनीष कश्यप ने लोकसभा चुनाव के ठीक पहले ही भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन की थी. बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई थी. इससे पहले वो पश्चिमी चंपारण सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले थे, लेकिन बीजेपी ज्वाइन करने के बाद उन्होंने अपना इरादा बदल दिया था. मनीष कश्यप उस समय चर्चा में आए थे, जब फर्जी वायरल वीडियो मामले में उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था.

ओलिंपिक डे सप्ताह-व्यापी खेल का समापन

धनबाद (कासं) : इंटरनेशनल ओलिम्पिक डे पर झारखण्ड ओलिम्पिक संघ के तत्वावधान में धनबाद जिला ओलिम्पिक संघ द्वारा गत २३ जून से जिले में जारी सप्ताह- व्यापी खेल व क्रॉस कंट्री रेस, रस्साकसी तथा हैंडबॉल की स्पर्धा के साथ शनिवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन आज सर्वप्रथम जिला एथलेटिक्स संघ की देख-रेख में क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन डीएवी कोयला नगर में प्रारम्भ हुआ। प्रतियोगिता के दौरान बालक तथा बालिकाओं के उम्र के आधार पर ६ अलग-अलग वर्ग निर्धारित की गई थी।

सभी वर्ग के प्रथम तीन विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं- प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला एथलेटिक्स संघ की अध्यक्ष सह जिला ओलिम्पिक संघ की उपाध्यक्ष किरण रानी नायक द्वारा स्वागत भाषण से प्रारम्भ हुआ। तत्पश्चात धनबाद जिला ओलिंपिक संघ के महासचिव रंजीत केशरी द्वारा फ्लैग ऑफ करते हुए रेस का उद्घाटन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले भर से १५० से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया जिनके बीच बालक तथा बालिकाओं के लिए विभिन्न आयु वर्ग के कुल ६ अलग-अलग स्पर्धाएं आयोजित हुई। सभी वर्ग के विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं -१४ वर्ष (बालक): आदित्य कुमार तिवारी (प्रथम), अंकित कुमार राम (द्वितीय) तथा सुधांशु राज (तृतीय).-१४ वर्ष (बालिका): शालिनी कुमारी (प्रथम) आरुषि कुमारी (द्वितीय) तथा अनन्या कुमारी (तृतीय). -१६ वर्ष (बालक): बिट्टू कुमार यादव (प्रथम), उत्तम कुमार रजवार (द्वितीय) तथा अभिषेक हज़ारी (तृतीय).-१६ वर्ष (बालिका): डोली कुमारी (प्रथम), रिया कुमारी (द्वितीय) तथा बबिता कुमारी (तृतीय). -१८ वर्ष (बालक): सुनील कुमार महतो (प्रथम), छोटू कुमार (द्वितीय) तथा शुभम कुमार (तृतीय). -१८ वर्ष (बालिका): तनु कुमारी (प्रथम), आशा कुमारी (द्वितीय) तथा अनु कुमारी (तृतीय). प्रतियोगिता के अंत में डीएवी कोयला नगर के प्राचार्य एन. एन. श्रीवास्तव द्वारा सभी वर्ग के विजेताओं के बीच पदक तथा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। मौके पर जिला एथलेटिक्स संघ के पदाधिकारीओं एवं सदस्यों में किरण रानी नायक, बंधन टोप्पो, राणा प्रताप सिंह, सिब्ब्रत मंडल, मो. ज़ुबैर आलम, तारक नाथ दास, सुनील कुमार मिश्रा, पी. एन. बनर्जी, श्याम नारायण गुप्ता, जोली सरकार, सुजापा ठाकुर, अरविन्द तिवारी, विनय कुमार शर्मा, नरेश पासवान, पंकज सिंह, लखन पाल, सुजस ठाकुर, सूरज कुमार, रंजीत द्वसंदी तथा मो. फरीद उपस्थित थे।

इसके बाद स्थानीय आमघाटा स्थित मोंटफोर्ट अकाडेमी में बालक एवं बालिकाओं के वर्ग में रस्साकासी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन स्कूल की निदेशक सह मुख्य अतिथि विषा अग्रवाल, प्राचार्य प्रशांत कुमार तथा जिला ओलिंपिक संघ के वरीय उपाध्यक्ष रेज़ा इश्त्याक द्वारा किया गया जबकि मौके पर जिला ओलिम्पिक संघ के महासचिव रंजीत केशरी, कोषाध्यक्ष पवन बरनवाल, संयुक्त सचिव मृदुल बोस, कार्यकारी सदस्य प्रियरंजन कुमार तथा स्कूल की सीनियर कोऑर्डिनेटर काकोली सान्याल विशेष रूप से उपस्थित थीं। बालिका वर्ग की स्पर्द्धा में मोंटफोर्ट अकाडेमी की टीम विजेता घोषित हुई जबकि बालक वर्ग में धनबाद टीम के खिलाडियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए विजेता टीम का ख़िताब अपने नाम किया।

नीतीश कुमार नहीं छोड़ेंगे एनडीए का साथ : नीरज कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड की शनिवार को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य रूप से सांगठनिक और राजनीतिक प्रस्ताव पेश किए गए और इनको सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया. पार्टी ने फैसला किया है कि वह एनडीए में ही रहेगी. बैठक के बाद पार्टी के प्रवक्ता और पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री और पार्टी के अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य रूप से दो प्रस्ताव पेश किए गए जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया.

उन्होंने कहा कि बैठक में सांगठनिक और राजनीतिक प्रस्ताव पारित किया गया. नीतीश कुमार ने राज्यसभा में संसदीय दल के नेता संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी. बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने एनडीए में शामिल होकर लोकसभा चुनाव में बेहतर परिणाम लाने और केंद्र सरकार में शामिल होने पर अध्यक्ष नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया गया.

उन्होंने बताया कि जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से नवाजे जाने को भी जदयू ने गौरव का विषय बताया. नीरज कुमार ने कहा कि बैठक में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए धन्यवाद दिया गया. आजादी के संघर्ष, आदर्श और जीवन मूल्यों की रक्षा और राजनीति सेवा के लिए है, मेवा के लिए नहीं, इसकी बात की गई. उन्होंने कहा, इसके अलावा यह भी तय हुआ कि हम एनडीए के साथ ही रहेंगे.

बैठक में सांगठनिक प्रस्ताव भी पास किये गए. इसके तहत झारखंड में इस साल होने वाले चुनाव में भागीदारी करने का प्रस्ताव पास किया गया. प्रस्ताव में कहा गया कि वर्ष २०२४ में जिन राज्यों में चुनाव होंगे, इनमें झारखंड प्रमुख है, जहां पहले भी हमारे प्रत्याशी चुनाव लड़े और जीते हैं. झारखंड पर विशेष ध्यान देते हुए हमें वहां की उन सीटों को चिह्नित किया जाएगा जहां से हमारे प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने की संभावना सबसे ज्यादा है. इसके बाद, चुनाव के लिए आगे की रणनीति बनाकर गंभीरता से जुट जाना होगा.

बैठक में आगामी चुनाव की चर्चा करते हुए कहा गया कि लोकसभा चुनाव में बिहार में संगठन के सभी स्तरों पर पार्टी पदाधिकारियों के साथ तालमेल और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद ने सफलता का मार्ग प्रशस्त हुआ. इस रणनीति का प्रयोग हमें २०२५ के विधानसभा चुनाव में भी मुस्तैदी से करना है. राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने वर्ष २०२५ में जिन भी राज्यों में विधानसभा के चुनाव हों और जहां हमारे उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, वहां प्रत्येक बूथ के लिए ५ से १० कार्यकर्ताओं के नाम पहले से तय कर लेने का निर्णय लिया गया. बैठक में प्रखंड, अनुमंडल, जिला स्तर पर प्रभारियों की बैठक अथवा प्रशिक्षण का कार्यक्रम भी आयोजित कराने का निर्णय लिया गया.

बिजली गिरने से महिला , मवेशी भी हुए शिकार

फतेहपुर (ईएमएस): यूपी के फतेहपुर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं चार बकरियां भी इसका शिकार हुईं हैं। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक किशनपुर थाना क्षेत्र के झुरहापुर मजरे गढ़ा गांव निवासी रामकृपाल की पत्नी कैरी देवी (५०) बकरियां को चराने गई थी। इस दौरान अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। बारिश से बचने महिला पेड़ के नीचे छिप गई, तभी गरज और चमक के साथ उस पर बिजली गिर गई। इस हादसे में महिला की झुलसने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खेतों में चर रहीं चार बकरियां भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई।

उधर, गाजीपुर थाना क्षेत्र के देवलान गांव निवासी कैलाश पुत्र रामपाल (४८) और ४२ वर्षीय सीताराम अपने-अपने मवेशियों को लेकर चराने जंगल गए थे। इस बीच आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।

नीट पेपर लीक मामले में पीएम को घेरना दुर्भाग्यपूर्ण : चिराग

पटना (एजेंसी): केंद्रीय खाद्य उपभोक्ता मंत्री चिराग पासवान ने मंत्री पद की शपथ के बाद शनिवार को पहली बार पटना पहुंचे. उनके साथ उनकी मां और पार्टी के पांच सांसद भी थे. पटना एयरपोर्ट पर चिराग का भव्य स्वागत किया गया. मीडिया से बातचीत में चिराग ने नीट पेपर लीक मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी और तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री को घेरने पर नाराजगी जाहिर की.

चिराग पासवान ने कहा कि नीट पेपर लीक एक गंभीर मामला है और सरकार सभी के हितों का ध्यान रख रही है. कुछ छात्र री-एग्जाम की मांग कर रहे हैं, जबकि कुछ नहीं चाहते हैं. सरकार इन सभी पहलुओं को देख रही है और उचित समय पर सही फैसला लेगी. उन्होंने कहा कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है और सरकार का फैसला छात्रों के हित में ही होगा. चिराग ने तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री को घेरने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री इन मामलों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं. हमारी सरकार दोषियों को बख्शेगी नहीं और भविष्य में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होगी. चिराग ने जोर देकर कहा कि डबल इंजन की सरकार सुनिश्चित करेगी कि किसी भी निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनी रहे.

चिराग पासवान के पटना पहुंचने पर लोजपा (रामविलास) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया. चिराग ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन पर भरोसा करके उन्हें खाद्य उपभोक्ता मंत्री बनाया है और वे इस विश्वास पर खरा उतरेंगे. उनकी प्राथमिकता होगी कि मंत्रालय की योजनाएं सही तरीके से जनता तक पहुंचे.

चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में हाजीपुर के केला, मुजफ्फरपुर की लीची, मखाना और आम जैसे उत्पादों की पैकेजिंग बिहार में ही होनी चाहिए ताकि किसानों को अधिक लाभ मिले. उनका मंत्रालय किसानों के हित में काम करेगा और वे सुनिश्चित करेंगे कि किसानों को उनके काम से बेहतर लाभ मिले.

अयोध्या-गोरखपुर व बनारस को फ्री मिलेगी बिजली

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश की सरकार ने पीएम सूर्य घर योजना को बढ़ावा देने के लिये बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा. शनिवार को राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि अयोध्या, वाराणसी और गोरखपुर में जल्द ही बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जो केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर योजना के प्रति लोगों को जागरूक करेगा. इन्टीग्रेटेड मार्केटिंग कम्यूनिकेशंस (आईएमसी) मॉड्यूल इस अभियान का आधार होगा.

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने एक दो महीने तक चलने वाली योजना पर काम शुरू कर दिया है, जिसके कार्यान्वयन पर दो करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. प्रवक्ता का कहना था कि इस अभियान के तहत प्रमुख स्थानों पर बैनर, बिलबोर्ड, बूथ कैंप और विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में कार्यक्रम और कार्यक्रमों के साथ-साथ पर्चे भी बांटे जाएंगे.

उनका कहना था कि तीनों शहरों में भी सौर मेले होंगे, जिससे जनता को राज्य और केंद्र सरकार की सौर और अन्य अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली योजनाओं से अवगत कराया जाएगा. जैसे कि वाराणसी और अयोध्या को सौर सिटी के तौर पर विकसित करने की प्रक्रिया जारी है, अब गोरखपुर में भी सौर ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करने और इसका व्यापक प्रचार करने का एक अभियान चलाया गया है.

प्रवक्ता ने बताया कि अभियान के तहत उद्योग मंडलों, बार एसोसिएशन, रेड क्रॉस और सिविल सोसाइटीज में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. उनका कहना है कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू),अवध विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और अन्य प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा.

पीएम सोलर होम फ्री बिजली योजना एक सरकारी योजना है जिसका लक्ष्य भारत में घरों को बिजली मुफ्त देना है. १५ फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस योजना का शुभारंभ किया था. इस कार्यक्रम के तहत घरों को छतों पर सोलर पैनल लगाने का अनुदान मिलेगा. पूरे देश में इस योजना से एक करोड़ घरों को लाभ मिलने की उम्मीद है.

नीट पेपर लीक मामले में बेउर जेल पहुंची सीबीआई

पटना (एजेंसी): नीट पेपर लीक मामले की जांच में सीबीआई की टीम बिहार और झारखंड में पहले दिन से ही काफी सक्रिय रही है. हजारीबाग में आरोपियों से पूछताछ के बाद अब शनिवार २९ जून को टीम पटना के बेऊर जेल पहुंची है, जहां वे जेल में बंद मामले के १३ आरोपियों से पूछताछ करेंगे. इन १३ आरोपियों में ६ परीक्षा माफिया, ४ अभ्यर्थी और ३ अभिभावक शामिल हैं.जानकारी के लिए बता दें कि जेल में बंद आरोपियों में परीक्षा माफिया सिकंदर, अमित आनंद, नीतीश कुमार और अभ्यर्थियों में आयुष राज, अनुराग यादव, अभिषेक शामिल हैं. अभिभावकों में अखिलेश, अवधेश और अन्य १३ लोगों से सख्ती से पूछताछ की जाएगी. पटना पुलिस ने इन १३ अभियुक्तों को ५-६ मई २०२४ को अलग-अलग जगहों से पकड़ा था.

जानकारी के अनुसार आरोपियों के वकील भी बेऊर जेल में मौजूद रहेंगे क्योंकि वकील की उपस्थिति में ही पूछताछ की जाएगी. जेल में बंद इन १३ आरोपियों से पूछताछ के बाद सीबीआई नीट मामले के असली सरगना तक पहुंचना चाहती है.

पं. प्रदीप मिश्रा ने मांगी माफी

मथुरा (ईएमएस): कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने राधा-रानी के जन्म और विवाह से जुड़े अपने बयान पर माफी मांग ली। वे शनिवार की दोपहर बरसाना पहुंचे। राधा रानी मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद मंदिर से बाहर निकले। हाथ जोड़कर ब्रज वासियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मैं ब्रजवासियों के प्रेम की वजह से यहां आया हूं।

लाडली जी ने खुद ही इशारा कर मुझे यहां बुलाया। मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है, तो उसके लिए माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि ब्रजवासियों के चरणों में दंडवत माफी मांगता हूं। मैं लाडली जी और बरसाना सरकार से क्षमा चाहता हूं।

झारखंड सरकार
जिला ग्रामीण विकास अभिकरण कार्यालय, धनबाद
दूरभाष सं0– 0326–2313331 Email: drda.dhanbad@gmail.com

:: अति अल्पकालीन पुनर्निविदा सूचना ::

मनरेगा अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में **"बिरसा हरित ग्राम योजना"** के तहत धनबाद जिला में गुणवत्तापूर्ण Grafted Layered पौधों की खरीदारी के लिए दर निर्धारण हेतु मनरेगा आयुक्त, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची के पत्रांक (N) 208 (अनु0), दिनांक– 21.02.2024 एवं सरकार के संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार, राँची के पत्रांक (N) 543 (अनु0), दिनांक– 21.04.2023 के द्वारा झारखंड राज्य में अवस्थित स्थानीय NHB (National Horticulture Board) द्वारा निबंधित नर्सरियों से जिनका झारखंड राज्य अन्तर्गत GST No. हो, के द्वारा पौधों का क्रय करने हेतु दिशा निदेश प्राप्त है।

विभागीय पत्र के आलोक में NHB (National Horticulture Board) अंतर्गत निबंधित झारखंड राज्य में अवस्थित नर्सरियों से पौधा आपूर्ति के लिए दर निर्धारण हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है।

नोटः–
1. निविदा की सामग्री, नियम एवं शर्तों की पूर्ण विवरणी धनबाद जिला के वेबसाईट www.dhanbad.nic.in पर एवं जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है।
2. इच्छुक निविदादाता दिनांक 08.07.2024 के ~~पूर्वाह्न~~/अपराह्न 2.00 बजे तक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, धनबाद में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हो कर मुहरबंद निविदा दे सकते हैं।
3. प्राप्त मुहरबंद निविदाओं को दिनांक 08.07.2024 के ~~पूर्वाह्न~~/अपराह्न 3.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष खोली जाएगी। निविदा खोलने के समय निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित होंगे।

उप विकास आयुक्त,
धनबाद

PR 328204 Rural Development(24-25)#D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह।
(जिला भू–अर्जन शाखा)

ई–मेलः–dlao-giridih@jharkhandmail.gov.in

आम सूचना

NH-114A में प्रस्तावित गिरिडीह बाईपास निर्माण परियोजना अंतर्गत कुल 24 मौजों में अर्जनाधीन भूमि का 3(A) अधिसूचना सं0 4302 दिनांक 03.10.2023 का समाचार पत्रों में प्रकाशन दिनांक 29.11.2023 को किया गया है। इसके पश्चात संबंधित कार्यालय अमीन के द्वारा स्थल पर जाकर संबंधित रैयतों से राजस्व कागजात प्राप्त किया गया। निम्नांकित कुल 43 प्लॉटों से संबंधित राजस्व कागजात किन्हीं रैयत के द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया है। फलस्वरूप इन प्लॉटों का 3(D) अधिघोषणा तैयार नहीं किया जा सका है :–

Sl. No.	Name of the District	Name of the Taluk	Name of the Village	Thana No.	Khata No.	Survey No.	Type of Land	Nature of Land	Acquired Area		Name of Land Owner/ Interested Person
									Area (in Acre)	Area (in Hec.	
Gazette 3A S.O. No. 4302 of Unknown plot in 3D											
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
1	1. Giridih	1. Bengabad	1. Madanatand	23	1	475	Private	Dhan Khet Do 1	0.0065	0.0026	Unknown
2				23	1	487	Private	Dhan Khet Do 1	0.0026	0.0011	Unknown
3				23	8	517	Private	Taand Do 1	0.0093	0.0038	Unknown
4				23	8	518	Private	Taand Do 1	0.0044	0.0018	Unknown
								Total Area:-	**0.0228**	**0.0092**	
5	1. Giridih	1. Bengabad	2. Motileda	56	47	220	Private	Taand Do	0.0372	0.0151	Unknown
6				56	62	234	Private	Dhan 2	0.0012	0.0005	Unknown
7				56	62	235	Private	Dhan 2	0.0482	0.0195	Unknown
8				56	62	236	Private	Taand Do	0.0600	0.0243	Unknown
9				56	62	237	Private	Dhan 2	0.0600	0.0243	Unknown
10				56	62	238	Private	Dhan 2	0.0600	0.0243	Unknown
11				56	62	239	Private	Dhan 2	0.3020	0.1222	Unknown
12				56	61	240	Private	Non Agriculture	0.0380	0.0154	Unknown
13				56	61	241	Private	Non Agriculture	0.0018	0.0007	Unknown
14				56	61	242	Private	Non Agriculture	0.3931	0.1591	Unknown
15				56	39	246	Private	Dhan 2	0.6002	0.2429	Unknown
16				56	62	248	Private	Dhan 2	0.0400	0.0162	Unknown
17				56	51	251	Private	Dhan 1	0.0584	0.0236	Unknown
18				56	85	336	Private	Taand Tin	0.2054	0.0831	Unknown
19				56	69	2185	Private	Taand Do	0.0383	0.0155	Unknown
								Total Area:-	**1.9438**	**0.7866**	
20	1. Giridih	2. Giridih	1. Nawadih	75	53	31	Private	Taand Do 1	0.0195	0.0079	Unknown
21				75	53	63	Private	Taand Do 1	1.0162	0.4113	Unknown
22				75	53	64	Private	Makan/1,Sahan/1	0.0287	0.0116	Unknown
23				75	33	105	Private	Dhan Khet Tin 5	0.0653	0.0264	Unknown
24				75	33	109	Private	Dhan Khet Tin 1	0.0900	0.0364	Unknown
25				75	33	111	Private	Dhan Khet Tin 1	0.0300	0.0121	Unknown
								Total Area:-	**1.2497**	**0.5057**	
26	1. Giridih	2. Giridih	2.Jagman Raidih	73	3	23	Private	Taand Do 4	0.8056	0.3260	Unknown
								Total Area:-	**0.8056**	**0.3260**	
27	1. Giridih	2. Giridih	3. Maliyabhadi	72	29	311	Private	Taand Do 1	0.1010	0.0409	Unknown
28				72	30	620	Private	Dhan Khet Tin 1	0.0227	0.0092	Unknown
29				72	30	621	Private	Dhan Khet Tin 1	0.0060	0.0024	Unknown
30				72	30	622	Private	Dhan Khet Tin 11	0.5116	0.2070	Unknown
31				72	30	623	Private	Dhan Khet Tin 1	0.0200	0.0081	Unknown
32				72	30	624	Private	Dhan Khet Tin 1	0.0300	0.0121	Unknown
								Total Area:-	**0.6913**	**0.2798**	
33	1. Giridih	2. Giridih	4. Hiradih	126	5	166	Private	Dhan Khet Do 2	0.0826	0.0334	Unknown
34				126	10	167	Private (Bakast)	Dhan Khet Tin 3	0.0700	0.0283	Unknown
35				126	10	169	Private (Bakast)	Dhan Khet Tin 1	0.0300	0.0121	Unknown
36				126	10	189	Private (Bakast)	Dhan Khet Tin 1	0.0500	0.0202	Unknown
								Total Area:-	**0.2326**	**0.0941**	
37	1. Giridih	2. Giridih	5. Paharpur	125	12	98	Private	Taand Do 2	0.0330	0.0134	Unknown
38				125	6	122	Private	Dhan Khet Tin 1	0.0043	0.0017	Unknown
								Total Area:-	**0.0373**	**0.0151**	
39	1. Giridih	2. Giridih	6. Chepo	203	11	6	Private	Taand Do 1	0.0028	0.0011	Unknown
40				203	11	97	Private	Taand Do 1	0.0053	0.0021	Unknown
41				203	11	117	Private	Dhan Khet Tin 1	0.0300	0.0121	Unknown
42				203	11	118	Private	Dhan Khet Tin 2	0.0600	0.0243	Unknown
								Total Area:-	**0.0981**	**0.0397**	
43	1. Giridih	2. Giridih	7. Gujiyadih	202		161	Private	Parti Kadim	0.0033	0.0014	Unknown
								Total Area:-	**0.0033**	**0.0014**	
								Grand Total:-	**5.0845**	**2.0577**	

इस आम सूचना के माध्यम से प्रभावित रैयतों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्लॉटों पर अपना दावा प्रस्तुत करने हेतु राजस्व कागजात यथा खतियान/केवाला/लगान रसीद इत्यादि आम सूचना के प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर जिला भू–अर्जन कार्यालय, गिरिडीह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे ताकि 3(D) अधिघोषणा का प्रकाशन किया जा सके।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
गिरिडीह।

PR 328132 Land Reforms(24-25)D

कार्यालय, जिला अभियंता जिला परिषद गिरिडीह
अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0–निविदा संख्या– DE/ZP/GIRIDIH/04/2024-25
ई– निविदा सूचना संख्या – DE/ZP/GIRIDIH/04/2024-25
1. कार्य की विस्तृत विवरणीः– 15वें वित्त आयोग के स्वास्थ्य प्रक्षेत्र मद्/हडको के CSR मद।

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य अवधि
1	Construction Block Public Health Unit under Tisri Block District Giridih	50,00,000.00	1,00,000.00	10,000.00	9 माह
2	Construction of Auditorium at Adarsh College Rajdhanwar under Block Dhanwar District Giridih	99,86,500.00	2,00,000.00	10,000.00	12 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 03.07.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक 03.07.2024 से दिनांक 10.07.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– जिला अभियंता, जिला परिशद का कार्यालय, गिरिडीह।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 12.07.2024 अपराह्न 3:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिशद, गिरिडीह।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या – 9431323435 (संबंधित जिला अभियंता, गिरिडीह का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. जिला परिशद, गिरिडीह के समुचित श्रेणी एवं उससे एक उपर के निबंधित संवेदक ही भाग ले सकते है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, गिरिडीह।

PR 328133 (Rural Development) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार
कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो।

अति अल्पकालीन निविदा सूचना सं0 –02/2024–25

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग),झारखण्ड, रॉंची के राज्यादेश संख्या 04 दिनांक 30.05.2024 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2024–25 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्वार याजना अन्तर्गत बोकारो जिला में मत्स्य बीज उत्पादकों को **Factory Formulated Extruded Mash Feed** उपलब्ध कराने हेतु प्रतिष्ठानो अथवा अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। पी0आर0 326495 Fish (2024-25) के द्वारा पूर्व में निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 22.06.2024 थी, परन्तु दो निविदा प्राप्त होने के कारण पुनर्निविदा प्रकाशित की जा रही है। इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता अपना निविदा दिनांक 09.07.2024 के पूर्वाहन 1.00 बजे तक अपना निविदा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जिला स्तरीय निविदा कमिटी द्वारा दिनांक 09.07.2024 को अपराहन 3:30 बजे निविदा खोली जायेगी। निविदा की नियम एवं शर्ते कार्यालय के सूचना पट्ट पर एवं www.bokaro.nic.in के साईट पर देखी जा सकती है। निविदा हेतु परिमाण विपत्र कार्यालय से क्रय कर उसी परिमाण विपत्र में निविदा/दर स्वीकार किया जाएगा।

1.	निविदादाता का नाम	– जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह – मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो।
2.	अग्रधन राशि	– मो0 15000/– रू0(मो0 पन्द्रह हजार रू0 मात्र) (क्र0 – 01 में वर्णित नाम से बोकारो में भुगतेय बैंक ड्राफ्ट)
3.	मत्स्य बीज उत्पादको को मत्स्य स्पॉन से मत्स्य की तैयारी हेतु फॉरमूलेटेड मैश फीड	– अधिकतम मो0 **2000/**.रू0 का फैक्ट्री फॉरमूलेटेड एक्सट्रूडेड बीज मैश फीड परिवहन व्यय सहित।
4.	परिमाण विपत्र का मूल्य	– मो0 **5100/-** रु0 (मो0 पॉच हजार एक सौ रू0) मात्र।
5.	परिमाण विपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	– विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से **08.07.2024** तक (कार्यालय अवधि में)।
6.	निविदा डालने की अंतिम तिथि व समय	– दिनांक **09.07.2024** को समय **01:00** बजे अपराह्न तक।
7.	निविदा खोलने का स्थान	– उप विकास आयुक्त, बोकारो के कार्यालय कक्ष में।
8.	निविदा खोलने की तिथि एंव समय	– दिनांक **09.07.2024** को समय **03:30** बजे अपराह्न।

निविदा की शर्तें https://bokaro.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, बोकारो के सूचना पट्ट पर किसी भी कार्यदिवस में देखा जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बोकारो।

PR 328206 Fish(24-25)D

पूर्व मध्य रेल
ई–निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है।दिनांकः27.06.2024 **क्रम संख्याः 1, ई–निविदा संख्याः** 05-GS-DHN-2024-25, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधिः** धनबाद–चन्द्रपुरा अनुभाग में रोड अंडर ब्रिज द्वारा लेवल क्रॉसिंग संख्या 3/ए/3टी, 4/ए/2टी, 6/सी/3टी, 6ए/ए/टी, एमसी–7 और जेके 07–08 का उन्मूलन 18 (अठारह) महीने, **कार्य की अनुमानित लागत (रूपये में):** 36,32,51,494.97/–, **ब्याने की राशि (रूपये में):** ब्याने की राशि (रूपये में) http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू, **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख एवं समयः** ई–निविदा बंद होने की तारीख 22.07.2024 को 17:00 बजेतक ई–निविदा खुलने की तारीख 23.07.2024 को 12.00 बजे से, **वेबसाईट का विवरणः http://www.ireps.gov.in** ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

नोट (i) हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में सूचना में अंतर होने पर अंग्रेजी भाषा में सूचना ही मान्य होगी। (ii) प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा की जारी होने की कोई भी परिवर्तन और शुद्धि पत्र की ओर ध्यान देने के लिए निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** अवलोकन करें।

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/00595/डीएचएनजीएस/ईएनजीजी/टी/24–25/36

अवैध रूप से जमा की गयी 3,95,000 घन फीट बालू जब्त, डीसी ने नीलामी का दिया निर्देश

गांची (एजेंसी): रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शनिवार को अवैध खनन की रोकथाम को लेकर जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक हुई. समहरणालय में आयोजित बैठक में समिति के सदस्य उपस्थित थे. डीसी ने अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के रोकथाम के लिए की गयी कार्रवाई की समीक्षा की. जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि रांची जिले में वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में २६ जून तक अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण को लेकर विभिन्न थानों में ७५ अभियुक्तों के विरुद्ध १३ प्राथमिकी दर्ज की गयी है. साथ ही ३१.५५ लाख जुर्माना भी वसूला गया है.

जिला खनन पदाधिकारी ने समिति को बताया कि जिला में अवैध रूप से जमा की गयी कुल ३९५००० घनफीट बालू जब्त की गयी है. जिसमें बुढमू अंचल से २००००० घन फीट, बुण्डू अंचल से १५०००० घनफीट एवं नगड़ी अंचल से ४५००० घनफीट अवैध भंडारित बालू जब्त की गयी. डीसी ने निर्देश दिया कि उक्त बालू की संबंधित अंचलाधिकारी की देख-रेख में नियमानुसार जल्द नीलामी करें. बैठक के दौरान डीसी ने जिला में चिन्हित कैटेगरी के बालूघाटों के बाबत ग्राम सभा से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की समीक्षा भी की.

डीसी ने बीडीओ, बुण्डू, तमाड़, सोनाहातु, सिल्ली, राहे एवं खलारी जल्द प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को लेकर निदेशित किया. वर्तमान में जिला में झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड द्वारा कोई भी बालूघाटों के संचालित नहीं है. डीसी ने निर्माण कार्य के लिए बालू की आपूर्ति यथासंभव सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी ली. जिला खनन पदाधिकारी ने सभी सदस्यों को अवगत कराया गया कि जिलान्तर्गत बालू लघु खनिज के २२ खनिज विक्रेताओं का निबंधन स्वीकृत है. जिससे बालू लघु खनिज की आपूर्ति प्राप्त की जा सकती है.

डीसी ने बालू खनिज के अवैध खनन, भंडारण, परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया उन्होंने अनुमंजल पदाधिकारी सदर एवं बुंडू को निर्देश दिया कि जिला के सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित थाना प्रभारी के सहयोग से विशेष अभियान चलाकर अंचलों में अवैध खनन, परिवहन, भंडारण पर पूर्णतः रोक सुनिश्चित करें. जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को समन्वय स्थापित कर ययाशीघ्र सघन छापामारी अभियान चलाते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया.

रांची के व्यवसायी मुख्यमंत्री से मिले, सुरक्षा का मिला आश्वासन

गांची (एजेंसी): बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वैलर्स में लूट और गोलीकांड की घटना को लेकर राजधानी के व्यवसायियों ने चिंता जताई है. राज्य की विधि व्यवस्था पर चिंता जताते हुए फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, सोना चांदी व्यवसायी समिति और सर्राफा एसोसिएशन के पदधारियों ने किशोर मंत्री के नेतृत्व मुख्यमंत्री से मुलाकात की. उनसे राज्य में भयमुक्त वातावरण बनाने के लिए ठोस कार्रवाई की मांग की.

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि रोजाना हो रही चोरी, डकैती, छिनतई और हत्या जैसी अप्रिय घटनाओं से राजधानी सहित पूरे राज्य में भय का माहौल बना हुआ है, जिसपर त्वरित हस्तक्षेप जरूरी है.

व्यापारियों से भयमुक्त होकर व्यापार करने की अपील

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने व्यापारियों को सुरक्षित माहौल देने का भरोसा दिलाया. व्यापारियों से भयमुक्त होकर व्यापार करने की अपील की, कहा कि सरकार व्यापारियों व जनता की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. दो-चार दिन में व्यवस्था में गुणात्मक सुधार देखने को मिलेंगे. मालूम हो कि मुख्यमंत्री से मुलाकात से पूर्व सोना चांदी व्यवसायी समिति के आहवान पर आज सर्राफा व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी. सभी चैंबर भवन में जुटे और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए चैंबर अध्यक्ष से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया. सोना चांदी व्यवसायी समिति के पदधारियों ने राजधानी की विधि व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए चैंबर अध्यक्ष से इस मामले में मुख्यमंत्री व डीजीपी से मिलकर व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की.

हम राज्यस्तर पर अपनी दुकानें बंद करने को बाध्य होंगे

सोना चांदी व्यवसायी समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू और पूर्व अध्यक्ष दिलीप सोनी ने संयुक्त रूप से कहा कि हम सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे जैसी स्थिति नहीं चाहते, किंतु लगातार हो रही घटनाओं से व्यापारी भयभीत हैं, उन्होंने चैंबर का सहयोग मांगा और कहा कि यदि दो दिन में स्थितियों में सुधार नहीं हुआ तो हम राज्यस्तर पर अपनी दुकानें बंद करने को बाध्य होंगे.

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि चैंबर व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है. महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि जब राजधानी में ही लोग सुरक्षित नहीं हैं, तब राज्य के अन्य जिलों में क्या होगा. कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया व रोहित पोद्दार ने कहा कि पुलिस प्रशासन को चाहिए कि वह सूचना तंत्र को मजबूत करे। मौके पर चैंबर के सह सचिव अमित शर्मा, शैलेष अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया, रोहित पोद्दार, चैंबर के पूर्व अध्यक्ष कुणाल अजमानी, सोना चांदी व्यवसायी समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, पूर्व अध्यक्ष दिलीप सोनी, व्यवसायी जितेंद्र सोनी, महेश सोनी, पुरुषोतम सोनी, रवि सोनी, रिंकू सोनी, संजय सोनी समेत सोना चांदी के सैकड़ों व्यापारी उपस्थित थे.

झारखंड में दिखा मानसून का असर, राज्य के कई शहरों में हुई बारिश, गर्मी से मिली लोगों को राहत

गांची (एजेंसी): झारखंड के सभी जिलों में मानसून प्रवेश कर गया है. इसका असर दिखने लगा है. शनिवार को राज्य में लगभग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई. इस दौरान राजधानी रांची समेत पलामू, रामगढ़, पाकुड़, धनबाद, गिरिडीह, पश्चिम सिंहभूम, सरायकेला, देवघर, गोड्डा, दुमका, पूर्वी सिंहभूम में गरज के साथ बारिश हुई कहीं कहीं वज्रपात भी हुआ. बारिश के कारण लोगों को गर्मी से भी राहत मिल गयी है.

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अगले २ दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में दो से तीन ओज की गिरावट हो सकती है. पिछले २४ घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा ३३.५ एमएम सराइकेला में दर्ज की गयी. उच्चतम तापमान ३९.३ डिग्री डाल्टेनगंज में जबकि न्यूनतम तापमान २४.८ डिग्री रांची में दर्ज किया गया.

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में लगातार बारिश होने की संभावना है. ५ जुलाई तक राज्य में लगभग सभी स्थानों पर रूक-रूककर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है. रविवार को राज्य के उत्तर-पश्चिमी तथा निकटवर्ती उत्तरी भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा की संभावना है. रांची समेत गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है. इस दौरान गरज के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है.

राजधानी रांची में शनिवार को दिन में धूप-छांव जारी रहे. दोपहर के बाद काले बादल छा गये. साथ ही रांची के कई इलाकों में रूक-रूककर हल्के से मध्यम दर्जे कि बारिश हुई. आने वाले दिनों में भी रांची में दोपहर के बाद बारिश होने कि संभावना है.

बचत एवं साख सहयोग समिति प्रस्तावित

निरसा (रासे) : शनिवार को मैथन डैम मेन गेट में भारतीय जीवन बीमा लिमिटेड के अभिकर्ताओं की सभा हुई। सभा की अध्यक्षता सहकार भारती धनबाद महानगर अध्यक्ष अनुराग कुमार राय ने किया। मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के सहायक निबंधक सहयोग समितियां धनबाद अंचल धनबाद डब्लू कुमार साव ने सहकारिता तथा बचत एवं साख सहयोग समिति लिमिटेड के विभिन्न कार्यकलापों, निबंधन एवं उप-विधियों समेत अनेकानेक जानकारियां दिए। इसके बाद संगठनकर्ता कृष्ण मुरारी सिंह ने बीमा अभिकर्ताओं की एक बचत एवं साख सहयोग समिति लिमिटेड को प्रस्तावित किया। जिसकी उपस्थित सभी अभिकर्ताओं ने समर्थन किया। सहायक निबंधक ने सहकार भारती महानगर अध्यक्ष को समिति की निबंध प्रक्रिया को शीघ्रताशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिए। सभा में बीमा अभीकर्ताओं के अलावा सहकार भारती धनबाद महानगर की वार्ड प्रभारी अंजू सलामपुरिया रेखा शर्मा एवं संगीता विश्वकर्मा, डॉ अर्जुन पाण्डेय, सरोज महतो आदि उपस्थित थे।

हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने पर केंद्रीय सरना समिति ने निकाला विजय जुलूस

गांची (एजेंसी): पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के जेल से बाहर निकलने पर आदिवासी समाज में खुशी की लहर है.

केंद्रीय सरना समिति से जुड़े सैकड़ों लोग रांची विश्वविद्यालय में एकत्र हुए. सभी पारंपरिक वेशभूषा में थे.

सभी ढोल नगाडा बजाते हुए अलबर्ट एक्का चौक पहुंचे. जहां एकदूसरे के बीच लड्डू बांटे अतिशबाजी की गयी. इसके बाद सभी नाचते गाते सीएम हाउस पहुंचे. जहां समिति के सदस्यों ने पूर्व सीएम को माला पहनायी. . सरना वस्त्र और बुके देकर स्वागत किया .

आदिवासी मुख्यमंत्री को झूठे आरोप में फंसाया गया

इस मौके पर सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समिति भाजपा को उखाड़ फेकने का काम करेगी. कहा कि

आदिवासी मुख्यमंत्री को झूठे आरोप में फंसाया गया था. उन्हें षड़यंत्र के तहत पांच महीने तक जेल भेज दिया गया.

शुक्रवार को न्याय पालिका ने उन्हें निर्दोष मान कर बेल दिया. जुलूस में शामिल लोगों ने कहा कि पूर्व सीएम को जमीन मामले में झूठे आरोप लगा कर फंसाया गया था.

हेमंत सोरेन की सरकार आदिवासियों की सरकार है. उन्होंने हमेशा आदिवासियों का साथ दिया है.

मौके पर रूपचंद्र खेवट, अजीत उरांव, मानु तिग्गा,करमा लिंडा, शिवशंकर मुखर्जी, मुन्ना टोप्पो,अजय कच्छप, गायना कच्छप, प्रफुल्ल लिंडा, शुभानी तिग्गा, अनिल मुखिया, सीता उरांव, सुनिता कच्छप समेत अन्य उपस्थित थे,

अमृत डिस्टिलरीज को दुनिया की सबसे अच्छी व्हिस्की का मिला अवार्ड

जगदाले परिवार ने टॉप व्हिस्की ब्रांडों में भारत की जगह बनाई

नई दिल्ली (ईएमएस): लंदन में इंटरनेशनल स्पिरिट्स चैलेंज में हाल में अमृत डिस्टिलरीज को दुनिया की सबसे अच्छी व्हिस्की का खिताब मिला है। इस प्रतियोगिता में अमृत डिस्टिलरीज की जीत भारत की स्पिरिट्स इंडस्ट्री के लिए खास दिन था। एक रिपोर्ट के मुताबिक चैलेंज के २९वें संस्करण में दुनियाभर के टॉप व्हिस्की ब्रांड शामिल थे। इनमें स्कॉटलैंड, आयरलैंड और जापान के नाम प्रमुख थे। भारत के जगदाले परिवार ने टॉप व्हिस्की ब्रांडों में भारत की जगह बनवाई है। अमृत भारत की पहली सिंगल माल्ट व्हिस्की है। आज देश-विदेश में यह मशहूर है। इस ब्रांड को १९४८ में जेएन राघाकृष्ण राव जगदाले ने बनाया था। उनके बेटे नीलकंठ जगदाले ने इसे आगे बढ़ाया।

पृष्ठ एक का शेषांश

दक्षिण अफ्रीका को हराकर---

कैच दे बैठे। दूसरे छोर पर आए ऋषभ पंत बगैर कोई रन बनाए केशव महाराज की गेंद पर क्रिंटन डि काक द्वारा लपक लिए गए। सूर्यकुमार यादव भी ज्यादा नहीं चले और रबाडा की गेंद पर हेनरिक क्लासेन को कैच दे बैठे। इसके बाद विराट कोहली और अक्षर पटेल ने पारी संभाली। अक्षर पटेल ने ३१ गेंद में ४७ रन की तेज पारी खेली। लेकिन क्रिंटन डि काक ने उन्हें रन आउट कर दिया। उन्होंने एक चौका और चार छक्के लगाए। विराट कोहली ने ५९ गेंद में छह चौके और दो छक्के की सहायता से ७६ रन बनाए। उन्हें मार्को येन्सन की गेंद पर रबाडा ने कैच कर लिया। निचले क्रम में शिवम दुबे ने १६ गेंद में तीन चौके और एक छक्के की सहायता से २७ रन का योगदान दिया। वह एनरिक की गेंद पर डेविड मिलर द्वारा लपक लिए गए। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से केशव महाराज और एनरिक नार्तजे ने दो-दो विकेट लिए। मार्को येन्सन व कागिसो रबाडा को एक-एक विकेट मिले।

राम मंदिर में पुजारी नहीं---

धार्मिक न्यास समिति की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष महंत गोविंद देव गिरि, तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय, दिल्ली के प्रोफेसर जयकांत मिश्र, न्यासी डा. अनिल मिश्र, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव, रामकथा कुंज के पीठाधीश्वर डा. रामानंद दास महाराज, उनके उत्तराधिकारी महंत सत्यनारायण दास व हनुमत निवास महंत आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज शामिल रहेंगे। यह बैठक रामकोट स्थित नवीन आवासीय कार्यालय में प्रस्तावित है।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता---

स्कूल के आचार्य एपी प्रजापति ने बताया कि सुनीता विलियम्स के अंतरिक्ष में फंसे होने की खबर के बाद कल गांव के दोला माता के मंदिर में प्रार्थना की थी। आज स्कूल में अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर बच्चों ने उसे पूरे गांव में घुमाया और दोला माता के मंदिर में रख दिया और सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी के लिए देवी माता से प्रार्थना की है।

लद्दाख में टैंक नदी में---

की जगह, ५ जवान बैठे थे। आमतौर पर इस टैंक पर कमांडर, एक गनर और एक ड्राइवर होता है। प्रैक्टिस के दौरान इसमें ५ जवान सवार थे। रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि नदी के ऊपरी इलाके में बारिश के चलते पानी बढ़ गया। रात होने के चलते जवानों को इसका पता नहीं चल सका। टी-७२ टैंक ५ मीटर (१६.४ फीट) गहरी नदियों को पार करने की क्षमता रखता है। यह एक छोटे डायामीटर वाले स्नॉर्कल की मदद से नदी पार करता है। इमरजेंसी के लिए इस पर सवार क्रू के सभी सदस्यों के रीब्रीदर दिया जाता है। अगर टैंक का इंजन पानी के भीतर बंद हो जाता है, तो इसे ६ सेकंड के भीतर फिर से चालू करना होता है। ऐसा नहीं करने पर कम दबाव होने के कारण टी-७२ के इंजन में पानी भर जाता है।

कानूनी पेशे में लैंगिक---

विभिन्न राज्यों में न्यायिक सेवा के निम्नतम स्तर के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में अब ६० प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं आवेदन करती हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय में बार लाइब्रेरी क्लब के द्वि-शताब्दी समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा, यह आपको भारत में हो रहे सामाजिक विकास को दर्शाता है। चंद्रचूड़ ने कहा, महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी भी बढ़ रही है, लेकिन फिर भी यह सुनिश्चित करने की सख्त जरूरत है कि हमारी न्यायिक संस्थाएं वास्तव में सभी के लिए समावेशी और समायोजनकारी हों।

प्रभुनाथ सिंह की मनी पुण्यतिथि

सिंदरी (रासे) : शनिवार को शहरपुरा मार्केट में प्रभुनाथ सिंह की ८वीं पुण्य दिवस को सामाजिक सद्भाव और प्रेरणा के रूप में मनाय गया। प्रभुनाथ बाबू के तस्वीर पर उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

प्रभुनाथ सिंह के पुत्र वरिष्ट भाजपा नेता पूर्व पार्षद दिनेश सिंह ने कहा कि पिता स्व. प्रभुनाथ सिंह सामाजिक सद्भाव और प्रेरणा के सहज प्रतिमूर्ति थे। सिंदरी का महान उत्सव रावण दहन उनके द्वारा होता था। वरिष्ट कांग्रेसी विदेशी सिंह ने कहा प्रभुनाथ बाबू समाजिक न्याय में बढ़चढ़ कर भाग लेते थे जिसका निर्वहन उनके पुत्र दिनेश सिंह कर रहे हैं। उनके स्मृति में दशहरा में आज भी रावण दहन किया जाता है।

श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में कामेश्वर सिंह, रणधीर सिंह, दिनेश सिंह, रास बिहारी सिंह, विवेक सिंह, ब्रजेश सिंह, मणि भूषण सिंह, अनिल सिंह, नन्दकिशोर सिंह, धर्म उपाध्याय, गामा सिंह, उमेश गुप्ता, अजय सिंह, कुंदन श्रीवास्तव, राहुल सिंह, सुनील सिंह, नकुल सिंह, संजय तिवारी, कामख्या सिंह, गुरुचरण सिंह, आदित्य दुबे, नरेंद्र शुक्ला, सत्यदेव सिंह, राजू पांडेय, बीरेंद्र सिंह, पुरूषोत्तम अग्रवाल, चन्दन कुमार, बीरेंद्र सिंह, जगदीश सिंह, मयंक कुमार, अमितेश दुबे, रवि कुमार, सुरेश प्रसाद, सुरेश सिंह, बास्की, अरुण कुमार सिंह, शैलेन्द्र द्विवेदी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जदयू का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर बधाई

धनबाद (कासं) : दिल्ली में आयोजित जनता दल यू के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक के दौरान राज्यसभा सांसद संजय झा को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। पार्टी के धनबाद जिला अध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने संजय झा को बधाई देते हुए कहा कि संजय झा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 4 की मौत

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद ४ श्रमिकों की मौत हुई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई।

हिमंता बिस्व सरमा ने कहा, विधानसभा चुनाव झारखंड की दशा और दिशा तय करेगा

गांची (एजेंसी): असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव झारखंड की दशा और दिशा तय करेगा। झारखंड निर्णायक मोड़ पर है। राज्य की जनता लूट,भ्रष्टाचार, वादा खिलाफी से निजात चाहती है। जनता सुशासन और विकास के लिए समय का इंतजार कर रही है। वे भाजपा युवा मोर्चा और महिला मोर्चा की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे।

हिमंता ने कहा कि घोषणा पत्र समिति, आरोप पत्र समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है। भाजपा का संकल्प पत्र जनता का संकल्प पत्र होगा। पार्टी जन संपर्क और संवाद के माध्यम से सर्व समावेशी और सर्व स्पर्शी और विकासोन्मुख घोषणा पत्र तैयार करे। झामुमो सरकार आरोपों से घिरी सरकार है। समाज का हर वर्ग इस निकम्मी और भ्रष्ट सरकार से ऊब चुका है। हमें इनकी एक-एक नाकामियों को उजागर करते हुए आरोप पत्र तैयार करना चाहिए। हिमंता ने इसके लिए आवश्यक सुझाव दिये।

प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बैठक में कहा कि जनता की आशा और उम्मीद भाजपा से जुड़ी है। ठगबंधन सरकार ने राज्य की जनता के लिए एक भी भलाई के काम नहीं किया। यह सरकार साढ़े चार वर्षों केवल राज्य को लूटने में जुटी रही। तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति ने राज्य की डेमोग्राफी को बदल दिया है। जनता उम्मीद भरी नजरों से भाजपा की ओर देख रही है। भाजपा ने राज्य बनाया है। भाजपा राज्य को लुटते और बर्बाद होते नही देख सकती। हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि ठगबंधन सरकार, आदिवासी, दलित, पिछड़ा, महिला, युवा विरोधी सरकार है। जनता को इस सरकार से निजात दिलानी है।

असम के सीएम सह झारखंड विधानसभा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा से शनिवार को प्रदेश भाजपा के जनजातीय समाज के नेताओं से मुलाकात की। इस कड़ी में हिमंता मधु कोड़ा, गीता कोड़ा, समीर उरांव, अरूण उरांव, सीता सोरेन से उनके आवास में मिले। हिमंता बिस्व सरमा के साथ प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद दीपक प्रकाश, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी भी उपस्थित रहे।

संपादकीय | दिल्ली शराब घोटाला और जांच की आंच

राजधानी दिल्ली में हुए कथित शराब घोटाले की जांच अब बहुकोणीय हो गई है। पहले प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में गिरफ्तार किया था, अब केंद्रीय जांच एजंसी यानी सीबीआइ ने भी उन्हें हिरासत में ले लिया है। सीबीआइ का कहना है कि दिल्ली की आबकारी नीति बनाने में दक्षिण भारत का एक समूह शामिल था और उससे केजरीवाल जुड़े हुए थे। इस मामले में बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए केजरीवाल का सबूतों से आमना-सामना कराना और उनसे पूछताछ जरूरी है। अदालत ने सीबीआइ की इस दलील को उचित मानते हुए केजरीवाल की तीन दिन की हिरासत मंजूर कर दी। माना जाता है कि सीबीआइ को कुछ पुख्ता सबूत हाथ लगे होंगे, तभी उसने हिरासत की मांग की। मगर हमेशा की तरह आम आदमी पार्टी इस मामले को सियासी हथकंडा करार दे रही है।

कुछ दिनों पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी। उसने प्रवर्तन निदेशालय के पास केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ पुख्ता सबूत न होने को लेकर नाराजगी भी जताई थी। मगर प्रवर्तन निदेशालय ने उस जमानत आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में गुहार लगाई और जमानत पर स्थगन आदेश मिल गया। इसे लेकर अभी चर्चाएं चल ही रही थीं कि सीबीआइ ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली शराब घोटाले की सच्चाई अभी रहस्य के पर्दे में है। आम आदमी पार्टी के कई नेता इसकी जांच की जद में आ चुके हैं। उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया लंबे समय से जेल में हैं। संजय सिंह जेल जाकर आ चुके हैं। कयास लगाए जाते हैं कि और भी कुछ नेताओं तक इस जांच की आंच पहुंच सकती है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध ठहराने की कानूनी लड़ाई चल रही है। उन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने आम चुनाव के दौरान प्रचार करने के लिए मोहलत दी थी, पर फिर उन्हें जेल जाना पड़ा। अब सीबीआइ ने एक नया सिरा पकड़ लिया है, तो केजरीवाल की रिहाई आसान नहीं लगती। केजरीवाल ने अभी तक मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। चूंकि ऐसा कानूनी प्रावधान नहीं है कि किसी व्यक्ति को किसी आरोप में गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा देना अनिवार्य है, इसलिए उन्होंने अपने पद पर बने रहने का फैसला किया। मगर सार्वजनिक जीवन में सब कुछ कानून से नहीं चलता, जनभावनाएं भी महत्त्वपूर्ण होती हैं। आम लोगों की यही अपेक्षा रहती है कि अगर किसी बड़े पद का निर्वाह कर रहे व्यक्ति पर कोई गंभीर आरोप लगे, तो वह नैतिक आधार पर खुद को उस पद से अलग कर ले।

चूंकि कथित शराब घोटाला मामले को राजनीतिक रंग दे दिया गया है और इसे लेकर अभी तक कोई पुख्ता प्रमाण सामने नहीं आ सका है, इसलिए लोगों में भ्रम बना हुआ है। आम आदमी पार्टी और भाजपा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती रहती हैं। ताजा मामले में भी आम आदमी पार्टी का तर्क है कि केंद्र सरकार केजरीवाल को इस मामले में उलझाए रख कर सीखचों के पीछे रखने का प्रयास कर रही है।

मगर भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को जब इस तरह सियासी रंग दे दिया और लंबे समय तक उलझाए रखा जाता है तो उससे आम लोगों का भरोसा कमजोर होता है। अगर सचमुच दिल्ली की आबकारी नीति गलत थी और उसके चलते कुछ लोगों को नाजायज लाभ पहुंचाया गया, तो इसकी सच्चाई जल्दी सामने आनी चाहिए। आम आदमी पार्टी से भी अपेक्षा की जाती है कि वह इस जांच में सहयोग करेगी।

व्यस्तता बढ़ी लेकिन सक्रियता नहीं

जब किसी व्यक्ति को सुस्त देखा जाता है, तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है या फिर वह आलसी है। मगर यह इसलिए भी संभव है कि उसकी सक्रियता में कई वजहों से कमी आ रही हो और उसका कारण कोई शारीरिक बीमारी नहीं हो। हालांकि बीमारी की वजह से अगर सक्रियता में कमी आती है तो यह भी सही है कि सक्रियता में कमी से शरीर में बीमारी घर बनाती है। विडंबना यह है कि वक्त के साथ विस्तृत होते दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता में तेजी से कमी आई है।

'द लांसेट ग्लोबल हेल्थ' जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में यह उजागर हुआ है कि सन 2022 में भारत की सत्तावन फीसद महिलाएं शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं थीं, जबकि पुरुषों में यह दर बयालीस फीसद थी। अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर मौजूदा परिपाटी जारी रही तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़ कर साठ फीसद तक पहुंच जाएगी। अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी देश की साठ फीसद आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में वहां आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। आमतौर पर अधिक आबादी वाले देशों में रोजी-रोटी का मसला इस तरह जटिल होता है कि ज्यादातर लोगों को जीवन चलाने के लिए शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहना पड़ता है। सवाल है कि आखिर भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी तादाद में लोग सुस्त होते जा रहे हैं! विचित्र यह भी है कि लोगों की व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका आधे घंटे का कोई काम टलता रहता है, मगर रोजाना वे पांच या सात घंटे या इससे ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों पर, सोशल मीडिया या अन्य आभासी मंचों पर बर्बाद करते हैं। महामारी के दौरान घर से काम करने की व्यवस्था जब चलन में आई थी, उसने भी लोगों के ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई। शारीरिक सक्रियता में कमी की वजहों और नतीजों पर अगर गौर नहीं किया गया तो इन सबका समुच्चय आखिर व्यक्ति को विचार से कमजोर करेगा, शरीर को बीमार बनाएगा।

मोदी 3.0 का पहला बजट: इनकम टैक्स में छूट का माहौल है क्या?

आने वाले बजट में क्या होगा, इस पर अटकलें लगाने के बजाय यह जानें कि आजादी के बाद से अब तक इनकम टैक्स में बदलाव कैसे और कब-कब हुआ। शुरुआत में कर की प्रभावी दर 97.75 प्रतिशत तक हुआ करती थी और इसे लगातार कम करके 30 फीसदी तक लाया गया है। एक कारण यह भी है कि हर बार बजट से पहले लोग इनकम टैक्स में राहत की उम्मीद लगाने लगते हैं।

विजय झा

आम बजट पेश करने का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, इनकम टैक्स को लेकर अटकलें बढ़ती जा रही हैं। क्या तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में मोदी सरकार की ओर से आय करदाताओं को राहत मिलेगी क्या इनकम टैक्स में छूट बढ़ेगी? क्या स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा बढ़ेगी? क्या कर मुक्त आय की सीमा बढ़ेगी? ऐसे सवालों को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

माना जा रहा है कि पहली बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा चुनाव में चोट खाई है तो इस बार मोदी सरकार करदाताओं को राहत दे सकती है। लेकिन, कर में राहत देने का यह कोई ठोस आधार नहीं है। राजनीतिक रूप से मोदी सरकार ने अभी तक दबाव में आने का संकेत नहीं दिया है और आर्थिक कार्यक्रम को लेकर नई सरकार अपने पहले के विजन पर ही चलने का संकेत देती रही है।

लेकिन, कुछ आर्थिक कारण हैं, जिनके आधार पर कर में राहत की उम्मीद की जा सकती है। लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसा नहीं है। निजी खपत वैसी नहीं है जैसी मजबूत अर्थव्यवस्था में होनी चाहिए। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि लोगों के पास पैसा आए। इस मकसद से सरकार कर में राहत की घोषणा कर सकती है।

बहरहाल, आने वाले बजट में क्या होगा, इस पर अटकलें लगाने के बजाय यह जानें कि आजादी के बाद से अब तक इनकम टैक्स में बदलाव कैसे और कब-कब हुआ। शुरुआत में कर की प्रभावी दर 97.75 प्रतिशत तक हुआ करती थी और इसे लगातार कम करके 30 फीसदी तक लाया गया है। एक कारण यह भी है कि हर बार बजट से पहले लोग इनकम टैक्स में राहत की उम्मीद लगाने लगते हैं।

एक जमाना था जब इनकम टैक्स की दर 97.75 प्रतिशत तक हुआ करती थी। तब 11 टैक्स स्लैब हुआ करते थे। आज तीन स्लैब और अधिकतम 30 प्रतिशत है। आजाद भारत में जब पहली बार इनकम टैक्स में बदलाव किया गया तब वित्त मंत्री थे जॉन मथाई। बात 1949-50 की है।

जॉन मथाई ने दस हजार रुपये तक की कमाई पर चौथाई आना टैक्स कम कर दिया था। पहले स्लैब पर टैक्स एक आना से घटा कर नौ पाई और दूसरे स्लैब में दो आना से कम करके 1.9 पाई कर दिया था।

जान लीजिए कि आना उस जमाने में करंसी की इकाई हुई करती थी। एक आना, रुपये का 16वां भाग हुआ करता था। मतलब एक रुपये में 16 आने होते थे। एक आना में 4 पैसे या 12 पाई होते थे।

करीब 25 साल तक अधिकतम कर की सीमा 97.75 फीसदी बनी रही। 1974-75 में वाई.बी. चह्वान वित्त मंत्री थे। उन्होंने इसे 75 फीसदी किया और 6000 रुपये तक की आय टैक्स-फ्री कर दिया।

1985-86 में विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बड़ा बदलाव करते हुए टैक्स स्लैब आठ से घटा कर चार कर दिया। उन्होंने 18000 रुपये तक की आय को करमुक्त किया और एक लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर टैक्स की अधिकतम दर 50 फीसदी रखी।

1992-93 में मनमोहन सिंह ने बड़ा सुधार किया। उन्होंने टैक्स स्लैब तीन रखा और अधिकतम टैक्स दर 40 फीसदी किया। दो साल बाद मनमोहन सिंह ने टैक्स स्लैब में फिर बड़ा बदलाव किया। हालांकि, टैक्स की दर जस की तस रखी।

1997-98 में पी. चिदंबरम वित्त मंत्री बने तो उन्होंने 10, 20 और 30 प्रतिशत का टैक्स रेट रखा। साथ ही, कुछ और राहत भी दी। उन्होंने नौकरीपेशा लोगों के लिए बड़ा ऐलान करते हुए ऐसी व्यवस्था दी कि 75 हजार रुपये सालाना सैलरी पाने और 10 फीसदी रकम पीएफ में जमा करने वाले नौकरीपेशा लोग आय कर चुकाने से मुक्त हो गए। करीब दस साल बाद 2005-06 में चिदंबरम ने एक लाख रुपये तक की आय टैक्स-फ्री कर दी और स्लैब की रेंज भी बढ़ा दी।

2010-11 में प्रणब मुखर्जी ने एक बार फिर बड़ी राहत का ऐलान किया। 1.6 लाख तक की इनकम टैक्स-फ्री। उसके बाद पांच लाख रुपये तक की आय पर 10 फीसदी, 5-8 लाख पर 20 और उससे ज्यादा पर 30 फीसदी का टैक्स लगा। 2012-13 में भी प्रणब मुखर्जी ने बड़ा ऐलान करते हुए जहां दो लाख रुपये तक की आय को करमुक्त किया, वहीं दस फीसदी के दायरे में पांच लाख और 20 फीसदी के दायरे में 10 लाख तक की आय को ला दिया। 2014-15 में अरुण जेटली आए तो उन्होंने संपत्ति कर खत्म एक करोड़ से ज्यादा आय वालों पर दो फीसदी सरचार्ज लगाया। जेटली ने 2017-18 में ऐसी व्यवस्था की कि तीन लाख रुपये तक सालाना आय वालों को कुछ भी टैक्स नहीं देना पड़े और 3-3.5 लाख रुपये की आय पर 2500 रुपये का टैक्स बना। 2020-21 में निर्मला सीतारमण ने आयकरदाताओं के लिए नई टैक्स व्यवस्था का विकल्प दिया। उन्होंने कर प्रणाली को आसान बनाने के मकसद से 70 के करीब छूट वाली व्यवस्था खत्म कर दी।

आज का कार्टून

काठमांडू में बूढ़े बनाम युवा की लड़ाई...

नरेश कोइराला

काठमांडू के एक स्ट्रक्चरल इंजीनियर, प्रतिष्ठित रैपर और राजनीतिक नौसिखिया 34 वर्षीय मेयर बालेंद्र शाह (जिन्हें लोकप्रिय नाम बालेन से जाना जाता है) और 72 वर्षीय हाईस्कूल ड्राप आऊट, दो बार के प्रधानमंत्री, राजनीतिक दिग्गज और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (यूनाइटेड मार्क्सवादी लैनिन) के अध्यक्ष खडग् प्रसाद शर्मा ओली के बीच संघर्ष चल रहा है। इस द्वंद्व ने कई समाचार पत्रों, सोशल मीडिया और यू-ट्यूबर्स को अपनी ओर आकर्षित किया है। बालेन पर हमला करने के लिए अपनी पूरी पार्टी को संगठित करने में आखिर ओली का मकसद क्या है और बिना किसी राजनीतिक अनुभव और राजनीतिक अनुयायियों वाला बालेन ओली के साथ लड़ाई क्यों कर रहा है। इस द्वंद्व का ओली की पार्टी और बालेन पर क्या प्रभाव पड़ेगा यह सब आकांक्षाएं आगे की ओर बढ़ रही हैं। बालेन-ओली की लड़ाई तब शुरू हुई जब महानगरीय शहर ने नगर निगम की भूमि या अवैध रूप से बनी इमारतों पर व्यावसायिक विज्ञापनों को हटाना शुरू कर दिया जो नगर निगम के नियमों का पालन नहीं करते थे।

मेयर ने आपत्तिजनक इमारतों में रहने वालों या व्यवसाय मालिकों को कानून का पालन करने और परिसर खाली करने का आदेश दिया। ज्यादातर मामलों में रहने वालों ने इस आदेश की अनदेखी की। पुराने समय की तरह उन्होंने कानून को तोडना जारी रखने के लिए अपने राजनीतिक संबंधों पर भरोसा जताया। हालांकि बालेन के साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने अतिक्रमण और अनुपालन न करने वाले विज्ञापनों को ध्वस्त करने के लिए नगर निगम का बल भेजा। मेयर की कार्रवाई में खारिज की गई पहली सम्पत्ति यू.एम.एल. से जुड़े किसी व्यक्ति की थी। सार्वजनिक भूमि विशेषकर नदी तट में संघर्ष को और तीव्र कर दिया। सभी ने गरीब अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाए गए प्लास्टिक शैड को ध्वस्त करने के लिए बुलियनजर्स का उपयोग करने के लिए सार्वजनिक रूप से बालेन का मजाक उड़ाया।

माना जाता है कि कुछ लोगों ने सार्वजनिक भूमि पर निर्मित बहुमंजिला बिल्डिंग पर कब्जा कर लिया और लाखों रुपए का व्यवसाय किया। एक बालेन समर्थक का कहना है कि उनमें से अधिकांश लोग यू.एम.एल. के समर्थक हैं जो यू.एम.एल. का वोट बैंक हैं। अतिक्रमण की समस्या कोई नई नहीं है। पिछली सरकारों ने जिनमें ओली के नेतृत्व वाली सरकार भी शामिल है, ने इसे मान्यता दी थी। जब बालेन ने धरहारा के बेसमैंट को कार पार्किंग के लिए खोल दिया तो संघर्ष और अधिक उग्र हो गया। सरकार ने इसका पुन-निर्माण करने का तर्क देते हुए आपत्ति जताई। धरहारा अभी भी अधूरा है और कार पार्किंग का उपयोग करना असुरक्षित है। बालेन ने जवाब दिया, ''धरहारा का उद्घाटन चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ओली द्वारा एक पूर्ण परियोजना के रूप में किया गया था इसलिए यह अधूरा कैसे हो सकता है?''

ओली के आलोचकों ने बालेन की तुलना 'एक पिल्ला' (एक बेकार और कमजोर व्यक्ति) से की और कहा कि हमारे सम्मानित अध्यक्ष को बदनाम करने की कोशिश की। ओली ने स्वयं बालेन को एक 'बुलबुला' के रूप में वर्णित किया है जिसका उल्लेख किया गया है। बालेन समर्थकों का कहना है कि ओली बूढ़ा है, बुद्धिमान है, चालाक है और आलोचना में निपुण है। अन्य सभी राजनेताओं की तरह जनता की नजरों में वह भ्रष्ट है। वहीं, बालेन एक युवा और गुस्सैल हैं। काठमांडू के लिए महत्वाकांक्षी, साहसी, निर्भीक, आवेशी, केंद्रित और भ्रष्टाचार से बेदाग दृष्टिकोण वाले बालेन काठमांडू को स्वच्छ, कार्यशील और सुंदर शहर बनाना चाहते हैं। उनके मेयर बनने के लगभग 2 साल बाद काठमांडू अपेक्षाकृत साफ-सुथरा और हरा-भरा हो गया है।

इसकी सड़कें स्थायी गंदगी से मुक्त हो गई हैं। इसके फुटपाथ चलने योग्य हैं। सार्वजनिक स्कूलों में शिक्षण मानकों में सुधार हुआ है। आपातकालीन एम्बुलैंस सेवा अधिक भरोसेमंद हो गई है। सभी को राजनीतिक दलों और सरकार से समर्थन की कमी है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बालेन की उपलब्धियों ने उन्हें पूरे देश में बेहद लोकप्रिय बना दिया है। अगर हमारे पास बालेन जैसे 10 नेता हों तो हम देश को बदल सकते हैं। यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय प्रैस ने भी बालेन के नेतृत्व पर ध्यान दिया है। अमरीका में प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध टाइम पत्रिका द्वारा उन्हें 2023 में 100 आगामी नेताओं में से एक नामित किया गया था।

संसद में ओवैसी द्वारा 'फिलिस्तीन का नारा' क्यों...

सब जानते और मानते हैं कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। धर्म निरपेक्ष का मतलब नास्तिक होना नहीं है बल्कि इसका भाव है, सर्वधर्म समभाव, यानी हर धर्म के प्रति सम्मान का भाव। पर देखने में यह आया है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों और हिंदुओं के कुछ नेता सांप्रदायिकता को भड़काने के उद्देश्य से धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगवाते हैं। जिससे उनके वोटों का ध्रुवीकरण हो। जहां एक तरफ बरसों से मुसलमानों को अल्पसंख्यक बता कर उनके पक्ष में ऐसे काम किए गए जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध थे। जैसे रमजान में सरकारी स्तर पर इफ्तार की दावतें आयोजित करना।

रजनीश कपूर

लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते समय हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक ऐसा नारा लगाया जिस पर पूरा देश चौंक गया। उन्होंने 'जय भीम', 'जय मीम', 'जय तेलंगाना' और 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाया। जहां तक 'जय भीम' और 'जय तेलंगाना' जैसे नारों की बात है तो ये देश की सीमाओं के दायरे में आते हैं। पर एक-दूसरे देश की जयकार बोलना, वह भी संसद के भीतर, यह किसी के गले नहीं उतरा। ओवैसी ने एक बहुत ही गलत परंपरा की शुरूआत की है। आने वाले वर्षों में कोई सांसद 'जय अमरीका', 'जय पाकिस्तान' या 'जय चीन' का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस खतरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फौरन रोक लगानी चाहिए।

सब जानते और मानते हैं कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। धर्म निरपेक्ष का मतलब नास्तिक होना नहीं है बल्कि इसका भाव है, सर्वधर्म समभाव, यानी हर धर्म के प्रति सम्मान का भाव। पर देखने में यह आया है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों और हिंदुओं के कुछ नेता सांप्रदायिकता को भड़काने के उद्देश्य से धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगवाते हैं। जिससे उनके वोटों का ध्रुवीकरण हो। जहां एक तरफ बरसों से मुसलमानों को अल्पसंख्यक बता कर उनके पक्ष में ऐसे काम किए गए जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध थे। जैसे रमजान में सरकारी स्तर पर इफ्तार की दावतें आयोजित करना। अगर ऐसी दावतें अन्य धर्मों के उत्सवों पर भी की जातीं तो किसी को बुरा नहीं लगता। पर ऐसा नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि हिंदुत्व की राजनीति करने वालों को अपने समर्थकों को उकसाने का आधार मिल गया।

शायद इसी का परिणाम है कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने संसद और विधानसभाओं में जोर-जोर से व सामूहिक रूप से धार्मिक नारे लगाना शुरू कर दिया। इसका परिणाम यह रहा है कि अब मुसलमानों के बीच भी उत्तेजना और आक्रामकता पहले से ज्यादा बढ़ गई है। जबकि यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है, जिसे सख्ती से रोका जाना चाहिए वरना समाज में गतिरोध और हिंसा बढ़ेगी। वैसे इस तरह का वातावरण असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भी तैयार किया जाता है। इसलिए समझदार हिंदू और मुसलमान अपने धर्म के प्रति आस्थावान होते हुए भी इस हवा में नहीं बहते हैं।

हिंदुत्व का समर्थक कोई पाठक मुझसे तर्क कर सकता है कि हिंदुस्तान में भाजपा के सांसदों और विधायकों को अगर हिन्दुवादी नारे लगाने से रोका जाएगा तो क्या हम फिलिस्तीन में जा कर ये नारे लगाएंगे? मेरा उत्तर है कि मैं एक सनातन धर्मी हूं और मेरा परिवार और पूर्वज शुरू से आर.एस.एस. से जुड़े रहे हैं। लेकिन पिछले 30 वर्षों में हिंदुत्व की राजनीति का जो चेहरा मैंने देखा है उससे मन में कई सवाल खड़े हो गए हैं। जब देश की आबादी 141 करोड़ है, इनमें से 97 करोड़ वोटर हैं। उसमें से केवल 36.6 प्रतिशत वोटरों ने ही इस चुनाव में भाजपा को वोट दिया है। मतलब ये कि कुल 111 करोड़ ङ्क्षहदुओं में से केवल 35 करोड़ ङ्क्षहदुओं ने भाजपा को वोट दिया तो भाजपा सारे हिन्दू समाज के प्रतिनिधित्व का दावा कैसे कर सकती है? चूंकि देश की आबादी में 78.9 प्रतिशत हिंदू हैं और उनमें से एक छोटे से हिस्से ने भाजपा को वोट दिया है। मतलब बहुसंख्यक ङ्क्षहदू भाजपा की नीतियों से सहमत नहीं हैं। हम सब मानते हैं कि हमारा धर्म सनातन धर्म है। जिसका आधार है वेद, पुराण, गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथ। क्या भाजपा इनमें से किसी भी ग्रंथ के अनुसार आचरण करती है? अगर नहीं तो वे कैसे ङ्क्षहदू धर्म के पुरोधा होने का दावा करती है? हमारे धर्म के 4 स्तंभ हैं, उन चारों पीठों के शंकराचार्य जिन्हें आदि शंकराचार्य जी ने सदियों पहले भारत के चार कोनों में स्थापित किया था। क्या भाजपा इन चारों शंकराचार्यों को यथोचित सम्मान देती है और इनके ही मार्ग निर्देशन में अपनी धार्मिक नीति बनाती है? अगर नहीं तो फिर भाजपा ङ्क्षहदू धर्म के पुरोधा कैसे हुई? सनातन धर्म में साकार और निराकार दोनों ब्रह्म की उपासना स्वीकृत है। इस तरह उपासना के अनेक मार्ग व अधिकृत संप्रदाय हैं। इसलिए पूरे देश में व्याप्त सनातन धर्म का कोई एक झंडा या एक जय घोष नहीं होता। जैसे 'जय श्री राम' किसी अधिकृत संप्रदाय का जयघोष नहीं है। प्रभु श्री राम को लोग 'जय सिया राम', 'राम-राम' 'जय रामजी की' आदि अनेक संबोधनों से पुकारते हैं। 'जाकी रही भावना जैसी हरि मूरत देखी तिन तैसी'। फिर केवल 'जय श्री राम' धार्मिक उदघोष कैसे हुआ? ऐसी तमाम अन्य सब बातों को भी देख सुनकर यह स्पष्ट होता है कि भाजपा का हिंदुत्व सनातन धर्म नहीं है। ये इनकी राजनीति के लिए एक अस्त्र मात्र है। इसका अर्थ यह हुआ कि संसद में चाहे 'जय श्री राम' का नारा लगे और चाहे 'अल्लाह हू अकबर' का दोनों ही राजनीतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए। जय फिलिस्तीन का नारा तो और भी खतरनाक प्रवृत्ति को दर्शाता है। आशा की जानी चाहिए कि संसद के दोनों सदनों के अध्यक्ष इस विषय पर गंभीरता से विचार करके संविधान और संसद की गरिमा बचाने का काम करेंगे।

हंसगुल्ले

पुत्र (पिता से) : पिताजी मुझे ढोल खरीद दीजिए न!
पिता : न बेटे, तू ढोल बजाकर मुझे तंग किया करेगा।
पुत्र : नहीं पिता जी, मैं तो तब बजाऊंगा जब आप सो जाया करेंगे।

• • • • •

दुकान पर आया ग्राहक कभी कोई चीज उठाता, उसे देखता, फिर उसे रखकर दूसरी चीज उठा लेता। कुछ पूछताछ भी की उसने, लेकिन कुछ खरीदा नहीं काफी देर तक उसने ऐसा ही किया तो झुंझलाकर दुकानदार ने पूछा : 'श्रीमान जी, आखिर आपको चाहिए क्या? 'मौका ! ग्राहक का सपाट सा जवाब था'।

• • • • •

चकित ग्राहक ने बैरे से पूछा : तुम्हें कैसे पता चला कि मैं इस होटल में पहली बार आया हूं? बैरा : क्योंकि जो एक बार यहां का खाना खाकर जाता है, दुबारा नहीं आता।

• • • • •

मालिक (नया नौकर रखते समय) : इस बात का तुम्हारे पास क्या सबूत है कि तुमने जगन्नाथ बाबू के यहां एक साल तक भोजन बनाया है।
नौकर : मेरे पास ऐसे कई बर्तन हैं हजूर जिन पर उनका नाम खुदा है।

• • • • •

बेटा अपने पिता से पूछ रहा था कि आपने यह बेशुमार दौलत कैसे कमाई।
पिता : शादी के बाद शुरू-शुरु के दिनो की बात थी। मेरे पास सिर्फ 50 रु थे। मैंने उन रुपयो से कुछ सेब खरीदे और बेच दिए। अगले दिन मैंने दोबारा वही किया और ऐसा कई दिनों तक चलता रहा।
बेटा : अच्छा फिर ?
पिता : फिर ससुर की मृत्यु हो गई और बस, उन की सारी जायदाद हमें मिल गई।

• • • • •

पापा : बेटा, अमेरिका मे 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पे खड़े हो जाते हैं।
बेटा : लेकिन पापा भारत मे तो एक साल का बच्चा भागने भी लगता है।

• • • • •

मुझे भी देखने दो किसका एक्सिडेन्ट हुआ है। एक आदमी भीड़ हटाते हुए बोला। जब कोई हटा नहीं तो वह चिल्लाता हुआ बोला, जिसका एक्सिडेन्ट हुआ है मैं उस का पिता हूँ।
रास्ता मिल गया। अंदर देखा तो एक गधा मरा पड़ा था।

सोना की मस्ती

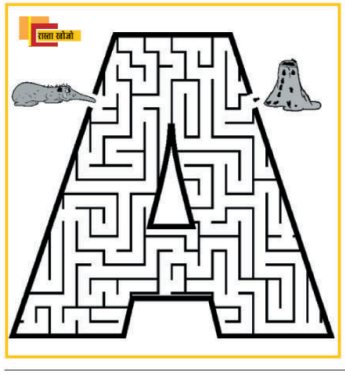

रोजाना की तरह चीनी मछली ने अपनी नन्हीं बेटी रूहू को हिदायत दी, जब तक मैं वापस लौटूं तुम नदी के इसी छोर में तैरती रहना, आगे खतरा है। रूहू ने पानी में छपछपाते हुए कहा- हां मां, मुझे पता है आगे खतरा है और मैं रास्ता भटक सकती हूं। यह सुनते ही चीनी मछली आगे निकल गई। दरअसल रूहू मछली रावी नदी में अपनी मां के संग रहती थी। उस दिन रूहू अपनी सहेलियों के संग नदी में खेल रही थी तभी उसकी नजर एक सुनहरी मछली पर पड़ी। यह देखते ही वह खुशी से उछल पड़ी। उसने अपनी सहेलियों से कहा, अरे देखो, ये मछली कितनी सुंदर है, हमने ऐसी मछली कभी नहीं देखी। उसकी सहेलियां भी सुनहरी मछली को देखकर अचरज में थीं। दरअसल रूहू का रंग सफेद था और उस इलाके में रहने वाली सभी मछलियां सफेद रंग की थीं। सफेद के अलावा उन्होंने आज तक किसी और रंग की मछली नहीं देखी थी। सुनहरी मछली को देखकर वहां मौजूद सभी मछलियां आपस में खुसर-पुसर करने लगीं। तभी सुनहरी मछली ने रूहू के करीब आकर कहा, अरे तुम मुझे देखकर इतनी आश्चयर्यचकित क्यों हो। रूहू ने सुनहरी मछली को छूते हुए कहा, आपका रंग कितना सुंदर है, आप कहां से आई हो?

सुनहरी मछली ने कहा- मेरा नाम सोना है। मैं नदी के दूसरे छोर से आई हूं। तभी रूहू की सारी सहेलियां वहां पहुंच गईं और उन्होंने सोना मछली को घेर लिया। वे उससे ढेर सारे सवाल करने लगीं। चूंकि सोना बाकी मछलियों से बड़ी थी, इसलिये वे सब उसे सोना दीदी कहकर पुकारने लगीं। एक ने पूछा, सोना दीदी, क्या आप जैसी सुनहरी मछलियां और भी हैं उस तरफ। रूहू ने कहा, काश मेरा रंग भी सुनहरा होता।

सोना मछली ने हंसते हुए कहा, अरे कैसी बात कर रही हो तुम सब। तुम्हारा रंग सफेद है और वाकई तुम सब बहुत सुंदर हो। ईश्वर ने हम सबको अलग-अलग रंग दिया है। हम जिस रंग के हैं, हमें उसी में खुश रहना चाहिये। तभी रूहू की सहेली जेली ने कहा, लेकिन हमने तो अब तक सिर्फ सफेद रंग की मछलियां ही देखी थीं। क्या मछलियों के और भी रंग होते हैं? सोना ने कहा, हां मछलियां तो बहुत रंग की होती हैं, जैसे नारंगी, पीली, गुलाबी, हरी, नीली और न जाने कितने रंग की। कुछ मछलियां छोटी होती हैं और कुछ बहुत बड़ी।

सोना ने उन्हें डॉल्फिन मछली के बारे में बताया जो इंसानों के काफी करीब बताई जाती है। रूहू और उसकी सहेलियों के लिए यह एकदम नई बात थी। रूहू ने कहा, सोना दीदी मैं रंग बिरंगी मछलियां देखना चाहती हूं। मैं डॉल्फिन से भी मिलना चाहती हूं। बाकी मछलियां भी शोर मचाने लगीं, हां, हमें भी रंगबिरंगी मछलियां देखनी हैं।

सोना ने कहा- ठीक है, इसके लिए तो तुम सबको नदी के दूसरे छोर की ओर चलना होगा। रूहू ने कहा, दीदी हमारी मां ने हमें दूर जाने से मना किया है। सोना ने कहा, अरे चिंता क्यों करती हो, हम सब शाम से पहले लौट आएंगे। तभी रूहू की एक सहेली ने कहा, आओ चलते हैं बड़ा मजा आएगा। हम सब शाम से पहले लौट आयेंगे।

बस क्या था, सारी मछलियां सोना मछली के संग चल पड़ीं। जैसे-जैसे वे नदी में आगे बढ़ती गईं उन्हें अद्‌भुत नजारे देखने को मिले। थोड़ी दूर जाने पर उन्हें नारंगी मछलियों का झुंड मिला। उन्हें देखते ही सफेद मछलियां चीख पड़ीं, अरे देखो तो कितनी प्यारी हैं ये। नारंगी मछलियां भी सफेद मछलियों को देखकर खुश थीं। वे सब आपस में मिलकर पानी में छपछप करने लगीं। कुछ देर बाद मछलियों का झुंड आगे बढ़ा। आगे जाने पर गुलाबी मछलियां दिखीं तो रूहू और उसकी सहेलियों की आंखें अचरज से खुली रह गईं। रूहू ने कहा, गुलाबी कितना प्यारा रंग है। इसी तरह रास्ते में नीली, पीली, हरी और न जाने कितने रंग की मछलियां मिलीं। रूहू ने कहा, हमें तो पता ही नहीं था मछलियों की इस खूबसूरत दुनिया के बारे में। सोना ने कहा, अरे अभी क्या है अभी तो तुम सबको डॉल्फिन से मिलना है।

कुछ देर बार वे डॉल्फिन के पास पहुंच गईं। सफेद मछलियों के लिये डॉल्फिन सबसे बड़ा आश्चर्य था। उन्होंने इतनी बड़ी और इतनी तेजी से पानी में छलांग लगाने वाली मछली पहले कभी नहीं देखी थी।

सबसे बड़ा मजा तब आया जब डॉल्फिन नन्हीं सफेद मछलियों को देखकर हंसने लगी। रूहू ने कहा, अरे ये तो इंसानों की तरह हंस रही है। सबने डॉल्फिन की पीठ पर चढ़कर खूब मस्ती की।

तभी सोना मछली ने कहा, अब हमें लौटना चाहिए। पर सफेद मछलियां कुछ दूर आगे चलने की जिद करने लगीं। सोना ने समझाया, देखो अंधेरा हो रहा है, पर सफेद मछलियां तो बस मस्ती के मूड में थीं। वे थोड़ा आगे बढ़ी ही थीं कि एक दुष्ट शार्क मछली से टकरा गईं। टक्कर लगते ही शार्क चिल्लाने लगी, तुम सबने मुझे जगा दिया, अब मैं तुम्हें नहीं छोड़ेगी। यह सुनते ही सफेद मछलियां डर के मारे कांपने लगीं। तभी सोना मछली ने हाथ जोड़ते ही कहा, शार्क आंटी इन्हें माफ कर दीजिए। पर शार्क का गुस्सा कम नहीं हुआ। वो सोना मछली को धमकी देने लगी।

उसने कहा कि वह सारी सफेद मछलियों को एक जाल में बंद कर देगी। इसी बीच रूहू तेजी से चलकर पीछे गई और डॉल्फिन को बुला लाई। डॉल्फिन को देखते ही शार्क डर गई। उसने कहा, चलो कोई बात नहीं है, इस बार मैं तुम सबको माफ कर देती हूं, पर आगे से मेरे इलाके में मत आना।

सफेद मछलियों और सोना दीदी ने डॉल्फिन को धन्यवाद कहा। रूहू ने कहा, डॉल्फिन आप सचमुच बहुत प्यारी हो। आपसे मिलकर हमें बहुत अच्छा लगा। डॉल्फिन ने कहा, मुझे भी तुम सबसे मिलकर बड़ा मजा आया। अब मैं तुम सबको तुम्हारे घर छोड़ने चलूंगी। मैं नहीं चाहती कि अब तुम लोगों पर दोबारा ऐसा खतरा आए। यह सुनते ही सारी मछलियां खुशी से उछल पड़ीं। रूहू ने कहा, वाह कितना मजा आयेगा। मेरी मां तो डॉल्फिन और सोना दीदी से मिलकर बहुत खुश हो जायेंगी। आओ, जल्दी घर चलें, नहीं तो अंधेरा हो जाएगा।

पहेलियाँ

तीन अक्षर का मेरा नाम।
उल्टा सीधा एक समान॥
❐ ❐ ❐ ❐

ऊँट की बैठक, हिरन सी तेज चाल।
वो कौन सा जानवर जिसके पूँछ न बाल।
❐ ❐ ❐ ❐

पहले पीट-पाट तब ठोक-ठाक,
तब लेन-देन तब खान पान।
❐ ❐ ❐ ❐

लाल टेन पंखों में,
उड़े अंधेरी रात में,
जलती बाती बिना तेल के,
जाड़े व बरसात में।
❐ ❐ ❐ ❐

हरी-हरी मछली के,
हरे-हरे अण्डे,
जल्दी ये बूझिए,
वरना पड़ेंगे डण्डे।
❐ ❐ ❐ ❐

उस राजा की अनोखी रानी,
दुम के रास्ते पीती पानी।
❐ ❐ ❐ ❐

उत्तर - जहाज, मेंढक, सुरती, जुगनू, मटर की फली, दीया

रंग भरो

बिंदु मिलाओ

रास्ता खोजो

बैटमैन की कहानी

बचपन में अपने माता-पिता की हत्या का बदला लेने के लिए बैटमैन खुद को मजबूत बनाता है और काल्पनिक शहर गोथम में अपने इस काम को अंजाम देता है। दरअसल बैटमैन का नाम ब्रूस वेन है, जो आम जिंदगी में एक अमीर आदमी है।

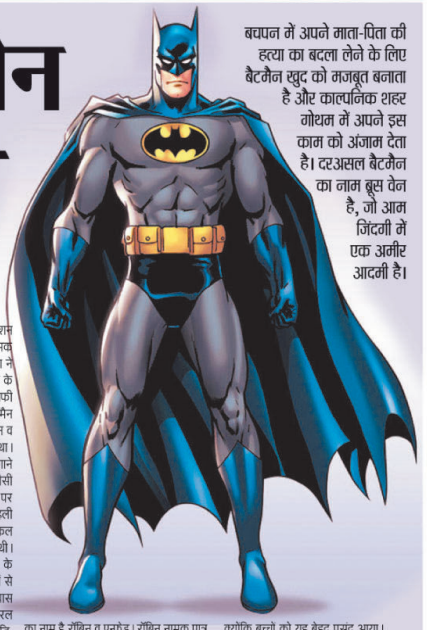

1938 के शुरुआती समय में एक्शन कॉमिक्स में 'सुपरमैन' नामक काल्पनिक चरित्र की अपार सफलता ने डीसी कॉमिक्स को भी नए पात्र लाने के लिए प्रेरित किया और इस तरह काफी कश्मकश के बाद जन्म हुआ बैटमैन का। इस चरित्र को दो लोगों बॉब कॉन व बिल फिंगर ने मिलकर गढ़ा था। अपराधियों के दिलों में दहशत जगाने वाला यह किरदार सबसे पहले डीसी कॉमिक्स ने आधिकारिक तौर पर प्रकाशित किया था। बैटमैन की पहली कहानी थी 'द केस-ऑफ द केमिकल सिंडीकेट' जो सन 1939 में आई थी। अपने खास चमगादड़ की शक्ल के काले लिबास में बैटमैन को बुरे लोगों से लड़ते हुए दिखाया गया, पर उसके पास सुपरमैन की तरह कोई सुपरनेचुरल ताकत नहीं है। वह अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, जासूसी दक्षता और तकनीकी ज्ञान के बलबूते अपराधियों को छकाता है।

बचपन में अपने माता-पिता की नृशंस हत्या का बदला लेने के लिए बैटमैन खुद को मानसिक व शारीरिक तौर पर मजबूत बनाता है और वह काल्पनिक शहर गोथम में अपने इस काम को अंजाम देता है। दरअसल बैटमैन का नाम ब्रूस वेन है, जो आम जिंदगी में एक अमीर आदमी है। उसके दो सहयोगियों का नाम है रॉबिन व एल्फ्रेड। रॉबिन नामक पात्र को फिंगर के इस सुझाव के बाद बैटमैन की जिंदगी में शामिल किया गया कि बैटमैन को भी अपने मन की बात कहने के लिए किसी दोस्त की जरूरत है।

इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1952 में प्रकाशित कहानी 'द माइटिएस्ट टीम इन द वर्ल्ड' में पहली बार इसे सुपरमैन के साथ पेश किया गया, जिसमें यह दर्शाया गया कि दोनों एक दूसरे की असली पहचान को जान लेते हैं। यह सिलसिला लगभग 1986 तक लगातार चला, क्योंकि बच्चों को यह बेहद पसंद आया।

इसके बाद समय-समय पर लोगों की बदलती रुचि को ध्यान में रखकर इस पात्र में अपेक्षित बदलाव किए गए। 1943 में पहली बार बैटमैन पर एक टेलीविजन धारावाहिक का प्रसारण हुआ, जिसमें लिविस विल्सन यह किरदार निभाने वाले पहले अभिनेता बने। अगले दो वर्षों में यह किरदार सुपरमैन टीवी के साथ-साथ रेडियो पर भी छाने लगा और 1949 में बैटमैन एंड रॉबिन शीर्षक से बने धारावाहिक ने इसे उन घरों में भी पहुंचा दिया, जिन्होंने कभी कॉमिक्स खरीदी ही नहीं।

बैड न्यूज़ का ट्रेलर जारी, कॉमेडी का डबल डोल, सच्ची घटनाओं से प्रेरित

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और ऐमी विर्क अभिनीत फिल्म के निर्माताओं ने शुक्रवार को बैड न्यूज़ का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी किया। फिल्म निर्माता करण जौहर हाल ही में फिल्म के मुख्य सितारों के कई पोस्टर साझा करते रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक टैगलाइन के साथ होती है, जिसमें लिखा है, एक दुर्लभ कॉमेडी जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे तृप्ति अपने बच्चे के पिता को लेकर उलझन में है और एक डॉक्टर के विलनिक में अपनी दोस्त (नेहा धूपिया द्वारा अभिनीत) से बात कर रही है। डॉक्टर उसे असली पिता का पता लगाने के लिए पैतृक परीक्षण कराने का सुझाव देते हैं। हालांकि, उसकी रिपोर्ट में जीवन में एक बार होने वाली घटना का पता चलता है और डॉक्टर कहते हैं कि यह हेटेरोपैटर्नल सुपरफेकंडेशन का मामला है, जिसका अर्थ है कि एक ही चक्र में दो अलग-अलग अंडों को निषेचित किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री अनन्या पांडे आगामी फिल्म बैड न्यूज़ में एक रोमांचक कैमियो भूमिका के लिए तैयार हैं। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को बड़े पर्दे पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दिल से दिल तक से मिली जैस्मिन भसीन को अलग पहचान

जैस्मिन टेलीविजन जगत की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। वे टीवी के अलावा कई फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। जैस्मिन भसीन का जन्म 28 जून 1990 को कोटा में हुआ था। जैस्मिन भसीन को सीरियल दंश-ए-इश्क से सबसे बड़ा ब्रेक मिला। नागिन, बिग बॉस 14 जैसे शो का हिस्सा रह चुकीं जैस्मिन भसीन को दिल से दिल तक से अलग पहचान मिली।

जैस्मिन भसीन अली गोनी को डेट कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें जैस्मिन भसीन जल्द ही दुल्हन बनेंगी।

सामंथा रुथ प्रभु के साथ जमेगी आदित्य रॉय कपूर की जोड़ी?

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर जल्द ही राज और डीके की अगली वेब सीरीज में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेब सीरीज का नाम रक्तबीज रखा गया है। इसके लिए आदित्य को ऑफर मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एक्शन सीरीज में आदित्य के साथ सामंथा रुथ प्रभु भी मुख्य भूमिका में होंगी। द नाइट मैनेजर के बाद आदित्य रॉय कपूर का ओटीटी के लिए दूसरा प्रोजेक्ट है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीरीज से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि आदित्य ने मई में ही इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी थी। इसके तुरंत बाद निर्माताओं ने सामंथा को भी इस सीरीज में शामिल कर लिया था। दोनों कलाकारों ने सीरीज के लिए अपनी-अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। जल्द ही दोनों इस एक्शन सीरीज के लिए साथ में भी ट्रेनिंग लेंगे। खबर के मुताबिक, राज और डीके की जोड़ी फिलहाल फैमिली मैन के तीसरे सीजन की शूटिंग में व्यस्त है। इसके बाद ये निर्देशक जोड़ी इस साल अगस्त तक रक्तबीज को प्लेटर पर लाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, निर्देशक जोड़ी या दोनों कलाकारों की ओर से इस खबर की पुष्टि नहीं की गई है। राज और डीके की फैमिली मैन में भी सामंथा रुथ प्रभु नजर आई थीं। इसके बाद वह अब अभिनेता वरुण धवन के साथ सिटाडेल- हनी बनी में भी मुख्य भूमिका में होंगी। इस सीरीज को एक जासूसी एक्शन थ्रिलर के दिल दहला देने वाले तत्वों को एक प्रेम कहानी के साथ दिखाया गया है। ये 90 के दशक की जीवंत टेपेस्ट्री पर आधारित है। दर्शकों को इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार है।

सिटाडेल का हिस्सा बनकर खुश हैं सामंथा

सामंथा रूथ प्रभु ने इस सीरीज को लेकर एक ट्वीट में कहा था, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक्शन करूंगी। ये मेरे लिए बड़ी जीत है। मुझे नहीं लगा कि मैं सिटाडेल का हिस्सा बनूंगी। मैं राज, डीके, सीता और अमेजन की बहुत आभारी हूं। वहीं, आदित्य रॉय कपूर अगली बार मेट्रो इन डिनो में नजर आएंगे, जो लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल होगी। इसमें आदित्य के साथ सारा अली खान नजर आएंगी।

चंद्रिका दीक्षित ने वेब सीरीज के ऑफर को किया मना

चंद्रिका दीक्षित उर्फ वड़ा पाव गर्ल बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में अपने गेम से चमक रही हैं। चंद्रिका को उनके गेम के लिए सोशल मीडिया पर भी खूब सपोर्ट मिल रहा है। हालांकि, अभी भी कई लोग चंद्रिका के बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में जाने से खुश नहीं हैं। वहीं, अब चंद्रिका ने खुलासा किया है कि दोनों महीने पहले उन्हें वेब सीरीज के ऑफर आए थे। चंद्रिका ने इन ऑफर्स को ठुकरा दिया क्योंकि वह इंटीमेट सीन्स देने में बिल्कुल भी सहज नहीं थीं। हालांकि, चंद्रिका के इस बयान के बाद लोग उनकी जमकर आलोचना भी कर रहे हैं।

रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड के साथ लंदन में पार्टी करती दिखीं सुहाना खान

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी अपनी ड्रेस और लुक्स की वजह से तो कभी अपने रिलेशनशिप की चर्चाओं की वजह से। सुहाना ने 'द आर्चीज' से अभिनय के क्षेत्र में डेब्यू किया। अब वह शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। इस बीच सुहाना को लंदन में अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड के साथ स्पॉट किया गया है। दरअसल, सुहाना और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के डेटिंग की अफवाहें तब से चल रही हैं जब से उन्होंने 'द आर्चीज' की शूटिंग की है, तब से इन्हें कई बार एक साथ देखा गया है। सुहाना और अगस्त्य नंदा की डेटिंग की अफवाहों को तब हवा मिल गई जब दोनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। जिसमें दावा किया गया कि दोनों स्टार किड्स को एक साथ लंदन के एक क्लब में पार्टी करते हुए देखा गया। दोनों एक-दूसरे के साथ पार्टी का आनंद उठाते हुए नजर आए। इससे प्रशंसकों ने अंदाजा लगाना शुरु कर दिया कि वे दोस्त से कुछ ज्यादा हैं।

अगस्त्य नंदा के साथ पार्टी करती दिखीं सुहाना

एक फैन पेज ने ट्विटर पर सुहाना की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा की। वीडियो को साझा करते हुए दावा किया गया कि इसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान एक नाइट क्लब में दिख रही हैं। उनके सामने अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा काले रंग की शर्ट में खड़े हैं और उनके चेहरे पर एक लंबी मुस्कान दिख रही है।

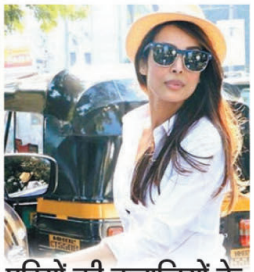

परियों की कहानियों के जैसा नहीं होता जीवन

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के रिश्ते को लेकर अफवाह उड़ रही है कि दोनों ने अपनी राह बदल ली है और ब्रेकअप कर लिया है। इन अफवाहों को तब तो और भी बल मिल गया, जब हाल ही में, वो अर्जुन कपूर के जन्मदिन की पार्टी में दिखाई नहीं दी। दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही इन तमाम चर्चाओं के बावजूद न तो मलाइका और न ही अर्जुन कपूर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि की गई है। जीवन के सबसे मुश्किल सबक के बारे में बात करते हुए मलाइका ने कहा कि असल जीवन परियों की कहानियों के जैसा नहीं होता है और जीवन में कुछ भी स्थाई नहीं होता है। शायद यही एक मुश्किल सबक है। उन्होंने कहा कि हम सभी इस तरह की कहानियों के साथ बड़े हुए हैं, जिनका अंत परियों की कहानी की तरह होता है। इन कहानियों से हमें बताया गया था कि जिंदगी ऐसी ही होती है, मगर ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि जीवन में आ रहे बदलावों के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्यार के लिए लड़ सकती हूं

मलाइका अरोड़ा का कहना है कि चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन वो कभी भी सच्चे प्यार के विचार को नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने कहा कि वो दिल से रोमांटिक हैं, जो प्यार के लिए लड़ सकती हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि जब बात रिश्तों की आ जाती है तो वो काफी यथार्थवादी रहती हैं और इस बात को जानती हैं कि लाइन कहां खींचनी है।

कल्कि 2898 एडी में कैमियो को लेकर मृणाल ने किया खुलासा

फिल्म कल्कि 2898 एडी आखिरकार रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विजय देवरकोंडा, एसएस राजामौली, दुलकर सलमान और राम गोपाल वर्मा सहित कई अभिनेताओं ने कैमियो किया है। मृणाल ठाकुर ने बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी में अपने कैमियो को लेकर खुलकर बातचीत की है। बेहतरीन अदाकारी के लिए प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कल्कि 2898 एडी का हिस्सा बनने के बारे में बताया कि जब उनसे इस फिल्म के लिए संपर्क किया गया था, तब क्या हुआ था। मृणाल ने फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर अपनी उत्सुकता और आत्मविश्वास दोनों को ही जाहिर किया। मृणाल ने बताया कि वह पहले फिल्म सीता राममें में निर्माता अश्विनी दत्त, स्वप्ना दत और प्रियंका दत्त के साथ काम कर चुकी हैं, इसलिए उन्होंने कल्कि 2898 एडी के लिए तुरंत हामी भर दी थी। मृणाल ने कहा, जब मुझे कल्कि के लिए संपर्क किया गया था, तब मैंने तुरंत हां कहने में एक पल भी नहीं लगाया। मुझे निर्माता अश्विनी दत्त, स्वप्ना दत्त और प्रियंका पर पूरा भरोसा है। सीता राममें में हमारे सफल सहयोग ने यह निर्णय लेना मेरे लिए काफी आसान बना दिया। इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा, मुझे बनना ही था। मृणाल के लिए कल्कि के कलाकारों में शामिल होना किसी रोमांच से कम नहीं रहा। फिल्म में उनकी उपस्थिति को एक आश्चर्य के रूप में रखा गया, जिससे उनके प्रशंसकों के बीच उत्साह बना रहे।

यूनिवर्स में मेरा हिस्सा अभी शुरू हुआ है, कल्कि 2898 एडी में अपने कम स्क्रीन टाइम पर बोले कमल

प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन अभिनीत फिल्म कल्कि 2898 एडी 27 जून को रिलीज हो चुकी है। फिल्म का क्रिटिक्स से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। दर्शकों को भी फिल्म पसंद आई है। फिल्म में कमल हासन के अभिनय को भी खूब सराहा जा रहा है। हालांकि, कमल हासन को कम स्क्रीन टाइम मिला था। अब अभिनेता ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

कम स्क्रीन टाइम पर कमल हासन ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में, एक इंटरव्यू में कमल हासन ने कहा, कल्कि 2898 एडी में मैंने एक छोटी सी भूमिका निभाई है जो केवल कुछ मिनटों के लिए दिखाई देती है। फिल्म में मेरा असली हिस्सा अभी शुरू हुआ है और मुझे दूसरे भाग में और भी बहुत कुछ करना है। इसलिए, मैंने एक प्रशंसक के रूप में यह फिल्म देखी और मैं सरप्राइज रह गया। अभिनेता ने की नाग अश्विन की तारीफ कमल हासन ने कहा, फिल्म में काम कर के मुझे ऐसा लगा कि भारतीय सिनेमा वैश्विक मनोरंजन की ओर बढ़ रहा है, और कल्कि 2898 एडी उनमें से एक है। नाग अश्विन ने बिना किसी धार्मिक पक्षपात के पौराणिक कथाओं के विषय को सावधानीपूर्वक संभाला है। दुनिया भर में, केवल जापान, चीन और ग्रीक सभ्यताएं ही कहानी कहने की भारतीय विरासत के करीब आ सकती हैं। अश्विन ने वहां से कहानियां चुनी हैं और सभी को एक साथ लाकर बहुत धैर्य के साथ इसे अंजाम दिया है।

पेनकिली की शूटिंग को लेकर मुश्किल में फंसे फहद फासिल

मलयालम स्टार फहद फासिल अपनी बैक-टू-बैक रिलीज हुई फिल्मों की सफलता का आनंद ले रहे हैं। हाल के वर्षों में, उन्होंने एक अभिनेता और निर्माता दोनों के रूप में महत्वपूर्ण सफलता देखी है। हालांकि, अब फहद एक मुसीबत में फंसते नजर आए हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी फहद फासिल एंड फैंड्स को मानवाधिकार आयोग की कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोडक्शन कंपनी ने हाल ही में अंगमाली तालुक सरकारी अस्पताल में अपनी आगामी फिल्म पेनकिली की शूटिंग की। आरोप है कि फिल्म निर्माताओं ने उचित अनुमति के बिना कैजुअल्टी वार्ड में शूटिंग की और मरीजों को परेशान किया। नतीजतन, मानवाधिकार आयोग ने भी फहद की कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने आदेश दिया है कि अस्पताल के आपातकालीन विभाग में फिल्म की शूटिंग के लिए सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देना होगा। इसके अतिरिक्त, एर्नाकुलम जिला चिकित्सा अधिकारी और अंगमाली तालुक अस्पताल के अधीक्षक को भी अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। आयोग के अनुसार, आपातकालीन कक्ष की रोशनी कम कर दी गई थी, और फिल्मांकन के दौरान विशिष्ट प्रतिबंध लगाए गए थे। आपातकालीन कक्ष में अभिनेताओं सहित लगभग 50 व्यक्ति मौजूद थे। आयोग ने चिंतामम व्यक्त की कि आपातकालीन विभाग में सीमित जगह के बावजूद, जब डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे थे, तब फिल्मांकन जारी रहा। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है और दावा किया है कि शूटिंग के लिए सभी उचित परिश्रम का पालन किया गया है। फिल्म निर्माताओं ने शूटिंग के कारण मरीजों को परेशानी होने की खबरों को भी खारिज कर दिया है। इस बीच, फहद फासिल सफलता की बुलंदियों को छू रहे हैं। वह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में सबसे अधिक मांग वाले अभिनेताओं में से एक बन गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप से बहस में पिछड़ने के बाद आलोचकों के निशाने पर बाइडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। गुरुवार को अमेरिका के अटलांटा में राष्ट्रपति चुनाव के लिए डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बीच पहली बहस हुई। इस बहस में डोनाल्ड ट्रंप भारी पड़े और जो बाइडन बोलते हुए लड़खड़ाते नजर आए। जिसके बाद बाइडन की बढ़ती उम्र को लेकर चिंताएं फिर से उभर आई हैं और बाइडन के कई आलोचक उनकी उम्मीदवारी पर सवाल उठा रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी माना है कि बाइडन के लिए यह एक बुरी बहस वाली रात थी। हालांकि उन्होंने राष्ट्रपति बाइडन में अभी भी अपना भरोसा जताया और कहा कि नवंबर में बहुत कुछ दांव पर है। बहस के बाद सोशल मीडिया पर जो बाइडन को लेकर काफी मीम्स प्रसारित होने शुरू हो गए। साथ ही ये भी आशंका जताई जाने लगी कि क्या नवंबर के चुनाव में बाइडन, ट्रंप को रोक पाएंगे इन आशंकाओं और आलोचनाओं के बीच पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, बाइडन के बचाव में उतरे हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में ओबामा ने लिखा कि बहस की बुरी रात होती हैं, लेकिन मेरा विश्वास कीजिए, मैं जानता हूं कि ये चुनाव अभी भी उन लोगों के बीच है, जिनमें से एक अपने पूरे जीवन में आम लोगों के लिए लड़ता आया है और दूसरे ने हमेशा अपनी फिक्र की है। एक सच बोलता है और जिसे पता है कि सही क्या है। वहीं दूसरा अपने फायदे के लिए झूठ बोलता है। बीती रात से भी कुछ नहीं बदला है और यही वजह है कि नवंबर के चुनाव में बहुत कुछ दांव पर है। अटलांटा की बहस में ट्रंप के सामने कमजोर साबित होने के बाद बाइडन को भी इसका अहसास था। यही वजह है कि बहस के बाद बाइडन ने नॉर्थ कैरोलिना में एक जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा में बाइडन जोश में दिखे और उन्होंने अपने संबोधन के दौरान स्वीकार किया कि वे भी मानते हैं कि अब वे जवान नहीं रहे हैं। पहले की तरह आसानी से चल नहीं पाते और आसानी से बातें नहीं कर पाते। हो सकता है कि पहले की तरह बहस भी न कर पाते हों, लेकिन मुझे पता है कि सच कैसे बताया जाता है।

हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश के आरोप में निखिल गुप्ता अमेरिकी अदालत में पेश

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में एक खालिस्तानी अलगाववादी की कथित हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश में आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को पहली बार ट्रायल जज के सामने पेश किया गया। फेडरल सीनियर जज विक्टर मारेरो ने शुक्रवार को सुनवाई के बाद अगली तारीख 13 सितंबर तय की है। कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष उस दिन सबूत लेकर आएं। खाकी शर्ट और पैंट पहने गुप्ता को अमेरिकी मार्शल कोर्ट के अंदर ले गए और वो डिफेन्स टेबल पर बैठ गया, जहां उसने कार्यवाही शुरू होने से पहले अपने वकील जेफरी चैबा के साथ बातचीत की। पिछले साल जून में अमेरिका के अनुरोध पर निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और 14 जून को उसे अमेरिका लाया गया। 17 जून को उसे मजिस्ट्रेट जज जेम्स कॉट कि अदालत में पेश किया गया, जिन्होंने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया। मामले में अभियोजक सहायक जिला अटॉर्नी कैमिली लाटोया फ्लेचर ने शुक्रवार को ट्रायल जज को गुप्ता के खिलाफ सरकार के केस के बारे में बताया। उन्होंने आरोपों को दोहराया कि गुप्ता ने भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक के खिलाफ एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर साजिश रची थी। हालांकि दोनों की पहचान उन्होंने नहीं बताई। इशारा गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर था जो अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता वाला एक वकील है।

पहले सिखों को निकालो...कनाडाई रक्षा मंत्री के आदेश पर कनाडा की राजनीति में भूचाल, ट्रूडो का हो रहा विरोध

ओटावा एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के एक खालिस्तान प्रेमी सिख मंत्री के एक पुराने आदेश पर कनाडा की राजनीति गरमा गई है। वहीं, ट्रूडो सरकार के इस मंत्री के कदम पर कनाडा की सेना में भी नाराजगी है। दरअसल, अफगानिस्तान से जब पश्चिमी देशों की सेनाएं लौट रही थीं, चारों ओर अफरातफरी मची थी। सभी देश अपने लोगों को निकालकर ले जा रहे थे, उस वक्त ट्रूडो के रक्षा मंत्री हरजीत सज्जन ने सेना को आदेश दिया थाकि पहले सिखों को निकालो्ज अब जब इस मामले का खुलासा हुआ तो कनाडा में बवाल मच गया। लोग ट्रूडो से पूछ रहे कि आखिर यह कैसा आदेश था। ट्रूडो के खलिफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

पूर्व मंत्री ने ट्रूडो पर बोला हमला

इस रिपोर्ट के आने के बाद पीपल्स पार्टी ऑफ कनाडा के नेता और देश के पूर्व विदेश मंत्री मैक्सिम बर्नियर ने ट्रूडो सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कनाडा सरकार पर खालिस्तानियों को खुश करने के चक्कर में अपने नागरिकों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। बर्नियर ने कहा, विदेशी लोग देश पर कब्जा कर रहे हैं, क्योंकि सत्ताधारी राजनेता लगातार जातीय अल्पसंख्यकों को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कनाडा की राजनीति पर विदेशी प्रभाव को समाप्त करने की मांग की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बर्नियर ने लिखा कि ट्रूडो के कनाडा में विनाशकाली जातीय राजनीतिक का एक और उदाहरण सामने आया है। उन्होंने लिखा, जब 2021 में तालिबान ने सत्ता संभाली को रक्षा मंत्री हरजीत सज्जन (जो खुद सिख हैं) ने विशेष बलों को अफगान सिकों को बचाने का निर्देश दिया, जिनका कनाडा से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने आगे लिखा, न केवल मंत्री ने सिख विदेशियों को दूसरों पर प्राथमिकता दी, बल्कि यह चनाव अभियान की शुरुआत में हुआ। मैकिसम ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ नेता सिखों को एक वोटबैंक के रूप में देखा है। उन्होंने आगे लिखा, बड़े पैमाने पर आप्रवासन, चरम बहुसंस्कृतिवाद और जातीय अल्पसंख्यकों को लगातार खुश करने के चलते आज विदेशी सच में हमारे देश पर कब्जा कर रहे हैं।

आरोपों पर मंत्री सज्जन ने दी ये सफाई

कनाडा सरकार में आपातकालीन मंत्री सज्जन ने इन सभी आरोपों को सिरे से नाकार दिया है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से बकवास है। सज्जन ने कहा, मैं इस मामले में साफ पाक हूं। यह पूरी तरह बकवास बात हैं, जो लोग उस वक्त कनाडाइयों की निकासी पर नजर रख रहे थे, वे जानते हैंकि हमने जितना संभव हो सका, सबको बाहर लाने की कोशिश की। मेरे खलिाफ दुष्प्रचारकिया जा रहा है।

क्या है मामला

रिपोर्ट के मुताबिक, मामला 2021 का है, जब अफगानिस्तान पर तालबिान का कब्जा हो गया और सारे देश अपने लोगों को बचाकर निकालने लगे। तब सिख हरजीत सज्जन कनाडा के रक्षा मंत्री थे। काबुल में हालात बिगड़ते देख सज्जन ने विशेष बलों से कहाकि सबसे पहले सिखों को बचाओ। उन्हें अफगानिस्तान से जल्द से जल्द बाहर निकालो। अब लोगों का कहना हैकि सेना ने उनके इसी आदेश का पालनकिया, जिससे कनाडा के अन्य लोगों को मुश्कलिें हुईं। सेना के सूत्रों के हवाले से बतायाकि सज्जन ने सिखों को निकालने के लिए सेना को 225 नाम दिए थे। उनके रहने की जगह के बारे में बताया था। 15 अगस्त 2021 को तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के कुछ दिनों बाद यह ऑपरेशन शुरू किया गया था। सूत्रों ने कहा कि अफगान सिखों को कनाडा की सेना अपना नहीं मानती थी, क्योंकिउनका मानना थाकि इन लोगों का कनाडा से सीधा कोई संबंध नहीं है। इसी वजह से सज्जन ने हस्तक्षेप करते हुए आदेश दिया और तुरंत उन्हें बचाने के लिए कहा।

श्रीलंका में साइबर क्राइम के आरोप में 137 भारतीय नागरिक गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के आपराधिक जांच विभाग ने ऑनलाइन वित्तीय घोटाले में शामिल 137 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। 'डेली मिरर अखबार ने पुलिस प्रवक्ता एसएसपी (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक) निहाल थलदुवा के हवाले से बताया कि इन लोगों को बहुस्पतिवार को कोलंबो के उपनगरीय इलाकों मडीवेला और बद्धरामुल्ला तथा पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो से गिरफ्तार किया गया। थलदुवा ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने इन इलाकों में एक साथ छापेमारी की और इस दौरान 158 मोबाइल फोन, 60 डेस्कटॉप और कई लैपटॉप जब्त किए।

पुलिस के अनुसार नेगोम्बो से 55 संदिग्धों को 55 मोबाइल फोन और 29 लैपटॉप के साथ हिरासत में लिया गया। इसी तरह कोच्चिकाडे में अधिकारियों ने 53 व्यक्तियों को पकड़ा और 31 लैपटॉप एवं 58 मोबाइल जब्त किये। मडीवेला में अभियान के दौरान 13 संदिग्धों को गिरफ्त में लिया गया और उनके पास से आठ लैपटॉप एवं 38 मोबाइल बरामद किये गये। थानालगामा में 16 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और आठ लैपटॉप एवं 38 मोबाइल जब्त किये गये। एसएसपी ने कहा कि गिरफ्तार किये गये संदिग्ध पुरूष हैं। यह कार्रवाई एक पीड़ित की शिकायत के आधार पर की गई जिसने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर संवाद करने के लिए उसे नकद राशि दिए जाने का वादा करके एक व्हाट्सऐप समूह में जोड़ा गया था।

पुलिस जांच में ऐसी साजिश का पता चला जिसके जरिए पीड़ितों को शुरुआती भुगतान के बाद धनराशि जमा करने के लिए मजबूर किया जाता था। समाचार पत्र के अनुसार, पेराडेनिया में एक व्यक्ति और उसके बेटे ने धोखेबाजों की मदद करने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि नेगोम्बो में एक आलीशान मकान पर छापेमारी के दौरान मिले महत्वपूर्ण सबूतों के आधार पर शुरुआत में 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया और 57 फोन एवं कंप्यूटर जब्त किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों में स्थानीय और विदेशी दोनों शामिल हैं। ऐसा संदेह है कि आरोपी वित्तीय धोखाधड़ी, अवैध सट्टेबाजी और जुए से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में शामिल थे।

यमन के हूती विद्रोहियों ने गौतम अडानी पोर्ट पर किए ड्रोन हमले

इजरायली सेना ने बताया सच

यूरूसलम/यमन , एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर शुक्रवार को मिसाइल हमले किए। इससे पहले हूती विद्रोहियों द्वारा भारत के उद्योगपति गौतम अडानी के करारशुदा हाइफा बंदरगाह पर भी ड्रोन हमले करने का दावा किया गया है। ब्रिटेन की सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर हमले की जानकारी दी। हूती विद्रोही इस अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन केंद्र ने बताया कि यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं। यूकेटीएमओ ने बताया कि इन हमलों मे पोत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

इससे पहले इजरायल में मौजूद भारतीय कंपनी के बंदरगाह पर यमन के हूती विद्रोहियों ने हमले का दावा किया है। हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने इजरायल के हाइफा बंदरगाह पर ड्रोन के जरिए हमला किया है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि उन्होंने इराक के इस्लामिक प्रतिरोध के साथ एक संयुक्त सैन्य अभियान चलाया। इसमें कई ड्रोन ने हाइफा बंदरगाह के करीब एक इजरायली जहाज को निशाना बनाया। इजरायल का हाइफा बंदरगाह भारत के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह वही पोर्ट है, जिसके संचालन के लिए भारत के उद्योगपति गौतम अडानी ने करार किया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हाइफा पोर्ट इजरायल के सबसे प्रमुख बंदरगाहों में से एक है।

इजरायल के छह बंदरगाह हैं, जिनमें से हाइफा सबसे बड़ा है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह इजरायल के सबसे प्रमुख बंदरगाहों में से एक है, जहां से लगभग 99 फीसदी सामान समुद्र के रास्ते आता-जाता है। पिछले साल जनवरी में 4 अरब शेकेल (1.03 अरब डॉलर) में इसे खरीदा गया था। ईरान के समर्थन वाले हूती लड़ाकों के प्रवक्ता याह्या सारी ने बुधवार को टीवी पर एक बयान में हमले के बारे में बताया। उसने कहा कि पुर्तगाली झंडे वाले कंटेनर जहाज रूबी मंजानिलो को निशाना बनाया गया। इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि ऐसी किसी भी घटना की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि हाइफा पोर्ट पर किसी असामान्य चीज का कोई संकेत नहीं मिला है। बता दें कि गाजा पर हमले के विरोध में हूती विद्रोहियों ने पिछले साल नवंबर से ही हमला शुरू कर दिया है।

हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने शुक्रवार रात दावा किया था कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में पोतों पर दो हमले किए हैं लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यूकेटीएमओ ने किस पोत पर हुए हमले की जानकारी दी है। विद्रोहियों ने मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिए अब तक 60 से अधिक पोत को निशाना बनाया है और इन हमलों में चार नाविक मारे गए हैं। हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में जनवरी से कई हवाई हमले किए गए हैं। विद्रोहियों के अनुसार, 30 मई को हुए हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी और 42 अन्य घायल हुए थे। हूती विद्रोहियों का हालांकि कहना है कि वह इजराइल, अमेरिका या ब्रिटेन के पोतों को ही निशाना बनाता है, लेकिन ऐसे कई पोतों पर हमला किया गया है जिनका इजराइल-हमास युद्ध से कोई लेना-देना नहीं था। विद्रोही इजराइल से गाजा में युद्ध की समाप्त करने की मांग कर रहे हैं।

जिनपिंग को याद आया पंचशील सिद्धांत, कहा- संघर्षों को खत्म करने के लिए अहम है

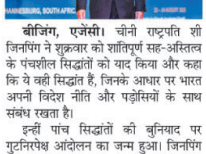

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पंचशील सिद्धांतों को याद किया और कहा कि ये वही सिद्धांत हैं, जिनके आधार पर भारत अपनी विदेश नीति और पड़ोसियों के साथ संबंध रखता है।

इन्हीं पांच सिद्धांतों की बुनियाद पर गुटनिरपेक्ष आंदोलन का जन्म हुआ। जिनपिंग ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा वैश्विक संघर्षों को समाप्त करने और पश्चिम के साथ वैश्विक दक्षिण के टकराव को खत्म करने में पंचशील की अहम भूमिका है। पंचशील सिद्धांत की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक सम्मेलन में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए जिनपिंग ने कहा, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों ने समय की मांग को पूरा किया और इसकी शुरुआत एक अपरिहार्य ऐतिहासिक विकास था। अतीत में चीनी नेतृत्व ने पहली बार पांच सिद्धांतों को उनकी संपूर्णता में निर्दिष्ट किया, इनमें संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान, परस्पर गैर-आक्रामकता, आंतरिक मामलों में परस्पर गैर-हस्तक्षेप, समानता और पारस्परिक लाभ व शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व शामिल हैं। जिनपिंग ने कहा कि इन सिद्धांतों ने मानव जाति के साझा भविष्य की परिकल्पना करने वाली वैश्विक सुरक्षा पहल की नई अवधारणा दी है। 1960 के दशक में उभरे गुटनिरपेक्ष आंदोलन के लिए ये पांच सिद्धांत मार्गदर्शक साबित हुए और अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कानून के शासन के लिए इन्होंने ऐतिहासिक मानदंड स्थापित किए।

यूएन ने अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति पर जताई चिंता

कहा- दोहा बैठक में लड़कियों को लेने दें भाग

वाशिंगटन, एजेंसी। महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र समिति (सीईडीएडब्ल्यू) ने अफगानिस्तान के भविष्य पर यूएन के तत्वाधान में आयोजित हो रही बैठक से महिलाओं व लड़कियों को शामिल ना किए जाने पर गहरी चिंता जताई है। अफगानिस्तान के विशेष दूतों की दो-दिवसीय बैठक इस सप्ताहांत कतर की राजधानी दोहा में होगी। 30 जून से एक जुलाई तक होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता, शांतिनिर्माण एवं राजनैतिक मामलों की प्रमुख और अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो करेंगी। इस दौरान अफगानिस्तान के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और अंतरराष्ट्रीय सपर्क व बातचीत को ढांचागत ढंग से आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो ने 18-21 मई को अफगानिस्तान की यात्रा के दौरान, सत्तारूढ़ तालिबान प्रशासन को इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए महासचिव एंतोनियो गुटेरेश की ओर से आमंत्रित किया था। यूएन समिति सीईडीएडब्ल्यू ने दुख जताया है कि अफगान महिलाएं फिलहाल दुनिया में अपने अधिकारों के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण संकट का सामना कर रही हैं। इसके मद्देनजर, उन्होंने इस बैठक में महिलाओं को सक्रिय व प्रत्यक्ष रूप से शामिल किए जाने का आग्रह किया है। समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया है कि उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने में विफल रहने से अफगान महिलाओं व लड़कियों की चुप्पी और बढ़ेगी, जबकि उनके अधिकारों का पहले ही गंभीर रूप से हनन हो रहा है।

पाकिस्तान ने दी अफगानिस्तान में घुसकर हमला करने की धमकी तो भड़का तालिबान

कहा- नतीजे भुगतने होंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आतंकवाद को लेकर एक बार विवाद गहरा गया है। दोनों देश एक दूसरे को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दे रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि आतंकवाद के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के तहत अफगानिस्तान में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह टीटीपी के ठिकानों को निशाना बना सकता है। इससे अफगानिस्तान तिलमिला उठा। उसने शुक्रवार को पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसके देश में घुसपैठ की गई तो उसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

अफगानिस्तान की धमकी: अफगानिस्तान रक्षा बल ने चेतावनी दी कि हमारे क्षेत्र में किसी भी प्रकार की घुसपैठ, चाहे वह किसी भी बहाने या आड़ में हो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे और उल्लंघनकर्ताओं को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

रक्षा बल ने आगे कहा कि अफगानिस्तान की राष्ट्रीय संप्रभुता के संभावित उल्लंघन के संबंध में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का हालिया बयान मूर्खतापूर्ण है और यह मामला उलझाने की कोशिश है। इससे किसी को फायदा नहीं होने वाला है। पाकिस्तान के नेतृत्व को महत्वपूर्ण मुद्दों पर इस तरह के संवेदनशील बयान देने से बचना चाहिए।

क्या है पाकिस्तान का सैन्य अभियान: पाकिस्तान की सरकार ने पिछले सप्ताह अज्म-ए-इस्तेहकम (जिसका अर्थ है स्थिरता के लिए संकल्प) नाम के सैन्य अभियान को मंजूरी दी थी। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य पाकिस्तान के खिलाफ तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के विद्रोहियों द्वारा अपनी सरजमीं का इस्तेमाल रोकना है।

फैसला किसी भी जल्दबाजी में नहीं लिया: एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि आतंकवाद रोधी अभियान शुरू करने का फैसला किसी भी जल्दबाजी में नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा, अज्म-ए-इस्तेहकाम के बारे में फैसला आर्थिक कठिनाइयों के कारण लिया गया और यह सीमा पार टीटीपी के पनाहगाहों को भी निशाना बना सकता है।

अफगानिस्तान पाकिस्तान में आतंकवाद का निर्यात कर रहा: रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ नहीं होगा, क्योंकि अफगानिस्तान पाकिस्तान में आतंकवाद का निर्यात कर रहा है और वहां निर्यातकों को शरण दी जा रही है। टीटीपी पड़ोसी देश से अपनी गतिविधियां चला रहा है, लेकिन इसके कुछ हजार कैडर देश के अंदर से ही काम कर रहे हैं।

गुरुद्वारा बनाने को लेकर पाकिस्तान में बवाल, अल्पसंख्यकों पर भड़के मुस्लिम

फैसलाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के फैसलाबाद में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का एक और मामला सामने आया है। दरअसल पाकिस्तान के पंजाब की सरकार ने फैसलाबाद में गुरद्वारा बनाने की इजाजत थी, मगर वहां मुस्लिम समुदाय के लोगों सरकार को ऐसा नहीं करने दे रहे हैं। साथ ही हिंदुओं और सिखों के खिलाफ अपना गुस्सा दिखा रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें स्थानीय मुस्लिम समुदाय को 76 साल से बंद पड़े एक गुरद्वारे के पुनर्निर्माण का विरोध करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो में अमीन बट नाम का प्रदर्शनकारी भी शामिल है जो फैसलाबाद का उप मेयर है। अमीन बट गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण को बाधित करने की धमकी देते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में उसे सिख और हिंदू समुदाय के खिलाफ बोलते हुए सुना जा सकता है। वायरल वीडियो में बट ने कहा, सिख मुसलमानों के बलात्कारी और हत्यारे हैं। हम फैसलाबाद में किसी भी सिख गुरुद्वारे की अनुमति नहीं देंगे। अगर सिख इसे बनाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें अल्लाह के लड़ाकों का सामना करना पड़ेगा। बता दें कि इस तरह की घटना पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी भेदभाव और असहिष्णुता को उजागर करती है। पाकिस्तान के हिंदू, सिख, और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों को भेदभावपूर्ण कानूनों, सामाजिक बहिष्कार और धार्मिक उग्रवाद से उत्पन्न हिंसा जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

शेफाली का महिला टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक

रोहतक में पिता बोले- रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं, एक भी गलत शॉट नहीं मारा

रोहतक (एजेंसी)। सहवाग के नाम से मशहूर रोहतक की शेफाली वर्मा ने महिला क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। चेन्नई में खेले जा रहे भारतीय महिला क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच मैच में महिला क्रिकेट टीम में सहवाग के नाम से मशहूर रोहतक की शेफाली वर्मा ने महिला क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। इस पर हर तरफ खुशी का माहौल है। अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर शेफाली के पिता संजीव वर्मा ने कहा कि आज खेली गई पारी को देखकर ऐसा लगता है कि उसने एक भी गलत शॉट नहीं मारा। मैच से पहले जब हमारी बात हुई थी तो मैंने उससे कहा था कि डरकर मत खेलो। निडर होकर अपने शॉट लगाओ, परिणाम देखेंगे। उसने उसी के अनुसार बेहतर खेल दिखाया है।

● शतक का इंतजार कर रहे थे – शेफाली के पिता संजीव वर्मा ने कहा कि वह शतक का इंतजार कर रहे थे, लेकिन शेफाली ने दोहरा शतक लगाकर कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं और हो सकता है कि शेफाली अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी शेफाली से बात हुई है और उन्होंने इसके लिए उसे बधाई दी है और अच्छा खेलने को भी कहा है। अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर संजीव वर्मा बेहद खुश हैं और उन्होंने भगवान का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने उस अकादमी का भी धन्यवाद किया जहां शेफाली वर्मा ने अभ्यास किया और उन कोचों का भी जिन्होंने उन्हें क्रिकेट के गुण सिखाए।

शेफाली ने 197 गेंद में बनाए 205 रन

भारतीय महिला टीम की ओपनर बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में साउथ अफ्रीका की टीम के विरुद्ध खेलते हुए सबसे तेज दोहरा शतक लगाया है। शेफाली वर्मा ने 113 गेंद में अपना शतक पूरा किया। वहीं 194 गेंद में 8 छक्के और 22 चौक की मदद से दोहरा शतक बनाकर सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाली महिला बन गई है। उन्होंने कुल 197 गेंद पर 205 रन बनाए और यह उनके टेस्ट करियर का सबसे बेस्ट स्कोर साबित हुआ है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड 248 गेंद पर दोहरा शतक लगाया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम ने महिला, टेस्ट क्रिकेट में बनाया सबसे बड़ा टीम स्कोर

छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की पारी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया।

भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की।

ऑस्ट्रेलिया ने इस साल पर्थ में यह स्कोर बनाया था लेकिन ऋचा घोष (86 रन) के एनेरी डर्कसन के 109वें ओवर की शुरूआती गेंद पर चौका लगाते ही भारत ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस उपलब्धि का श्रेय काफी हद तक भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (205 रन) और स्मृति मंधाना (149 रन) को जाता है जिन्होंने 292 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई जो महिला क्रिकेट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है।

जेमिमा रोड्रिग्स (55 रना) के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर (69 रन) और ऋचा ने अर्धशतक बनाकर योगदान दिया। भारतीय महिला टीम ने पहले दिन चार विकेट पर 525 रन बनाए थे जो टेस्ट मैच में एक दिन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी था।

इससे उसने श्रीलंकाई पुरुष टीम के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया जिसने 2002 में कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ नौ विकेट पर 509 रन बनाए थे।

टीम इंडिया की जीत के लिए गणपति अथर्वशीर्ष का हुआ पाठ

उज्जैन के सिद्धि विनायक मंदिर में पूजा; महाकाल से भी की गई प्रार्थना

उज्जैन (नप्र)। टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की जीत के लिए पूजा-पाठ, प्रार्थनाएं हो रही थी। उज्जैन में महाकाल मंदिर के परिसर में स्थित श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में गणपति अथर्वशीर्ष पाठ हुआ। भगवान के सामने इंडियन टीम के खिलाड़ियों की फोटो रखकर जीत की कामना की गई थी।

सिद्धि विनायक मंदिर के पुजारी चम्मू गुरु ने कहा कि हर भारतीय यही चाहता है कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप लेकर लौटे। इसीलिए भगवान महाकाल और श्री गणेश से भारतीय टीम की जीत की प्रार्थना की है। श्रद्धालु दर्शन के दौरान अपने साथ टीम इंडिया का फोटो भी लेकर आए थे।

जबलपुर में बीजेपी पार्षद कमलेश अग्रवाल ने विजय नगर स्थित दुर्गा मंदिर में कार्यकर्ताओं के साथ पूजा की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारतीय टीम खेल रही है, उसको देखते हुए लग रहा है कि भारत ही विश्व कप मैच जीतेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मैच शनिवार रात 8 बजे इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेला। इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें अब तक एक भी मैच नहीं हारी हैं। इससे पहले दोनों टीमें कभी टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में नहीं भिड़ीं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी टीम इंडिया को दी शुभकामनाएं- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी टीम इंडिया को जीत के लिए शुभकामनाएं दीं। सीएम शनिवार को छिंदवाड़ा दौरे पर हैं।

अमरवाड़ा विधानसभा के सिंगोड़ी गांव में उन्होंने पूर्व सरपंच रेखा कैलाश साहू के घर भोजन किया। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, बाबा महाकाल की कृपा से भारत विजेता बनेगा।

रोहित बड़े खिलाड़ी हैं, टी20 विश्व कप जीतने के हकदार : शोएब अख्तर

बारबाडोस (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टी20 वर्ल्ड के सेमीफाइनल में इंग्लैंड पर भारत की 68 रन की जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की उनके नेतृत्व गुणों की सराहना करते हुए उन्हें एक निःस्वार्थ कप्तान करार दिया। शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में 39 गेंदों पर 57 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे। बहरहाल, अपने यूट्यूब चैनल पर अख्तर ने भारतीय टीम के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और कहा कि टीम इंडिया रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने की दावेदार है। अख्तर ने कहा कि रोहित शर्मा ने बार-बार कहा है कि वह प्रभाव डालना चाहते हैं और ट्रॉफी जीतना चाहते हैं और इसलिए वह कप जीतने के हकदार हैं। वह एक बड़े खिलाड़ी हैं और इसका अंत बड़े पैमाने पर होना चाहिए। वह एक निस्वार्थ कप्तान हैं, टीम के लिए खेलते हैं। अख्तर ने 2023 वनडे विश्व कप में टीम इंडिया की हार पर भी निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा भारत के टूर्नामेंट जीतने के पक्ष में था।

पिछले साल जब भारत विश्व कप नहीं जीत सका तो मुझे दुख हुआ क्योंकि उन्हें इसे नहीं हारना चाहिए था क्योंकि वे जीत के हकदार थे। बता दें कि टीम इंडिया ने सेमीफाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 171/7 रन बनाए थे। इसमें सूर्यकुमार यादव (36 गेंदों पर 47 रन) और हार्दिक पंड्या और रवींद्र जड़ेजा का योगदान रहा। गेंदबाजी विभाग में इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन उल्लेखनीय रहे, उन्होंने अपने स्पेल में 37 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 16.4 ओवर में कुल 103 रन पर ऑल आउट हो गई। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक और जोस बटलर ने कुछ रन बनाए लेकिन यह काफी नहीं थे। भारत के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने तीन-तीन विकेट लिए, जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए।

जसप्रीत बुमराह ने कप्तान के लिए दिल खोलकर रख दिया, कहा

रोहित काफी फीडम देते हैं...

बारबाडोस (एजेंसी)। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह 37 वर्षीय बल्लेबाज शानदार है। मौजूदा टी20 विश्व कप 2024 में रोहित शर्मा टूर्नामेंट में तीसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 7 मैचों में 155.97 के स्ट्राइक रेट से 248 रन बनाए हैं। आईसीसी के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक वीडियो में बात करते हुए बुमराह ने कहा कि पिछले एकदिवसीय विश्व कप 2023 में रोहित बहुत सक्रिय थे। बुमराह ने खुलासा किया कि भारतीय कप्तान ने अपने खिलाड़ियों को काफी आजादी दी थी।

कप्तान रोहित की बुमराह ने की जमकर सराहना – जसप्रीत बुमराह ने रोहित को लेकर कहा, रोहित शर्मा असाधारण रहे हैं। यहां तक कि पिछले विश्व कप में भी आप जानते हैं वह सक्रिय रहे हैं। वह अपने खिलाड़ियों को बहुत फ्रीडम देते हैं।

इंजमाम के बयान पर भड़के रोहित शर्मा

हमें मत सिखाओ... दिमाग का इस्तेमाल करो...

बारबाडोस (एजेंसी)। टीम इंडिया के गेंदबाजों पर गेंद से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक को मौजूदा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने दिमाग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। रोहित के इस बयान पर इंजमाम भड़क गए हैं। उन्होंने एक टीवी शो के दौरान रोहित पर तीखे हमला करते हुए कहा है कि वह उन्हें न सिखाएं कि क्या कहना है और क्या नहीं। बता दें कि इंजमाम ने टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्शदीप सिंह द्वारा फेंके गए 15वें ओवर में मिल रही गेंद रिवर्स-स्विंग पर सवाल उठाए थे।

भारत की 24 रनों से जीत के बाद इंजमाम ने दावा किया कि गेंद पर गंभीरता से काम किया गया है। लेकिन भारतीय कप्तान ने पलटवार किया और धूप में रिवर्स-स्विंग की बारीकियां बताईं। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले इंजमाम के आरोपों पर कहा था कि यहां के विकेट काफी शुष्क हैं। सभी टीमों को रिवर्स (स्विंग) मिल रही है। आपको अपना दिमाग खुला रखने की जरूरत है। यह ऑस्ट्रेलिया नहीं है।

बहरहाल, पाकिस्तान के एक टीवी शो पर इंजमाम ने कहा कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को कुछ नहीं सिखाते जिसने वास्तव में दुनिया को सिखाया हो। उसे बताएं कि ये बातें कहना सही नहीं है। हम निश्चित रूप से अपने दिमाग का उपयोग करेंगे लेकिन पहली बात यह है कि उन्होंने (रोहित) स्वीकार किया कि ऐसा हो रहा है। तो इसका मतलब है कि हमने जो देखा वह सही है। दूसरी बात, रोहित को हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि रिवर्स स्विंग कैसे काम करती है, कितनी धूप में काम करती है। मैंने अंपायरों को केवल सुझाव दिया था कि अपनी आंखें खुली रखें क्योंकि 15वें ओवर में गेंद घूम रही थी और मैं अभी भी अपना रुख बनाए हुए हूं। मैं उनसे फिर कहूंगा अपनी आंखें खुली रखें। क्या हो रहा है? इंजमाम का उनके साथी पैनलिस्ट पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलीम मलिक भी समर्थन करते हुए नजर आए। हालांकि उक्त मामले पर पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि इस मामले को रिपोर्टर को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं थी। हालांकि सहवाग ने यह भी कहा कि अगर वह रोहित की जगह होते तो ऐसी किसी भी टिप्पणी से बचते। बता दें कि भारत टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंच गया है और 29 जून को बारबाडोस में ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका के साथ खेलेगा।

कैफ ने कोहली का समर्थन किया, कहा- धोनी का भी 2011 में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने विश्वास व्यक्त किया है कि विराट कोहली एमएस धोनी जैसा वीरतापूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जैसा उन्होंने 2011 वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में किया था। कैफ ने कोहली के मौजूदा फॉर्म और 2011 विश्व कप में धोनी के सफर के बीच तुलना की। उन्होंने प्रशंसकों को याद दिलाया कि धोनी ने एक असाधारण टूर्नामेंट नहीं खेलने के बावजूद श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मौके का फायदा उठाया, नाबाद 91* रन बनाए और लॉन्ग ऑन पर एक यादगार छक्का लगाकर जीत सुनिश्चित की।

कैफ ने सुझाव दिया कि कोहली, जिन्होंने अभी तक इस टूर्नामेंट में कोई खास प्रदर्शन नहीं किया है, उनमें धोनी के वीरतापूर्ण प्रदर्शन की नकल करने की क्षमता है। कैफ ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, विराट कोहली को यह याद रखना चाहिए कि 2011 में धोनी का कुलसेकरा की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर धोनी का छक्का सभी के दिमाग में बसा हुआ है। भी विश्व कप अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल कर ली। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, जो गेंद को अपनी योग्यता के अनुसार खेल सकते हैं और किसी भी गेंदबाजी आक्रमण पर हावी हो सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि विराट कोहली के पास हीरो बनने का शानदार मौका है।

पिछले आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के लिए अहम भूमिका निभाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं। हालांकि कैफ ने उन्हें वनडे विश्व कप में इंडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके शानदार शतक की याद दिलाई और कोहली को उस पारी से आत्मविश्वास लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, उन्हें यह भूल जाना चाहिए कि वह खराब फॉर्म में हैं। उन्होंने तब शतक लगाया था, जब भारत ने आखिरी बार वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उस दिन वह शानदार थे और उन्होंने बहुत अच्छा खेला, लेकिन वह उस दिन शानदार प्रदर्शन नहीं कर रहे थे, बल्कि उचित क्रिकेट शॉट्स के साथ गेंद को योग्यता के अनुसार खेल रहे थे। भारत का फाइनल तक का सफर शानदार रहा है, जिसमें शीर्ष मुकाबले तक वह अजेय रहा है। 11 साल से कोई बड़ा आईसीसी खिताब नहीं जीतने वाली टीम अपने खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।